Shri Gujarati Samaj, Indore

1,Nasia Road, Indore ● Ph. 2706468 ●Fax – 2703447 ●E-mail: sgsindore@hotmail.com
Website: www.shrigujaratisamajindore.com

Euphoria

2021-22

Shri Gujarati Samaj B.Ed. College

1,Nasia Road, Indore● Ph. 0731-2702691
NAAC ACCREDITED WITH ‘B’ Grade
Website : http://www.gujaratibedind.org | e-mail : gujarati_bed_college@yahoo.co.in

श्री गुजराती समाज, इंदौर

संदेश

श्री नरेन्द्रभाई जी. पटेल
अध्यक्ष, श्री गुजराती समाज, इंदौर

जीवन में अक्सर चुनौतियाँ आती रहती हैं. इन चुनौतियों का दृढ़ता से सामना करनेवाला व्यक्ति ही सफ़लता के शिखर को छू सकता है क्योंकि बिना चुनौती स्वीकार किये तो मंजिल भी हासिल नहीं होगी. इसलिए युवा विद्यार्थियों से मेरा आग्रह है कि वे कठिन से कठिन परिस्थिति का भी डटकर मुकाबला करें. सफ़लता अवश्य मिलेगी.

इन्ही शुभकामनाओं के साथ ।

संदेश

श्री दीपकभाई आर. सोनी
अध्यक्ष, शासी निकाय,
श्री गुजराती समाज बी. एड. महाविद्यालय

आज के सुचना प्रोद्योगिकी के युग में जब सम्पूर्ण विश्व डिजिटलीकरण की ओर बढ़ रहा है, ऐसे समय में श्री गुजराती समाज बी. एड. महाविद्यालय द्वारा डिजिटल पत्रिका का प्रकाशन सम्पूर्ण भारत एवं विश्व के साथ डिजिटल युग में कदम से कदम मिलाकर चलने का एक सराहनीय प्रयास है अतः हमारे महाविद्यालय के सभी प्राध्यापक एवं छात्र-छात्राएँ जो की भविष्य के शिक्षक हैं, को इस डिजिटल पत्रिका के प्रकाशन पर बहुत- बहुत शुभकामनाएँ-

श्री गोविन्दभाई पटेल
उपाध्यक्ष

श्री पंकजभाई संघवी
मानद महामंत्री

श्री प्रदीपभाई शाह
मानद कोषाध्यक्ष

श्री दीपकभाई मोदी
मानद हिसाबनीस

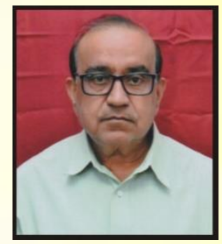

श्री दीपकभाई जे. सोनी
मानद सह हिसाबनीस

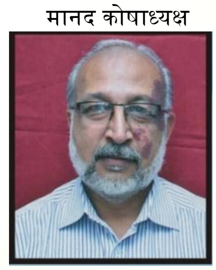

श्री अमितभाई दवे
अध्यक्ष, शि.स. – कॉलेज
(नसिया रोड एवं. महारानी रोड)

श्री अतुलभाई सेठ
अध्यक्ष, शि.स. – कॉलेज
(स्कीम नं. -54)

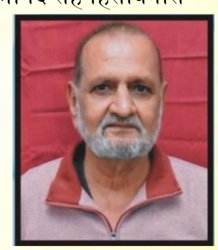

श्री सुरेश पटेल
अध्यक्ष, शि.स. – स्कूल

श्री भगवान दास पटेल
चेयरमेन शि.वि. समिति

श्री जयेशभाई शाह
मानद सहमंत्री

श्री नरेन्द्रभाई वी. पटेल
मानद सहमंत्री

बोर्ड ऑफ ट्रस्टीज़

श्री पंकजभाई संघवी
अध्यक्ष–बोर्ड ऑफ़ ट्रस्टीज

श्री मनोजभाई परीख
मंत्री- बोर्ड ऑफ़ ट्रस्टीज

Shri Gujarati Samaj, Indore

Shri Gujarati Samaj B.Ed. College, Indore

NAAC Accredited with 'B' Grade

1,Nasia Road, Indore Ph.:2702691, 2703447

Euphoria

TWELFTH - EDITION

2021-22

Chief Patron
Shri Deepakbhai R. Soni

Patron and Principal
Dr. (Mrs.) Kiran Dammani

Co-ordinator
Ms. Keerti Yadav

Deputy Co-ordinator
Ms. Palak Berchha

सरस्वती वंदना

या कुन्देन्दुतुषारहारधवला या शुभ्रवस्त्रावृता
या वीणावरदण्डमण्डितकरा या श्वेतपद्मासना।
या ब्रह्माच्युत शंकरप्रभृतिभिर्देवैः सदा वन्दिता
सा मां पातु सरस्वती भगवती निःशेषजाड्यापहा॥

शुक्लां ब्रह्मविचार सार परमामाद्यां जगद्व्यापिनीं
वीणा-पुस्तक-धारिणीमभयदां जाड्यान्धकारापहाम्।
हस्ते स्फटिकमालिकां विदधतीं पद्मासने संस्थिताम्
वन्दे तां परमेश्वरीं भगवतीं बुद्धिप्रदां शारदाम्॥

आवरण-पृष्ठ-परिकल्पना

"पथिक के लिए कोई रास्ता नहीं होता, क्योंकि वह चलने से बनता है।" -एंटोनियो मचाडो

ये शब्द पूरी तरह से वर्णन करते हैं कि जीवन का मार्ग कोई वास्तविक रास्ता नहीं है, कोई निश्चित रास्ता नहीं है, हम में से हर एक अपना रास्ता, अपनी राह स्वयं बनाता है। हमारे चलने की शुरुआत दुर्बलता, डर, अनिश्चितता के साथ होती है। परंतु जैसे-जैसे हम जीवन में आगे बढ़ते हैं खुशियाँ व समस्याएँ हमारे साथ चलतें हैं। एक ओर खुशियाँ हमें चलते रहने का साहस, इच्छाशक्ति को ताकत प्रदान करती है, वहीं दूसरी ओर समस्याएँ हमें अनगिनत व आश्चर्यजनक अनुभव, सरलता से जीना, विनम्रता, बिना किसी डर के जीना, गिर कर उठना सिखाते हैं। खुशियाँ व समस्याएँ हमें रास्ता बनाने में मदद करते हैं। इसी प्रकार व्यक्ति खुशी के पलों और कठिन समय से अपने जीवन का रास्ता बनाता है। अतः यह जीवन है; इसे जीने के द्वारा ही सीखा जा सकता है। इसका कोई रास्ता नहीं होता।

कीर्ति यादव
सहायक प्राध्यापक व पत्रिका संयोजक

अनुक्रमणिका

❖ श्री गुजराती समाज,इन्दौर का सुनहरा इतिहास एंव प्रकाशमय वर्तमान"		4
❖ शिक्षण समिति श्री गुजराती समाज		7
❖ श्रद्धा सुमन –लता मंगेशकर	प्रियम सोनी	9
❖ The winning mindest	Maya Jhala	10
❖ Importance of Reading	Bismy Joseph	11
❖ Women Empowerment	Simita Singh	12
❖ The last bite of cookie	Aakariti Chand Joseph	13
❖ Techniques to envelop will power	Ayushi Jaiswal	14
❖ Indore Jewel of m.p	Nisha Agrawal	15
❖ Take the first step toward your Dream	Sandhaya Vyas	16
❖ Joy	Asst. Prof. Keerti Yadav	18
❖ New National Education policy-2020	Asst. Prof. Keerti yadav	19
❖ Beautiful Mind	Shreshthi Singh	24
❖ What ever it takes	Deepika Joshi	25
❖ Report of the sports committee	Asst. Prof. Palak Berchha	26
❖ Report of Research committee	Asst. Prof. Seema Pareek	27
❖ Report on Academic performance	Asst. Prof.seema pareek	30
❖ Annual Report on cultural Committee	Asst. Prof.Keerti yadav	30
❖ Report on Co- Curricular and Annual Activities	Asst. Prof.Keerti yadav	32
❖ Report of Admission Committee	Ms. Seema Thakkar	34
❖ इंसानियत ही सबसे बडा मजहब	आरती झाला	35
❖ ग्लोबल वार्मिग–दुनिया के लिए चेतावनी	स.प्रा. भारती जादौन	36
❖ प्रकृति	हर्षाली निम्भौरे	38
❖ जीवन एक संधर्ष	देवाशुं सिंह	39
❖ नारी के पास जो शक्ति है,उसकी ना कोई अभिव्यकित हैं	दिप्ती कूलवाल	40
❖ जिन्हें हम शिक्षक कहते हैं	श्वेता पांण्डे	41
❖ सोलह संस्कार	स.प्रा. अर्चना सिंह तोमर	42
❖ जरा सोच समझकर	स.प्रा. पलक बेरछा	45
❖ जिंदगी गुलामी में नही	दिव्या यादव	46
❖ स्कुल इर्न्टनशीप प्रतिवेदन	डॉ.आरती शाक्य	47
❖ स्थापन प्रकोष्ठ प्रतिवेदन	स.प्रा. भारती जादौन	47
❖ ग्रंथालय रिपोर्ट	श्रीमती अर्चना सोलंकी	48
❖ छात्रवृत्ति कमेटी का वार्षिक प्रतिवेदन	डॉ.आरती शाक्य	49
❖ श्रद्धांजलि		51
❖ आभार	स.प्रा. पलक बेरछा	52

महाविद्यालयीन शासी निकाय 2021-22

श्री दीपकभाई आर. सोनी
अध्यक्ष

श्री पंकजभाई संघवी
सदस्य

श्री नीलेशभाई पटेल
सदस्य

श्री भावनेशभाई पटेल
सदस्य

डॉ. दीपक मेहता
वि. वि. प्रतिनिधि

डॉ. वृंदा टोकेकर
वि. वि. प्रतिनिधि

डॉ. किरण दम्मानी
प्राचार्य एवं पदेन सचिव

स. प्रा. भारती जादौन
शिक्षक प्रतिनिधि

स. प्रा. कीर्ति यादव
शिक्षक प्रतिनिधि

Message

Nurturing creativity and inspiring innovation are two of the key element of a successful education, and a college magazine is the perfect amalgamation of both. It harnesses the creative energies of the academic community, and distils the essence of their inspired imagination in the most brilliant way possible. Hence, I am gratified to know that Shri Gujarati Samaj B.Ed. College is bringing out the twelfth edition of their e-magazine "EUPHORIA" of the Academic year 2021-22. I wish shri Gujarati Samaj B.Ed. College a very big success in all their ventures. May all our students soar high in uncharted skies and bring glory to the world and their profession with the wings of education. Best Wishes……

Shri Pankaj Bhai Sanghavi
Hon. Gen. Secretary & President
Board of Trustee, SGS, Indore

From the desk of the Principal....

It gives me immense pleasure to place in your hands this twelfth issue of our annual college magazine Euphoria. A college magazine is a medium through which the faculty and the students share their ideas and experiences. Publication of the College magazine helps to record the curricular and extra-curricular journey of the College. I take this opportunity to congratulate the editorial board, the faculty, the staff and students of the college for bringing out this magazine. The name of college magazine is "Euphoria", which means 'happiness'.

Dear students always remember that your happiness should not be dependent on people or circumstances. True Happiness is something that comes from deep inside, from our hearts. Although we feel that material things or pleasures can make us happy, it is not true. A person who is wealthy may or may not be happy. However, a person who is happy is always wealthy. Such a person strongly believes that whatever happens is for good. Moreover, such a person will be able to find pleasure even in the pain.

Dear Students always keep in mind, to be happy one should reduce the burden of desires and expectations. If we are happy, we could spread happiness everywhere. Happiness adds to the beauty of a person. Thus, be happy and enjoy life. Whatever you have learned from this institution will enable you to stand firmly in every situation. It will guide and make your life successful and happy.

Dr. Kiran Dammani
Principal

Editor's Note

Dear Reader,
Greetings to you!

We are pleased to present to you 12th edition of "Euphoria" the e-Magazine of Shri Gujarati Samaj B.Ed. College. We are really proud and exuberant to acclaimed that we are ready with all new hopes and hues to bring out this edition, which is going to surely unfold and unreveald world of the most unforgettable and precious moment of the college. Keeping the pandemic scenario in mind, "Euphoria" is being published as an e-magazine. For you, we have worked hard to bring up an exhilarating flashback of the inception of the Samaj and college, its history, events and achievements during the session 2019-2021.

We have created the world of beauty in words for you, in the form of, a wide range of poetry, jokes, some informative and inspirational articles.

Happy Reading!

Keerti Yadav

Magazine Committee 2021-22

Asst.Prof. Keerti Yadav
Co-ordinator

Asst.Prof. Palak Berchha
Deputy Co-ordinator

Asst.Prof. Bharti Jadon
Text Editor

Asst.Prof. Archna singh Tomar
Text Editor

Dr. Arti Shakya
Photograph Editor

Asst.Prof. Aparna Raghuvanshi
Photograph Editor

Ms. Archna Solanki
Photograph Editor

Asst.Prof. Seema pareek
Member

श्री गुजराती समाज, इन्दौर का ''सुनहरा इतिहास एवं प्रकाशमय वर्तमान'' एवं समाज के सदस्यों और उनके परिवारजनों को दी जाने वाली सुविधाएँ

श्री गुजराती समाज शिक्षा के लिए समर्पित एक विशाल केन्द्र है। यह इन्दौर का ही नहीं बल्कि प्रदेश का सबसे बड़ा शिक्षा संकुल है। गुजरात से आये हुए व्यावसायिक रूप में साहसिक गुजरातियों ने अपनी भाषा और संस्कृति से जीवंत सम्पर्क बनाये रखने हेतु 1923 में जेलरोड़ पर मात्र 7 छात्रों की संख्या से एक छोटा-सा स्कूल प्रारंभ किया। संख्या वृद्धि एवं स्थान की समस्या को देखते हुए स्व. घेलाभाई नाथाभाई पटेल,स्व. पुरुषोत्तमदास गोरधनदास पटेल एवं स्व. मणीलाल बलदेवदास परीख के प्रयत्नों द्वारा सियांगज में एक किराये के मकान से स्कूल का संचालन किया गया। उसके पश्चात् इनके प्रयत्न एवं दानशीलता के कारण इस छोटे-से स्कूल ने 1925 एवं 1932 में क्रमशः प्राथमिक एवं माध्यमिक विद्यालय का रूप ले लिया।

व्यावसायिक एवं आर्थिक रूप से सफल श्री मणिलाल परीख गहन आध्यात्मिक प्रवृत्ति के थे। इसी आध्यात्मिकता ने उन्हें विशाल हृदय वाला बना दिया था। 1942 के आते-आते इस विद्यालय को विशाल आकार देने के लिए सेठ श्री ने न केवल रुपये 35000/- दान दिये, अपितु स्वयं और अपने साथियों के साथ भागीरथ प्रयत्न से नगर-नगर, द्वार-द्वार से 1,80,000/- रुपये एकत्रित किए। इन्हीं प्रयासों का मूर्तरूप 1946 में आर.आर.एम.बी. गुजराती हाईस्कूल के रूप में सामने आया और 1948 में हायर सेकेण्डरी विद्यालय बन गया। 1948 की श्री वल्लभभाई पटेल की इन्दौर यात्रा ने यहाँ के गुजरातियों में एक नया जोश भर दिया और वे सम्पूर्ण भारतीयों के लाभार्थ का दृष्टिकोण अपनाकर विकास कार्यों में जुट गये। स्व. श्री सेठ मणिलालजी के दान की सहायता से 1952 में इण्टर कॉलेज की स्थापना की गई जिसमें विज्ञान एवं वाणिज्य विषयों का अध्यापन होता था। नौकरी पेशा वर्ग हेतु 1956 में रात्रिकालीन कला संकाय प्रारंभ किया गया। इस इण्टर कॉलेज को 1958 में डिग्री कॉलेज बना दिया गया। सेठजी की धर्मपत्नी श्रीमती चंचलबेन मणिलाल परीख के सहयोग से 1957 में सी.एम.पी. विद्यालय की स्थापना हुई। समाज को शिक्षा विस्तार के लिए महारानी रोड़ पर शासन से जमीन प्राप्त हुई जहां श्री भाईलाल पटेल एवं श्री अम्बालाल पटेल के आर्थिक सहयोग से 1962 में के.बी. पटेल कन्या विद्यालय की स्थापना की गई।1963में दानवीर श्री गोवर्धनदास पटेल ने अपने पिता की स्मृति में घेलाभाई नाथाभाई पटेल बाल मंदिर का निर्माण महारानी रोड़ पर कराया।

1970 तक महाविद्यालय का कार्यक्षेत्र बढ़ जाने से इसे विज्ञान महाविद्यालय व कला वाणिज्य एवं विधि महाविद्यालय के स्वतंत्र भागों में बाँट दिया गया। 1970 में कला संकाय में कला एवं 1974 में विज्ञान महाविद्यालय में बॉटनी व केमिस्ट्री की पोस्ट ग्रेज्युएट कक्षाएँ आरंभ हुई। वर्ष 1982 में प्रारंभ एम.के.एच.एस. जी.सी.सी. देश का प्रथम कन्या वाणिज्य महाविद्यालय है। इसे मातुश्री कंकुबेन हीराचंद संघवी, चेरिटेबल ट्रस्ट द्वारा दान प्राप्त है। 1983 एवं 1986 में यहाँ क्रमशः गृह विज्ञान एवं वाणिज्य की पी.जी. कक्षाएँ प्रारंभ हुई।

श्री गुजराती समाज ने रोजगारमूलक व आधुनिक शिक्षा की आवश्यकता महसूस कर महिला व्यावसायिक प्रशिक्षण केन्द्र की स्थापना वर्ष 1989 में की।

गुजराती विज्ञान महाविद्यालय, माइक्रोबॉयलाजी, इलेक्ट्रॉनिक व कम्प्यूटर साइन्स विषय स्नातक स्तर पर प्रारंभ करने में शहर/प्रदेश में प्रथम स्थान पर था। बाद में महाविद्यालय में बायोटेक्नालॉजी एवं इन्फॉर्मेशन टेक्नालॉजी के नये पाठ्यक्रम भी प्रारंभ किये गये।

ए.बी. रोड़ पर स्थित योजना क्रमांक 54 में 12 एकड़ भूमि पर विशाल बहुउद्देशीय शिक्षा कॉम्पलेक्स प्रारंभ किया। स्व. मुकेश अजमेरा पारमार्थिक टस्ट द्वारा दान देकर यहाँ अजमेरा मुकेश नेमीचंद इंग्लिश मिडियम स्कूल जो कि केन्द्रीय शिक्षा मंडल, दिल्ली से मान्यता प्राप्त है कि स्थापना 1992 में की गई। तब से यह विद्यालय प्रतिवर्ष सफलता व लोकप्रियता अर्जित कर रहा है। गुजराती विज्ञान एवं वाणिज्य महाविद्यालय के पीछे 5 एकड़ के लगभग का एक विशाल मैदान सरदार पटेल के नाम पर है। यहाँ पर संस्था का प्रदेश प्रसिद्ध जिम है जो सभी प्रकार के साधनों से सुसज्जित है। खेल सम्बन्धी सभी सुविधाएँ यहाँ पर उपलब्ध हैं।

पारंपरिक शिक्षा के साथ व्यावसायिक एवं राजगारोन्मुखी शिक्षा के क्षेत्र में समाज ने प्रवेश किया है। समाज द्वारा1999 से होम्योपैथिक मेडिकल कॉलेज एवं रिसर्च सेन्टर संचालित हो रहा है। इसी प्रकार 2001 से समाज ने इंस्टीट्यूट ऑफ प्रोफेशनल स्टडीज़ प्रारंभ किया है। इसमें एम.सी.एम., बी.सी.ए. आदि पाठ्यक्रम संचालित हो रहे हैं एवं एम.बी.ए. पाठ्यक्रम भी प्रारंभ किया गया। ये दोनों महाविद्यालय समाज के नये परिसर स्कीम नं. 54 में चल रहे हैं। यह परिसर वर्तमान में पूर्ण रूप से निर्मित किया जा चुका है एवं पूर्णतः सुसज्जित परिसर के रूप में स्थापित हो गया है।

दानदाता श्री अशोक पटेल ने अपने माता-पिता की स्मृति में समाज को 43 लाख का दान दोनों महाविद्यालयों के लिए दिया है। दोनों महाविद्यालयों का नाम उनके माता-पिता के नाम पर क्रमशः श्रीमती कमलाबेन रावजीभाई पटेल गुजराती होम्योपैथिक कॉलेज, हॉस्पिटल एवं रिसर्च सेन्टर तथा रावजीभाई गोकलभाई पटेल गुजराती प्रोफेशनल इंस्टीट्यूट रखे गये हैं।

समय की मांग एवं आवश्यकता को देखते हुए वर्ष 2005-06 में श्री गुजराती समाज बी.एड. कॉलेज की स्थापना की गई।

दानदाता श्री दीपचंद गार्डी चेरीटेबल टस्ट, मुम्बई ने इनोवेटिव कॉलेज को श्री जयंतिभाई संघवी की स्मृति में **रूपये 21,00,000/-** का दान दिया है एवं उनकी स्मृति में इनोवेटिव कॉलेज का नाम बदलकर **''श्री जयंतिलाल हीराचंद संघवी गुजराती इनोवेटिव कॉलेज ऑफ कॉमर्स एण्ड साईंस''** कर दिया गया है। समाज ने वर्ष 2007-08 से एक और नया महाविद्यालय **''श्री गुजराती समाज कॉलेज ऑफ फॉर्मसी''** के नाम से प्रारंभ किया है एवं इस कॉलेज के नाम के लिये **''नूतनबेन मनसुखलाल तुरखिया (पब्लिक टस्ट) मुम्बई''** की ओर से **रूपये 22,61,000/-** का दान प्राप्त हुआ है। दानदाता के नाम पर फार्मेसी कॉलेज का नाम **''श्रीमती नूतनबेन मनसुखभाई तुरखिया गुजराती कॉलेज ऑफ फार्मेसी''** रखा गया।

समाज द्वारा धार रोड़ पर लगभग 9 बीघा एवं राजेन्द्र नगर पर 41,000 स्के.फीट जमीन क्रय की गई है एवं भविष्य में इन दोनों जगहों पर आवश्यकतानुसार निर्माण कार्य किया जावेगा।

समाज के लिये बड़ी उपलब्धी यह भी रही कि म.प्र. अल्पसंख्यक आयोग ने श्री गुजराती समाज द्वारा संचालित समस्त विद्यालयों एवं महाविद्यालयों को भाषायी अल्पसंख्यक समुदाय द्वारा संचालित शैक्षणिक संस्थाएँ मानते हुए भाषायी अल्पसंख्यता का प्रमाण-पत्र प्रदान किया है।

इन्दौर शहर का कोई घर ऐसा नहीं है, जिसके सदस्यों ने गुजराती समाज में शिक्षा न ली हो। विश्वविद्यालय का हर सातवां विद्यार्थी गुजराती कॉलेज का है। **वर्तमान में समाज 9 महाविद्यालय एवं 6 विद्यालयों का संचालन कर रहा है। लगभग 26,284 छात्र यहाँ विद्याध्ययन कर रहे हैं। लगभग 1,500 शिक्षक एवं कर्मचारी इस शिक्षायज्ञ में अपनी आहुती दे रहे हैं।** श्री गुजराती समाज ने देश को नेता, मंत्री, आई.ए.एस., आई.पी.एस. अधिकारी सफल उद्योगपति, वैज्ञानिक एवं विद्वान दिये हैं।

श्री गुजराती समाज, इन्दौर द्वारा संचालित विद्यालय :- आर.आर.एम.बी. गुजराती उ.मा. विद्यालय, श्री के.बी. पटेल गुजराती कन्या उ.मा. विद्यालय एवं श्रीमती च.म.प. गुजराती प्राथमिक एवं माध्यमिक विद्यालय में अध्ययनरत गुजराती विद्यार्थियों की पूरी फीस माफ की जाती है और गुजराती विद्यार्थियों को स्कूल युनिफॉर्म, कॉपी-किताबें, स्कूल बेग एवं स्कूल शूज भी समाज की तरफ से निःशुल्क दिये जाते है।

श्री गुजराती समाज, इन्दौर द्वारा संचालित ए.एम.एन. इंग्लिश मिडियम स्कूल में अध्ययनरत गुजराती विद्यार्थियों की फीस में 50% की रियायत (छूट) दी जाती है।

श्री गुजराती समाज, इन्दौर द्वारा संचालित महाविद्यालयों में (होम्योपैथिक, प्रोफेशनल, बी.एड. एवं फॉर्मेसी को छोड़कर) अध्ययनरत गुजराती विद्यार्थियों की फीस में 50% की रियायत (छूट) दी जाती है।

समाज द्वारा गुजराती विद्यार्थियों को उच्च शिक्षा हेतु आर्थिक सहायता प्रदान की जाती है।

समाज द्वारा नियमानुसार सभी (स्कूल/कॉलेज) में गरीब विद्यार्थियों (गैर गुजराती) की फीस भी माफ की जाती है।

छात्र/छात्राओं के आवागमन सुविधा हेतु समाज में कुल 81 बसे, 8 छोटी गाड़ियाँ (बोलेरो, तूफान एवं निसान कार) एवं 1 पिकअप वाहन है, जो शासन के नियम अनुसार जी.पी.एस., कैमेरा, सीट बेल्ट, स्पीड गर्वनर की सुविधाओं के साथ संचालित किये जा रहे है।

श्री गुजराती समाज शिक्षा क्षेत्र के अलावा समाज सेवा में भी अग्रणी है। समाज द्वारा सेवा के उद्देश्य से कई गतिविधियाँ संचालित हो रही हैं। कुछ मुख्य गतिविधियाँ निम्न हैं :-

- **1963 में बाहरी यात्रियों की सुविधा के लिए आर.आर. कॉन्टक्टर अतिथि गृह का निर्माण किया गया था। यात्रियों की बढ़ती हुई संख्या को देखते हुए समाज ने नये गेस्ट हाऊस एवं गुजराती सदस्यों की बढ़ती संख्या को देखते हुए वाड़ी का निमार्ण स्नेहलतागंज में 8400 वर्ग फीट के भूखंड पर किया है। नया गेस्ट हाऊस अति आधुनिक एवं ए.सी. रुम की सुविधाओं वाला है। जिसमें 20 ए.सी रुम, 2 कॉमन हॉल, लिफ्ट की सुविधा भी है। नये गेस्ट हाऊस में मांगलिक एवं वैवाहिक कार्यक्रम होने की सुविधा भी है। साथ ही अतिथि गृह में सोलर पैनल प्लांट भी लगवाया गया है जिससे बिजली की अत्यधिक बचत हो जावेगी।**

  स्नेहलतागंज स्थित गेस्ट हाऊस के तलघर में एवं समाज के स्कीम नं. 54 स्थित परिसर तथा नवलखा में हेल्थ सेन्टर का सफलतापूर्वक संचालन किया जा रहा है, जिसमें कई अत्याधुनिक मशीनें लगाई गई है। हेल्थ सेन्टर की वार्षिक फीस न्यूनतम रु. 120/- प्रतिवर्ष प्रति व्यक्ति रखी गई है और इस जिम्नेशियम में कई गुजराती परिवार (बच्चे, महिला एवं पुरूष) लाभांवित हो रहे है।
- **श्री गुजराती समाज, इन्दौर द्वारा समाज के स्कीम नं. 54 स्थित परिसर में एक 100 बेड का भव्य हॉस्पिटल बनाया जा रहा है, जिसमें अत्याधुनिक जाँच मशीनें - सीटी स्केन, वेंटीलेटर, ई.सी.जी., ऑक्सीजन मशीन, बेड इत्यादि की सुविधाएँ उपलब्ध की जावेगी और मेडिकल स्टाफ भी नियुक्त किया जावेगा।**
- समय-समय पर गुजराती भाषा एवं संस्कृति से परिचित करवाने के लिये विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किये जाते हैं। इसके अन्तर्गत गुजराती भाषा में नाटक, डायरा एवं गीत-संगीत, गरबा आदि के कार्यक्रम किये जाते हैं, जिसमें गुजराती कलाकार अपनी कला का प्रदर्शन करते हैं।
- समाज द्वारा दीपावली मिलन समारोह का आयोजन भी किया जाता है, जिसमें समस्त गुजराती पेटा समाज के वरिष्ठजनों का सम्मान शॉल-श्रीफल से किया जाता है और गुजराती परिवारों के लिए सुमधुर गीत-संगीत का आयोजन भी किया जाता है।
- समाज द्वारा तीन दिवसीय भव्य पैमाने पर **'स्वाद वानगी'** का आयोजन भी किया जाता है, जिसमें विभिन्न प्रकार के गुजराती खान-पान के स्टॉल लगाये जाते है। साथ ही शहर के नागरिको के लिए सुमधुर गीत-संगीत का आयोजन भी किया जाता है और बच्चों के लिए विभिन्न प्रकार के झूले भी लगाये जाते है।
- समाज द्वारा समय-समय पर अलग-अलग जगहों पर समाज के सदस्यों के लिए निःशुल्क चिकित्सा शिविर का आयोजन किया जाता है। जिसमें बहुत से गुजराती परिवार के सदस्य इसका लाभ लेते है।
- समाज द्वारा सदस्यों के लिए चिकित्सा सहायता में जो सदस्य फॉर्म के साथ हॉस्पिटल का ओरिजनल बिल लगाता है और जिनका मेडिक्लेम नहीं है, उन्हें खर्च के हिसाब से 25% तक की राशि सहायता के रुप में दी जाती है एवं जिन सदस्यों का मेडिक्लेम है अथवा डुप्लीकेट बिल फॉर्म के साथ लगाते है उन्हें खर्च के हिसाब से 15% तक की राशि सहायता के रुप में दी जाती है।
- होम्योपैथिक महाविद्यालय के अन्तर्गत शहर में 8 बाह्य रोगी केन्द्र संचालित हो रहे हैं, जहाँ न्यूनतम शुल्क पर चिकित्सा की जाती है। पिछले वर्ष कुल 61,445 मरीजों का उपचार किया गया। साथ ही नये हॉस्पिटल भवन का निर्माण कार्य भी शुरु किया गया है।

- नसिया रोड़ स्थित परिसर एवं स्कीम नं. 54 स्थित परिसर में नये बेडमिन्टन कोर्ट का निर्माण किया गया, जिसमें छात्र/छात्राएँ एवं गुजराती भाई/बहन इसका लाभ ले रहे है।
- आर.आर.एम.बी. स्थित सेन्टल हॉल का नवीनीकरण किया गया है, जिसे ए.सी., साउण्ड सिस्टम, अत्याधुनिक लाईट से सुसज्जित किया गया है।
- सरदार पटेल मैदान एवं स्कीम नं. 54 स्थित परिसर में नये बास्केटबॉल कोर्ट का निर्माण किया गया एवं मैदान के चारो तरफ स्टेयर भी बनाये गये है।
- ता को ध्यान में रखते हुए समाज के स्कीम नं. 54 स्थित परिसर में एक कम्पोस्ट मशीन भी लगाई गई है।
- समाज द्वारा तीनों परिसरों में गांधी प्रतिमा स्थापित की गई।
- समाज द्वारा सरदार पटेल मैदान स्थित प.म.ब. गुजराती विज्ञान महाविद्यालय की छत के ऊपर स्व. मुकेशभाई कांतिभाई पटेल ऑडिटोरियम हॉल का निर्माण किया गया।
- गुजराती महिलाओं को स्वावलंबी बनाने हेतु श्री गुजराती समाज द्वारा निःशुल्क सिलाई प्रशिक्षण दिया जाता है एवं प्रशिक्षणार्थी महिलाओं को मुफ्त सिलाई मशीनें दी जाती हैं। अभी तक 1,513 महिलाओं को सिलाई मशीन वितरित की गई है।
- समाज द्वारा गुजराती भाई/बहनों को जो चिकित्सा सुविधा प्रदान की जा रही है, उसमें। साथ ही समाज के वृद्धजनों जिनकी उम्र 65 से अधिक है उन्हें रुपये 500/- प्रतिमाह एवं 75 वर्ष से ज्यादा उम्र के वृद्धजनों को रुपये 600/- प्रतिमाह प्रत्येक तीन माह में एक साथ दिये जाते है।
- जरुरतमंद गुजराती परिवारों में जिन बालिकाओं का विवाह होता है उनको समाज की ओर से रुपये 15,000/- की आर्थिक सहायता भेंट स्वरुप प्रदान की जाती है।
- समाज द्वारा लाडली लक्ष्मी योजना के अन्तर्गत जिन गुजराती परिवारों में बालिका का जन्म होता है, उनके माता-पिता को बालिका के नाम से रुपये 6,000/- की एफ.डी. बनाकर दी जाती है।
- जरुरतमंद गुजराती महिलाएँ जो विधवा या तलाकशुदा है, उनको आर्थिक सहायता के रुप में समाज की ओर से रुपये 500/- प्रतिमाह प्रत्येक तीन माह में एक साथ दिये जाते है।
- समाज द्वारा दिव्यांगों को आर्थिक सहायता के रुप में रुपये 500/- प्रतिमाह प्रत्येक तीन माह में एक साथ दिये जाते है।
- जरुरतमंद गुजराती परिवारों में जिनके यहाँ किसी सदस्य का निधन हो जाता है तो उनके अंतिम संस्कार के लिए रुपये 2,000/- की आर्थिक सहायता समाज द्वारा प्रदान की जाती है।
- समाज द्वारा कोरोना काल में जरुरतमंद गुजराती परिवारों को अनाज वितरण किया गया।

इसके अतिरिक्त निम्न सेवा एवं सुविधाएँ भी उपलब्ध हैं :-

- श्रीमती नलिनीबेन भोगीलाल शाह गुजराती पुस्तकालय एवं वाचनालय।
- श्रीमती रुक्मणीबेन दीपचंद गार्डी पारमार्थिक चेरिटेबल टस्ट एवं जैन समाज द्वारा एम्बुलेंस सेवा।
- श्रीमती कमलाबेन रावजीभाई पटेल कम्युनिटी हॉल, नसिया रोड़, इन्दौर।
- श्री गुजराती समाज सेवा वाहन (शव-वाहन)।

''समाज का मूल उद्देश्य निःस्वार्थ भावना से सेवा करना है।''

पंकजभाई संघवी

मानद् महामंत्री.

शिक्षण समिति - कॉलेज (नसिया रोड़ एवं महारानी रोड़) वर्ष : 2021-2022

01.श्री अमितभाई दवे, अध्यक्ष-शिक्षण समिति (नसिया रोड़ एवं महारानी रोड़), श्री गुजराती समाज, इन्दौर.

02. श्री पंकजभाई संघवी, सदस्य, मानद महामंत्री, श्री गुजराती समाज, इन्दौर.

03. श्री प्रदीपभाई शाह, सदस्य, मानद् कोषाध्यक्ष, श्री गुजराती समाज, इन्दौर.

04. श्री दीपकभाई मोदी, सदस्य, मानद् हिसाबनीस, श्री गुजराती समाज, इन्दौर.

05. श्री अतुलभाई शेठ, अध्यक्ष-शिक्षण समिति (स्कीम नं. 54), श्री गुजराती समाज, इन्दौर.

06. श्री सुरेशचंद्र पटेल, सदस्य, अध्यक्ष-शिक्षण समिति (स्कूल), श्री गुजराती समाज, इन्दौर.

07. श्री भगवानदास पटेल, चेअरमेन-शिक्षण विकास समिति, श्री गुजराती समाज, इन्दौर.

08. श्री भरतभाई बावीसी, चेअरमेन, शासी-निकाय, प.म.ब. गुजराती विज्ञान महाविद्यालय, इन्दौर.

09. श्री भावनेशभाई पटेल, चेअरमेन, शासी-निकाय, प.म.ब. गुजराती वाणिज्य महाविद्यालय, इन्दौर.

10. श्री निलेशभाई पटेल, चेअरमेन, शासी-निकाय, प.म.ब. गुजराती कला एवं विधि महाविद्यालय, इन्दौर.

11. श्री रमेशभाई जे. शाह, चेअरमेन, शासी-निकाय, एम.के.एच.एस. गुजराती कन्या महाविद्यालय, इन्दौर.

12. श्री दीपकभाई आर. सोनी, चेअरमेन- शासी-निकाय, श्री गुजराती समाज बी.एड. कॉलेज, इन्दौर.

13. श्री राजेशभाई धरमसी, कन्वीनर, महिला व्यावसायिक प्रशिक्षण केन्द्र, इन्दौर.

प्राचार्य :-

01. डॉ. किरण दीक्षित, कार्यवाहक प्राचार्या, प.म.ब. गुजराती विज्ञान महाविद्यालय, इन्दौर.

02. डॉ. कमलेश भण्डारी, कार्यवाहक प्राचार्य, प.म.ब. गुजराती वाणिज्य महाविद्यालय, इन्दौर.

03. डॉ. शशि भण्डारी, कार्यवाहक प्राचार्या, प.म.ब. गुजराती कला एवं विधि महाविद्यालय, इन्दौर.

04. डॉ. गोविंद सिंघल, कार्यवाहक प्राचार्य, एम.के.एच.एस. गुजराती कन्या महाविद्यालय, इन्दौर.

05. डॉ. किरण दम्मानी, प्राचार्या, श्री गुजराती समाज बी.एड. कॉलेज, इन्दौर.

06. श्रीमती नुज़हत यास्मिन, इंचार्ज, महिला व्यावसायिक प्रशिक्षण केन्द्र, इन्दौर.

शिक्षण समिति - कॉलेज (स्कीम नं. 54) वर्ष : 2021-2022

01. श्री अतुलभाई शेठ, अध्यक्ष-शिक्षण समिति (स्कीम नं. 54), श्री गुजराती समाज, इन्दौर.

02. श्री पंकजभाई संघवी, सदस्य, मानद महामंत्री, श्री गुजराती समाज, इन्दौर.

03. श्री प्रदीपभाई शाह, सदस्य, मानद् कोषाध्यक्ष, श्री गुजराती समाज, इन्दौर.

04. श्री दीपकभाई मोदी, सदस्य, मानद् हिसाबनीस, श्री गुजराती समाज, इन्दौर.

05. श्री अमितभाई दवे, सदस्य, अध्यक्ष-शिक्षण समिति-कॉलेज (नसिया एवं महारानी रोड़), श्री गुजराती समाज, इन्दौर.

06. श्री सुरेशचंद्र पटेल, सदस्य, अध्यक्ष-शिक्षण समिति (स्कूल), श्री गुजराती समाज, इन्दौर.

07. श्री भगवानदास पटेल, चेअरमेन-शिक्षण विकास समिति, श्री गुजराती समाज, इन्दौर.

08. श्री पंकजभाई ठक्कर, चेअरमेन, शासी-निकाय, श्रीमती कमलाबेन रावजीभाई पटेल गुजराती होम्योपैथिक मेडिकल कॉलेज, हॉस्पिटल एवं रिसर्च सेन्टर, इन्दौर.

09. श्री भरतभाई शाह, चेअरमेन, शासी-निकाय, श्री रावजीभाई गोकलभाई पटेल गुजराती प्रोफेशनल इंस्टीट्यूट, इन्दौर.

10. श्री राजेन्द्रभाई पटेल, चेअरमेन - शासी निकाय, श्री जयंतिलाल हीराचंद संघवी गुजराती इनोवेटिव कॉलेज ऑफ कॉमर्स एण्ड साईंस, इन्दौर.

11. श्री राजेशभाई व्यास, चेअरमेन - शासीनिकाय, श्रीमती नूतनबेन मनसुखभाई तुरखिया गुजराती कॉलेज ऑफ फॉर्मेसी, इन्दौर.

डायरेक्टर/प्राचार्य :-

01. डॉ. एस.पी. सिंह, प्राचार्य, श्रीमती कमलाबेन रावजीभाई पटेल गुजराती होम्योपैथिक मेडिकल कॉलेज, हॉस्पिटल एवं रिसर्च सेन्टर, इन्दौर.

02. प्रो. रवलीन कौर (भसीन), मानद् निदेशक, श्री रावजीभाई गोकलभाई पटेल गुजराती प्रोफेशनल इंस्टीट्यूट, इन्दौर.

03. डॉ. सौरभ परीख, प्राचार्य, श्री जयंतिलाल हीराचंद संघवी गुजराती इनोवेटिव कॉलेज ऑफ कॉमर्स एण्ड साईंस, इन्दौर.

04. डॉ. धीरज जैन, प्राचार्य, श्रीमती नूतनबेन मनसुखभाई तुरखिया गुजराती कॉलेज ऑफ फॉर्मेसी, इन्दौर.

शिक्षण समिति (स्कूल) वर्ष : 2021-2022

01. श्री सुरेशचंद्र पटेल, अध्यक्ष-शिक्षण समिति (स्कूल), श्री गुजराती समाज, इन्दौर.

02. श्री पंकजभाई संघवी, सदस्य, मानद महामंत्री, श्री गुजराती समाज, इन्दौर.

03. श्री प्रदीपभाई शाह, सदस्य, मानद् कोषाध्यक्ष, श्री गुजराती समाज, इन्दौर.

04. श्री दीपकभाई मोदी, सदस्य, मानद् हिसाबनीस, श्री गुजराती समाज, इन्दौर.

05. श्री दीपकभाई जे. सोनी, सदस्य, मानद् सह-हिसाबनीस, श्री गुजराती समाज, इन्दौर.

06. श्री अमितभाई दवे, सदस्य, अध्यक्ष-शिक्षण समिति-कॉलेज (नसिया एवं महारानी रोड़), श्री गुजराती समाज, इन्दौर.

07. श्री अतुलभाई शेठ, सदस्य, अध्यक्ष-शिक्षण समिति-कॉलेज (स्कीम नं. 54) श्री गुजराती समाज, इन्दौर.

08. श्री भगवानदास पटेल, चेअरमेन-शिक्षण विकास समिति, श्री गुजराती समाज, इन्दौर.

09. श्री जयेशभाई शाह, मानद् सहमंत्री, श्री गुजराती समाज, इन्दौर.

10. श्री नरेन्द्रभाई वी. पटेल, मानद् सहमंत्री, श्री गुजराती समाज, इन्दौर.

11. श्री जयेन्द्रभाई पटेल, चेअरमेन, शिक्षण-उपसमिति, आर.आर.एम.बी. गुजराती उ.मा. विद्यालय, इन्दौर.

12. श्री नीतेशभाई तुरखिया, चेअरमेन, शिक्षण-उपसमिति, श्री के.बी. पटेल गुजराती कन्या उ. मा. विद्यालय, इन्दौर.

13. श्री विशालभाई परीख, चेअरमेन, शिक्षण -उपसमिति, श्री के.बी. पटेल गुजराती कन्या माध्यमिक विद्यालय एवं श्री जी.एन. पटेल गुजराती बाल मंदिर, इन्दौर.

14. श्री कमलेशभाई शाह, चेअरमेन, शिक्षण उप -समिति, श्रीमती च.म.प. गुजराती प्राथमिक विद्यालय, इन्दौर.

15. श्री किर्तीभाई पटेल, चेअरमेन, शिक्षण उप-समिति, ए.एम.एन. इंग्लिश मिडियम स्कूल, इन्दौर.

प्राचार्य :-

01. श्रीमती ज्योत्सना नागदे, प्रभारी प्राचार्या, आर.आर.एम.बी. गुजराती उ.मा. विद्यालय, इन्दौर.

02. श्रीमती संगीता मेहता, प्रभारी प्राचार्या, श्री के.बी. पटेल गुजराती कन्या उ.मा. विद्यालय, इन्दौर.

03. श्रीमती श्वेता तागड़े, प्रभारी प्रधानाध्यापिका, श्री के.बी. पटेल गुजराती कन्या माध्यमिक विद्यालय एवं श्री जी.एन. पटेल गुजराती बाल मंदिर, इन्दौर.

04. श्रीमती निधी मुंगी, प्रभारी प्रधानाध्यापिका, श्रीमती च.म.प. गुजराती प्राथमिक विद्यालय, इन्दौर.

05. डॉ. श्यामली चटर्जी, प्राचार्या, ए.एम.एन. इंग्लिश मिडियम स्कूल, इन्दौर.

महाविद्यालय प्रावीण्य सूची

बैच 2018-20

सीमा पालीवाल
87.60%

मनीषा वर्मा
87.60%

डॉली गुप्ता
84.22%

शीतल बरूआ
83.31%

सतरूपा पाण्डे
83.14%

बैच 2019-21

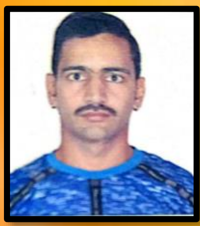
प्रेम बागोरा
88.34%

अंजली चेरीन
88.17%

प्रिती लालवानी
87.94%

शर्मिला राठौर
87.71%

पिंकी चौधरी
87.65%

बैच 2020-22 I सेम

दीप्ति कोलवाल
99.75%

शिखा श्रीवास्तव
99%

आदित्य कुमार
98.50%

निधि यादव
97.75%

लतेश कुमारी
97%

बैच 2020-22 II सेम

मुस्कान पिल्ले
88.25%

निधि यादव
86.25%

शिखा श्रीवास्तव
83%

लतेश कुमारी
83%

आदित्य कुमार
81.25%

बैच 2020-22 III सेम

निधि यादव
94.4%

मुस्कान पिल्ले
93.3%

शिखा श्रीवास्तव
93%

नेहा प्रजापति
92.8%

संजना सामन्त
92%

हर्षिता भानुशाली
92%

महाविद्यालय शैक्षणिक परिवार

(बाएँ से दाएँ) स. प्रा. कीर्ति यादव, स. प्रा. सीमा परीक, स. प्रा. पलक बेरछा, स. प्रा. भारती जादौन, प्राचार्य डॉ. किरण दम्मानी, स. प्रा. डॉ. आरती शाक्य, स. प्रा. अर्चना सिंह तोमर, स. प्रा. अपर्णा रघुवंशी

महाविद्यालय कार्यालय एवं कर्मचारी परिवार

बैठे हुए (बाएँ से दाएँ) श्री विपुल ठाकरार, श्रीमती सीमा ठक्कर, स. प्रा. कीर्ति यादव, प्राचार्य डॉ. किरण दम्मानी, ग्रंथपाल श्रीमती अर्चना सोलंकी, सुश्री चित्रा जावले, श्रीमती शीतल चौहान
खड़े हुए (बाएँ से दाएँ) श्रीमती हर्षा सोनी, श्रीमती प्रीति बडके, श्री आशीष भारती, श्री राजू वर्मा

श्रद्धा- सुमन

लता मंगेशकर

अब जब –जब भी हम लोग अपनी किसी याद को कुरेदेंगे, चाहे वह खट्टी हो या मीठी हो, लता जी का कोई ना कोई गीत शायद उसी स्वाद में रस-पगा होकर हमारे पास चला आएगा। आपने सिर्फ भारतीय फिल्मों को ही नहीं बल्कि भारत और उसके समाज को, जो संगीतकार आज दिया है, वह सदियों तक हमारी संगीत की प्यास बुझाने वाला एक ऐसा अजस्त्र सोता है, जो हम भारतवासी कह सकते हैं की हमारे पास ही है..... क्योंकि लता जी हमारी थाती है।

28 सितंबर, 1929 को मध्य प्रदेश के इंदौर शहर के एक माध्यमवर्गीय मराठी परिवार में जन्मी 'स्वर कोकिला' लता मंगेशकर वह शख्शियत हैं, जो अपने साठ साल से अधिक के गायन कैरियर में बीस से अधिक भाषाओं में तीस हजार से अधिक गाने गाकर एक जीवित किवदंती बन चुकी हैं। संगीत जगत में वे एक अनुपम व अनुकरणीय व्यक्तित्व है, जिनके योगदान को अमरता प्राप्त हो चुकी है। उनके द्वारा गाया गया हर गीत अपने आप में अनूठा माधुर्य लिए हुए एवं कर्णप्रिय होता है।, यही कारण है कि जब हम उनके द्वारा गाए गए गीतों में से श्रेष्ठ गीतों कि सूची बनाना चाहते हैं, तो उस सूची में 'किसे रखें और किसे छोड़ें' की समस्या उत्पन्न हो जाती है।

वर्ष 1974 में उन्होंने दुनिया में सर्वाधिक गीत गाने का 'गिनीज़ बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड' बनाया। उनके द्वारा गाया गया गैर-फिल्मी देशभक्ति गीत 'ऐ मेरे वतन के लोगों' उनके सर्वाधिक प्रसिद्ध एवं लोकप्रिय गीतों में से एक है। संगीत-जगत को उनकी देन को देखते हुए उन्हें कई पुरस्कारों से अलंकृत किया जा चुका है। जिनमे छः बार फ़िल्मफेयर पुरस्कार, 'दादा साहेब फाल्के पुरस्कार' व तीन राष्ट्रिय पुरस्कार शामिल है। राष्ट्रीय पुरस्कारों में 'पद्म-भूषण', एवं देश का सर्वोच्च पुरस्कार 'भारत रत्न' शामिल है।

दिनांक 6 फरवरी 2022 को लता जी का देहावसान हो गया। लता जी चाहे सशरीर अब हमारे बीच न रही हो,लेकिन हमारी आत्मा के तारों को झंकृत करने वाले अपने संगीत की अमृत विरासत हमें सौंप गई हैं। हम धन्य हुए जो लता जी ने इस भारत भूमि पर जन्म लिया। उनकी आवाज अमर है, ना उनके जैसा कोई हुआ है और ना होगा। विश्व का संगीत जगत सदैव उनका ऋणी रहेगा। महाविद्यालयीन परिवार उन्हें हृदय से श्रद्धांजलि अर्पित करता है।

संकलनकर्ता
प्रियम सोनी

The Winning Mindset

Are you unhappy when others are succeeding? Does your success seem dependent on someone else's failure? The winning mindset – dangers of the loser mentality

There are several reasons why envy is such a problem. Firstly, if you are envious of another person's success that means you will never be satisfied with anything you ever achieve. The fact remains that most times there will always be someone that does better than you in some area.

Secondly, if you are envious of other people's success it means you have no clue what you want for your own life. Just because the Joneses have it or do this and that does not mean you should have it or do it. Will it help you in achieving your own objectives and "minding your own business?" If you have a clear vision for your life, what another person achieves or acquires won't matter: you will know exactly where you are, why you are there, where you need to go and what you need to do to get there. The winning mindset – cultivate it

If you are to succeed in life and become the person you are meant to be, then you must know that you will not get there alone. Therefore, you must help others to succeed and to become great if you are to be great yourself. It is often said that the greatest people are always those that help others.

Learn to be happy about others' success and look forward to your own success. Do not judge yourself based on what others have achieved, but rather based on what you want to achieve. Depending on what you want in life, their success could be failure to you or vice versa, but it should not matter to you either way.

Life is not a race against other people. It is a one-man race. You determine the destination, the route, the time limits and the prize. We are all running a different race. How do you compete with someone that is not on the same track as you are?

Envy and jealousy are habits you must always be weary of and stay clear of. Like other bad habits they will only rob you of your energy, creativity, drive, clarity of mind and enthusiasm for life.

Maya Jhala
I Semester

"you connot score a goal when you are sitting on the bench to do so, you have to dress up and enter the game."

IMPORTANCE OF READING

"Reading is dreaming with open eyes"

Reading is a very good habit that one needs to develop in life. Good books can inform you, enlighten you and lead you in the right direction. There is no better companion than a good book. Reading is important because it is good for your overall well-being. Once you start reading, you experience a whole new world. When you start loving the habit of reading you eventually get addicted to it. Reading develops language skills and vocabulary. Reading books is also a way to relax and reduce stress. It is important to read a good book at least for a few minutes each day to stretch the brain muscles for healthy functioning.

Reading relaxes your mind, body and soul. Sitting confortable on a chair or sofa and opening yourself to the world of books can do wonders.Books are truly a man's best friend. Reading books not only improves a person's knowledge and wisdom but it also gives a sense of pleasure.

Reading is important to help us improve our language. By exposing ourselves to the proper use of language, we can improve our grammar and vocabulary. By reading, we would also enable our understanding of word usage in different contexts. Therefore, we can eventually improve on our writing and speaking skills. The benefits of reading are numerous. It is also a cheap activity as we can go to the library to borrow books for free. We would also exchange books with our friends. This will help us save a lot of money and it is a form of investment.

Millions of life has been changed by books. There are so many topics through which a person can choose to read. You can read virtually through your computers or physically by the way of books, magazines or newspapers. A book takes you to different places and gives you different kind of feeling which you might have never experienced.

Books are the best option for self-learners to avail of information on all issues and topics. Great Authors, writers, and poets put all their emotions, thoughts and experience to make books important and beneficial for us. The treasure of books is inexhaustible, as they continuously extract the gold of art, literature, science, and philosophy for us. Books pass the knowledge from generation to generation which ultimately helps in the advancement of civilizations.

Reading is a great hobby for various people and they are spending their time usefully by reading good books which helps them to gain knowledge. Having a large vocabulary is not only impressive, but also useful in many areas of public speaking.

Reading is necessary for our practical life also. Good readers can understand the individual sentences and the I structure of a piece of writing. In other words, students who have a large vocabulary are usually good readers. It is really hard to read books daily, but we can read books whenever possible as

As as well as time permits. A good book is like a good companion and we will get more information while reading it as well as it has the ability to give solution to our issues, while reading funny books we will get more fun and enjoyment.

Various kind of books will help us to get various kind of feelings. Surely reading books will give more enjoyment to us and help us to spend our time usefully. We also read to learn about other people life. Reading books is always worth to our time and we never regret for reading a good book in our life. That's why people say ;" Anyone who says they have only one life to live must not know how to read a book!"hile

Bismy Joseph
I Semester

WOMEN EMPOWERMENT

Women Empowerment is empowering the women to take their own decisions for their personal development as well as social development. Empowerment of women would mean encouraging women to be self – reliant, Independent, have positive self –esteem, generate confidence to face any difficult situation. In the ancient time, women were treated very badly by family & society. They were not given education and were only restricted to doing house –hold tasks, they were kept completely oblivious ways in how one can empower women. The individuals & government must both come together to make it happen. Education for girls must to be made compulsory. So, that woman can become literate to make a life for themselves.

Women empowerment in the truest sense will be achieved only when there is attitudinal change in society with regard to women Folk, treating them with proper respect, dignity, fairness and equality.

Smita Singh
IV Semester.

"Joy is the most magnetic force in the universe"
-Danielle Laporte

"THE LAST BITE OF COOKIE"

Before you start reading let me ask you a few questions. When was the last day you played with your friends on the ground? What was the last period of your school or college? Yet we told our friends to see you again tomorrow on the ground, we packed our bags as if tomorrow again we have to show up for the class, but we never showed up, that class of tomorrow never happened. And we didn't realize that this was the last bite of that moment, we have lived so long.

I still remember in my school days the last day, before summer vacations used to start, it would be like a festival like celebration, and most of the time it used to be the last day of our exams. Shaking hands, friendly hugs, those little treats of chips, cold drinks, laughing and screaming was a ritual. But when the school used to re-open the very first day I found that my friend with whom I used to share my bench for five years and on which I spilled my cold drink on that very last day and made him angry for which he didn't say goodbye to me when he got down at his stop, has changed the school. And I even don't know his address or phone number.

Somehow, I was thinking it's just a few months and we will meet up again. And now I wished at least we would say goodbye to each other, maybe I would have enjoyed a little more of those last moments. The thing which looked never ending has ended in a very disappointing way. If only I would have taken his number or address or something, but I didn't take in those entire five years of our conquest. And to be very honest it's been more than a decade now, the world has become more digital but still, I never found that friend.

Those memories are now a hall of fame moments of my life. To believe it's not the end and things will last forever is a basic human behavior, expecting tomorrow exactly like today, is what we assume. Nothing lasts forever is a saying we all agree upon but what we didn't realize is that it not only applies to macroscopic things but also on microscopic things of our life.

Now you recall from your past you will find hundreds of people, moments, events that vanished in the air without a trace and you also took a long time to realize that it has ended, without any prior notice. Our life is filled with moments of great start, concluding with an incomplete end. We cannot make the moments last forever; we cannot make time to stay at our will, but we can make the end complete. "Live your life as if it was your last day" is all about that. It's not about living your own life to the fullest, it's also about to live every moment and to be present in that to the fullest. Life will never give you a notification for the things which are about to end or collapse. Having lived those moments to the fullest will give you fewer regrets even after they have been lost. Have you ever enjoyed a cookie while watching a movie or something, every time your hand slides in the packet, you grab a cookie, and suddenly your hands felt oh! This was the last one I had, you were so lost in the movie that you didn't realize that this was the last delicious bite of that cookie you had in your mouth until it vanished.

In our life, we are so busy after our goals, desires and dreams that we hardly look upon the moments on which we are cherishing until they get lost. Sometimes we see things drifting away from us -on the horizon of extinction, yet we feel not to act upon, at the moment it goes beyond the horizon we realize it's too late to shout their name. We never realize that this is going to be the last text, last conversation and last coffee, last call, last date, last time seeing them, last time you hearing them until they completely disappear. Leaving you with blurred moments, regretted thoughts in a parallel timeline. So, the biggest question I would ask you is what are you going to do what that last cookie?

Aakriti Chand Joseph
I Semester

TECHNIQUES TO ENVELOP WILL POWER

Where there is a will, there is a way.

- **Decide and be firm about your goal.**
- **Determine what you want about your goal.**
- **Prepare your mind to achieve your goal by putting your soul and heart into it.**
- **Prepare yourself mentally.**
- **Mould your will power to work hard and be loyal to it.**
- **Realize the importance of time and manage it.**
- **Don't spend more time in making and manage it.**
- **Get into action and be committed to achieve your goal.**
- **Think about what you want, dream about it, hope only for the same and be assured, you will surely achieve it.**
- **Keep your eyes upon the goals only. focus on the donut and not upon the hole.**

Ayushi Jaiswal
II Semester

Indore: Jewel of M.P.

Indore city is one of the beautiful and commercial capital of Madhya Pradesh located in west central India. Indore has many places of historic importance.

Indore is known for 7 storied Rajwada palace and the Lal Bagh palace which dates back to Indore's 18 th centuary Holkar dynasty. The Holkar ruler's are honored by a cluster of tombs and cenotaphs at Chhatri Baag.

Indore is a famous for its various temples located at different parts of Indore. First is Bade Ganpati Mandir located in old Indore. Here idol of Ganpatiji is very big and devotees from all over come to visit it. Second is Beejasan Mata Mandir. This too is of great Religious importance and numerous people visit it in Navratri.

Yet another is Jain Kanch Mandir located in main market of indore is very famous for its Mirrored Mosaic Interior. Khajrana Temple where lord Ganesha's idol is Swayembhu is get another attraction of Indore.Central Museum has outstanding collection of ancient images, tool's and coins of very very old era's.

Very authentic and delicious food has been the especiality of Indore from very ancient times. Night food market Sarafa and Chappen Dukaan provide lip smacking food. Poha- Jaleebi, samosa, kachori, dahi vada, bhutte ka kiss, sabudana khichadi are some of the delicious world famous snacks available here. Dal Bafle are also very famous here. Here in Indore no special lunch is considered complete with out them. List is endless for making Indore a heartbeat of Central India.

On the top of this Indore is now cleanest city of India and therefore Indore is like a Kohinoor Jewel of the crown of Madhya Pradesh.

Nisha Agrawal
B.Ed. II nd Sem

"The key is not to prioritize what's on your schedule but to schedule your priorities".

-Stephen Covey

Take the First Step toward Your Dream

When we realize our dreams, life asks us to do something about it. Then, it is essential to take the first step toward your dream journey. However, the hardest part of journey is this first step.

What is the first step for you? Let me clear one thing. The first step is not just thinking about your dream. Here, first step means one action step that lay down a foundation for your dream. Most of the failures in this world occur just before this first step.

Take an example. If you want to be a writer, just thinking about it will not make you one. Take first step and Start writing. If you cannot, learn it first. Join a class. Attend an event or Read a book. Do not just sit idle. You can start small You can become anything if you start working on it. The only limitation you have in your mind. If you do not step forward, you will stay at the same place. As Liz Smith said, "Begin somewhere; you cannot build a reputation on what you intend to do."

Why it is important to Begin? When our dreams are fresh, we are excited about them. Even just thinking about it can feel you with passion. At that time, we build many plans in our mind. As time go by, motivation factor gets diminishing. Why? Because, we keep think a lot and do not go beyond thinking. In the beginning, many fear factors stop us to make early decisions. Sometimes our doubt and sometimes there is fear of failure prevent us to begin. Remember: ***"Faith is taking the first step even when you don't see the whole staircase." ~ Martin LutherKing, Jr.*** What are the aspects that stop us taking our first step? Let us recognize and start working on them today.

Why it is important to take the First Step toward Your Dreams:

1. You will get out of your Comfortable Zone: You are not able to begin because it may take you to the uncomfortable zone. Remember, the highest growth lies when you get out of your comfortable zone. Get out and Fly high.

2. You will learn along the Journey: You may fear starting something because you do not know much about the required skills. It is all right. Nobody is perfect here as perfection is a lifelong process. You may learn faster once the journey of your dreams start.

3. You take one step, God will take two: If you take one step toward your destination, God will take two steps to help you. However, you have to be patience in the beginning and keep going.

4. You Vision will become clear: Do you have doubt in your potential? Once you will take action, all your doubts go away. You will be able to see your goal clearly. If your actions are not motivating you, it is not for yours. If you still doubt yourself, stop it. If you do not enjoy what you are doing, do something that passionate you.

5. You will lose your Fear of Failure: When you start something, not everything goes as expected. Failures happen in life. It is all right to fail but never repeat the same mistake. Failures always offer us biggest lessons of life. May be without that failure you could never explore some dimensions. As Japanese proverb, "Fall seven times, stand up eight."

6. You will see Unlimited Opportunities: Sometimes we give up our dreams because we do not see much opportunity. In the beginning of anything, we cannot really estimate the scope. Today, the world is full of opportunities that were never exists earlier. You will see plenty of ways proceeding to your dream when you take the first step.

Contributed by
Sandhya Vyas
IV-Semester

Joy

And Joy is Everywhere;
It is in the Earth's green covering of grass;
In the blue serenity of the Sky;
In the reckless exuberance of Spring;
In the severe abstinence of grey Winter;
In the Living flesh that animates our bodily frame;
In the perfect poise of the Human figure, noble and upright;
In Living;
In the exercise of all our powers;
In the acquisition of Knowledge;
in fighting evils...
Joy is there
Everywhere.

~ *Rabindranath Tagore*

Contributed by
Asst.Professor Keerti Yadav

सेवा एवं शिक्षा के स्वर्णिम इतिहास के साथ 100वें वर्ष में ...

श्री गुजराती समाज, इन्दौर

व्यवस्थापक समिति : 2021-2022

पदाधिकारीगण

श्री नरेन्द्रभाई जी. पटेल
अध्यक्ष.

श्री गोविंदभाई पटेल
उपाध्यक्ष एवं चेयरमेन-
लीगल समिति, चिकित्सा सहायता कोष,
सेवा समिति, शासकीय अनुदान संबंधी समिति,
गैर शैक्षणिक समिति.

श्री पंकजभाई संघवी
अध्यक्ष-बोर्ड ऑफ ट्रस्टीज
एवं मानद् महामंत्री.

श्री प्रदीपभाई शाह
मानद् कोषाध्यक्ष.

श्री दीपकभाई मोदी
मानद् हिसाबनीस.

श्री दीपकभाई जे. सोनी
मानद् सह हिसाबनीस

श्री अमितभाई दवे
अध्यक्ष-शिक्षण समिति-कॉलेज
(नसिया रोड एवं महारानी रोड).

श्री अतुलभाई शेठ
अध्यक्ष-शिक्षण समिति-कॉलेज
(स्कीम नं. 54).

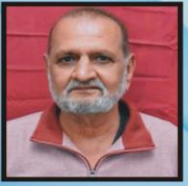
श्री सुरेशचंद्र पटेल
अध्यक्ष-शिक्षण समिति
(स्कूल).

श्री भगवानदास पटेल
चेयरमेन-
शिक्षण विकास समिति.

श्री जयेशभाई शाह
मानद् सहमंत्री.

श्री नरेन्द्रभाई वी. पटेल
मानद् सहमंत्री.

श्री मनोजभाई परीख
मंत्री-बोर्ड ऑफ ट्रस्टीज.

चेयरमेन, कन्वीनर एवं सदस्यगण

श्री जयंतिभाई पटेल
पूर्व अध्यक्ष एवं सदस्य.

श्री भरतभाई बावीसी
चेयरमेन-विज्ञान महा.

श्री भावनेशभाई पटेल
चेयरमेन-वाणिज्य महा..

श्री निलेशभाई पटेल
चेयरमेन-कला एवं विधि महा.

श्री रमेशभाई जे. शाह
चेयरमेन-एम.के.एच.एस. महा.

श्री पंकजभाई ठक्कर
चेयरमेन-होम्योपैथिक कालेज.

श्री भरतभाई शाह
चेयरमेन-प्रोफेशनल इंस्टीट्यूट.

श्री दीपकभाई आर. सोनी
चेयरमेन-बी.एड कॉलेज.

श्री राजेन्द्रभाई पटेल
चेयरमेन-इनोवेटिव कॉलेज.

श्री राजेशभाई व्यास
चेयरमेन-फॉर्मेसी कॉलेज.

श्री जयेन्द्रभाई पटेल
चेयरमेन-आर.आर.एम.बी.

श्री नीतेशभाई तुरखिया
चेयरमेन-के.बी. पटेल (उच्चतर).

श्री विशालभाई परीख
चेयरमेन-के.बी. पटेल (माध्य.).

श्री कमलेशभाई शाह
चेयरमेन-सी.एम.पी.स्कूल.

श्री कीर्तीभाई पटेल
चेयरमेन-ए.एम.एन.स्कूल.

श्री राजेशभाई धरमसी
कन्वीनर-महिला व्या.प्र.केन्द्र.

श्री दिनेशभाई गोसलिया
कन्वीनर-अतिथि गृह.

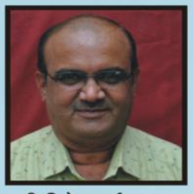
श्री मितेशभाई गणात्रा
कन्वीनर-बिल्डिंग समिति,
नसिया रोड.

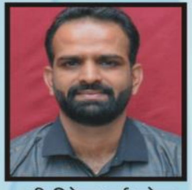
श्री विरेन्द्रभाई पटेल
कन्वीनर-सांस्कृतिक समिति,
बिल्डिंग समिति-महारानी रोड,
स्नेहलतागंज,
धार रोड एवं मंदिर निर्माण समिति.

श्री प्रकाशभाई जावीया
कन्वीनर-बिल्डिंग समिति,
राजेन्द्र नगर.

श्री जिग्नेशभाई शाह
कन्वीनर-बस समिति एवं
स्पोर्ट्स कमेटी (स्कूल/कॉलेज).

श्री पुनीतभाई चावड़ा
कन्वीनर-केटरिंग समिति.

श्री दीपकभाई जेठवा
कन्वीनर-चिकित्सा सुविधा
एवं गुजराती पुस्तकालय.

श्री जनककुमार एम. पटेल
सदस्य.

बोर्ड ऑफ ट्रस्टीज प्रतिनिधि →

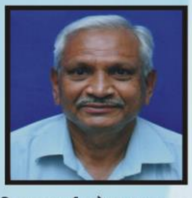
श्री बाबुभाई पटेल (बी.सी. पटेल)
सदस्य.

श्री दिलीपभाई परमार
सदस्य.

श्री राजेशभाई शाह
सदस्य.

श्री गुजराती समाज, इन्दौर

बोर्ड ऑफ ट्रस्टीज के सदस्य गण

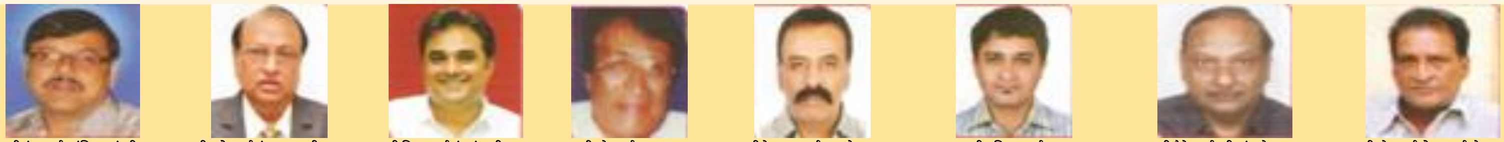

श्री पंकजभाई जयंतिलाल संघवी अध्यक्ष
श्री मनोजभाई चंपकलाल परीख मंत्री
श्री विशालभाई चंद्रकांत परीख सदस्य
श्री सुरेशभाई चुडगर सदस्य
श्री प्रेमस्वरूपभाई ए. पटेल सदस्य
श्री अनिरूद्ध शर्मा सदस्य
श्री नैलेशभाई नवीनचंद्र पटेल सदस्य
श्री नरेन्द्रभाई गोरधनभाई पटेल सदस्य

श्री अतुलकुमार रामुभाई पटेल सदस्य
श्री जयंतिलाल चंदुलाल पटेल सदस्य
श्री दीपकभाई हसमुखराय मोदी सदस्य
श्री प्रीतमभाई अशोकभाई पटेल सदस्य
श्री अमितभाई जीतूभाई सोनी सदस्य
श्री मनीष हीराभाई मेहता सदस्य
श्री हेमंतकुमार रमणभाई पटेल
श्री रुपेशकुमार रतनभाई पटेल

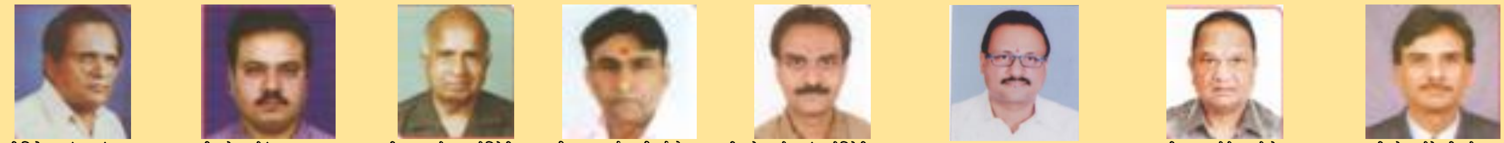

श्री विनोदराय चंदुलालपंडया सदस्य
श्री अल्केशभाई कंचनलालशाह सदस्य
श्री दशरथभाई लालभाई त्रिवेदी सदस्य
श्री लधारामभाई रामजीभाई पटेल सदस्य
श्री अल्केशभाई गजानंदभाई त्रिवेदी सदस्य दी
श्री दिनेशभाई सुमनभाई कामाणी सदस्य
श्री सुभाषभाई ईश्वरभाई पटेल
श्री जयेशभाई प्रेमजीभाई शाह

श्री अश्विनकुमार केशवलालशाह सदस्य
श्री भरतभाई नवनीतराय मोदी सदस्य
श्री सुनीलभाई कैलाशचंद्र त्रिवेदी सदस्य
श्री महेशभाई भीखाभाई शर्मा सदस्य
श्री रमेशचंद्र शांतिलालशाह सदस्य
श्री शैलेषभाई नरसिंहभाई पटेल सदस्य
श्री रूपेशकुमार रमेशभाई पटेल
श्री जनककुमार एम. पटेल

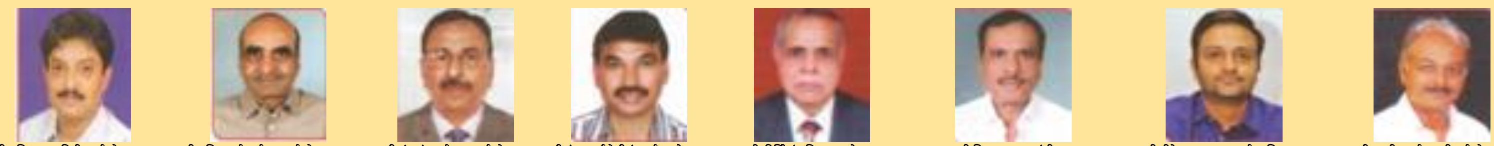

श्री अमितकुमार किरीटभाई पटेल सदस्य
श्री अश्विनभाई भाईलालभाई पटेल सदस्य
श्री चंद्रकांतभाई नाथाभाई पटेल सदस्य
श्री पंकजभाई नेमीचंदभाई अजमेरा सदस्य
श्री कीर्तिकांत विट्ठलदास शेठ सदस्य
श्री विजयकु्मार गांधी सदस्य
श्री नीतेशकुमार अजयभाई तुरखिया सदस्य
श्री जगदीशभाई रामजीभाई पटेल सदस्य

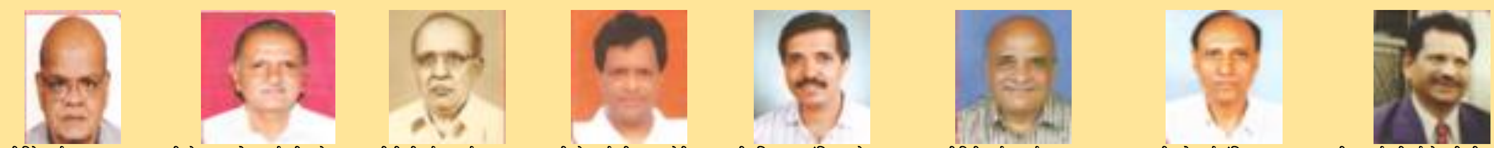

श्री दिनेशभाई रमणलालशाह सदस्य
श्री सुरेशचन्द्र (गोपालभाई) सी. पटेल सदस्य
श्री हीरजीभाई चनाभाई नागडा सदस्य
श्री मुकेशभाई रसीकलाल झवेरी सदस्य
श्री सुनिलकुमार जयंतिलाल पटेल सदस्य
श्री दिलीपभाई बचुभाई चुडगर सदस्य
श्री अशोकभाई शांतिलालशाह सदस्य
श्री बाबुभाई चुनीभाई पटेल (बी.सी. पटेल) सदस्य

श्री राजेशभाई मोदी सदस्य
श्री भरतभाई गांडालाल बावीसी सदस्य
श्री भरतभाई अमृतलाल दोशी सदस्य
श्री महेन्द्रभाई शंकरभाई पटेल सदस्य
श्री दीपकभाई नौतमलाल संघवी सदस्य
श्री राजीवभाई अम्बालाल पटेल सदस्य
श्री हेतलकुमार अरुणभाई पटेल सदस्य
श्री राजेशभाई छोटालाल सोमैया सदस्य

श्री प्रदीपकुमार जसवंतभाई शाह सदस्य
श्री भरतकुमार लक्ष्मीदास पटेल सदस्य
श्री नरेन्द्रभाई वी. पटेल सदस्य
श्री सरजीवभाई कांतिभाई पटेल सदस्य
श्री किरणभाई चंदुभाई पटेल सदस्य
श्री दीपेशभाई सुमनभाई कामाणी सदस्य
श्री शैलेषभाई देसाई सदस्य
श्री राजेशभाई मनुभाई शाह सदस्य

श्री कमलेशभाई भानुभाई पटेल सदस्य
श्री भरतभाई कांतिभाई पटेल सदस्य
श्री ललीतभाई मनसुखभाई मेहता सदस्य
श्री राजेनभाई भरतभाई दोशी सदस्य
श्री रमेशभाई जीवनलाल मारू सदस्य
श्री आसीतभाई पुरूषोत्तमदास राजकोटिया
श्री राजूभाई सोमचंद शेठ सदस्य
श्री नरेशभाई नौतमलाल संघवी सदस्य

श्री मुकेशभाई माणेकभाई शाह सदस्य
श्री अशोकभाई रमणभाई पटेल सदस्य
श्री राजेन्द्रकुमार मोहनलाल पटेल सदस्य
श्री सुदीपभाई मुकेशभाई पटेल सदस्य
श्री भीमजीभाई खीमजीभाई पटेल सदस्य
श्री राजेशभाई नवनीतलाल शाह सदस्य
श्री सुदीपभाई मुकेशभाई पटेल सदस्य
श्री कमलभाई मधुसुदनभाई पटेल सदस्य

श्री गुजराती समाज, इन्दौर
बोर्ड ऑफ ट्रस्टीज के सदस्य गण

श्री प्रवीणभाई चौहान सदस्य	श्री रमणीकलाल सोनी सदस्य	श्री सचिनभाई युगलकिशोर बगडिया सदस्य	श्री दीपकभाई जीवणलाल सोनी सदस्य	श्री रोमितभाई महेशभाई शाह सदस्य	श्री योगेशभाई चंद्रवदनभाई जैन सदस्य	श्री महेशभाई हरीभाई पटेल सदस्य	श्री भरतकुमार रसीकलाल शाह सदस्य

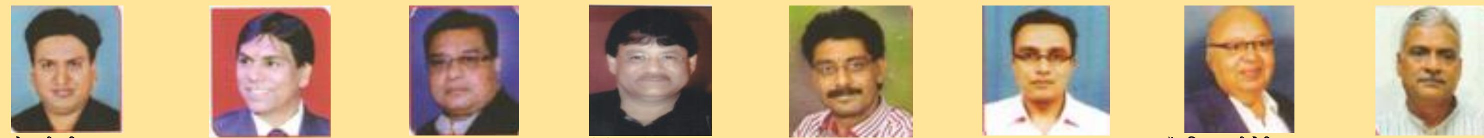

श्री राजेशभाई चुन्नीलाल ब्रम्हभट्ट सदस्य	श्री रमेशभाई जयंतिलाल शाह सदस्य	श्री हिरेनभाई गोविंदजी शाह सदस्य	श्री दीपकभाई जसवंतलाल शाह सदस्य	श्री दीपकभाई ठाकरसीभाई डोडिया सदस्य	श्री हितेशकुमार अजयकुमार तुरखिया , सदस्य	डॉ. दिवाकरभाई भोगीलाल शाह सदस्य	श्री अतुलभाई चिमनभाई शेठ सदस्य

श्री गौरवकुमार दिनेशभाई पटेल सदस्य	श्री अतुलभाई नंदुभाई पटेल सदस्य	श्री महेशभाई विनुभाई पटेल सदस्य	श्री आशुतोषभाई राव सदस्य	श्री प्रकाशभाई लालजीभाई जावीया सदस्य	श्री निलेन्दुभाई दवे सदस्य	श्री धीरेन्द्रभाई नवीनभाई पटैल (कॉन्टेक्टर) , सदस्य	श्री शिवलालभाई अंबालाल पटेल सदस्य

श्री जनकभाई नैलेशभाई पटेल सदस्य	श्री अर्पणभाई हेमंतभाई पटेल सदस्य	श्री देवेन्द्रभाई महेन्द्रभाई पटेल सदस्य	श्री विनोदभाई हरीभाई पटेल सदस्य	श्री राहुलभाई हर्षदभाई पटेल सदस्य	श्री जगदीशभाई गोविंदभाई जेठवा सदस्य	श्री सुशीलभाई गोरधनदास जौहरी सदस्य	श्री कुणालभाई पंकजभाई संघवी सदस्य

श्री सुरेशभाई रतिलाल व्यास सदस्य	श्री कैलाशभाई देसाई सदस्य	श्री जितेन्द्रकुमार जगजीवनदास सोनी , सदस्य	श्री वल्लभभाई नारणभाई पटेल सदस्य	श्री अमित राजूभाई शेठ सदस्य	श्री कांतिलालभाई भगत सदस्य	श्री अतुलभाई लक्ष्मीदास सोमैया सदस्य	श्री जयेशभाई मीराणी सदस्य

श्री हरीभाई करसनभाई पटेल सदस्य	श्री विजयभाई नरभेराम पंचाल सदस्य	श्री कमलेशभाई मफतलाल शाह सदस्य	श्री विनोदभाई अमरसिंह पुजारा सदस्य	श्री अर्चितकुमार अश्विनभाई शाह सदस्य	श्री कैननभाई यशवंतभाई शेठ सदस्य	श्री प्रणवभाई नैनेशभाई संघवी सदस्य	श्री मेहुलभाई जयसुखलाल सावजीयाणी , सदस्य

श्री अमनभाई पंकजभाई संघवी सदस्य	श्री मुकेशभाई नटवरलाल कॉन्टेक्टर सदस्य	श्री संजयभाई माणकलाल शाह दस्य	श्री धीरेन्द्रभाई नवीनचंद्र पटेल (गोपालभाई) , सदस्य	श्री नमनभाई शाह सदस्य	श्री जयेशभाई परमानंद पारेख सदस्य	श्री प्रियांकभाई जयेशभाई शाह सदस्य	श्री निलेशभाई विनोदभाई पटेल सदस्य

श्री राजेन्द्रकुमार हीरालाल शाह सदस्य	श्री संजयभाई गुणवंतलाल देसाई सदस्य	श्री युवराजभाई कांतिलाल शाह सदस्य	श्री ब्रजेश कनुभाई तलाटी सदस्य	श्री मुकेशभाई सुरेलिया सदस्य	श्री नवनीतभाई फुलाभाई पटेल सदस्य	श्री दिलीपभाई बाबुभाई परमार सदस्य	श्री किर्तीभाई शामजीभाई पटेल सदस्य

श्री कुमारभाई पंकजकुमार कोठारी , सदस्य	श्री पंकजभाई बचुभाई शाह सदस्य	श्री राज गणपतभारती गोस्वामी सदस्य	श्री नरेन्द्रभाई जी. पटेल अध्यक्ष	श्री पंकजभाई जयंतिलाल संघवी मानद महामंत्री

श्री गुजराती समाज
विभिन्न गतिविधियां

स्व. श्री मुकेश भाई पटेल सभागृह का उदघाटन

सभागृह के उदघाटन अवसर पर श्री गुजराती समाज के पदाधिकारीगण

फीता काटकर उदघाटन करते पदाधिकारी

नाम पट्टिका का अवलोकन करते हुए

विशेष अतिथि का किया सम्मान

मंचासीन पदाधिकारी

श्री पंकजभाई संघवी का संबोधन

श्री अमितभाई दवे का संबोधन

राष्ट्रपिता महात्मा गाँधी जयंती एवं सरदार वल्लभभाई पटेल पुण्यतिथि

गुजराती समाज के पदाधिकारीगण ने दी राष्ट्रपिता महात्मा गाँधी को श्रद्धा सुमन अर्पित किये

प्रतिमा को नमन करते श्री पंकजभाई संघवी

अध्यक्ष श्री नरेन्द्रभाई जी. पटेल और श्री प्रदीपभाई शाह व श्री दीपक भाई मोदी ने किया माल्यार्पण

श्री गोविन्दभाई पटेल एवं श्री निलेशभाई पटेल
ने दी आदरांजलि

श्री वल्लभभाई पटेल जयंती पर निकाली रैली में शामिल श्री गुजराती समाज के पदाधिकारीगण

कोरोना वैक्सीनेशन शिविर

शिविर का उदघाटन करते मानद महामंत्री श्री पंकजभाई संघवी, सांसद श्री शंकर लालवानी एवं श्री पंकजभाई ठक्कर

फीता काटकर उदघाटन करते श्री पंकजभाई संघवी व अन्य

चर्चारत श्री पंकजभाई संघवी व सांसद श्री शंकर लालवानी

वैक्सीनेशन

वैक्सीनेशन और शिविर टीम

निःशुल्क होम्योपैथी चिकित्सा शिविर

शिविर में उपस्थित श्री गुजराती समाज के पदाधिकारीगण

शिविर में बच्चों को भी दी गई जानकारी

कार्य के क्षण

अपनी बारी का इंतजार करते लोग

चिकित्सकों का किया गया सम्मान

दीवाली मिलन और सम्मान समारोह

समारोह का शुभारंभ करते श्री गुजराती समाज के पदाधिकारीगण

समारोह में उपस्थित महिला शक्ति

समाज ने किया सम्मान

कार्यक्रम में बड़ी संख्या में उपस्थित सदस्यगण

समाज ने किया सम्मान

The National Education Policy (NEP) 2020 was released on July 30, 2020. The Ministry of Human Resource Development (MHRD) had constituted a Committee for drafting the National Education Policy (Chair: Dr. K. Kasturirangan) in June 2017. The Committee submitted a draft NEP for public consultation in May 2019. The NEP will replace the National Policy on Education, 1986. Key aspects of the NEP include:

School Education

● **Restructuring school curriculum:**

The NEP recommends that the existing structure of school education must be restructured to make it more relevant to the needs of students at different stages of their development. The current 10+2 structure of school education will be redesigned into a 5-3-3-4 design comprising:

(i) Five years of foundational stage (for ages 3 to 8),
(ii) Three years of preparatory stage (for ages 8 to 11 or classes three to five),
(iii) Three years of middle stage (for ages 11 to 14 or classes six to eight), and
(iv) four years of secondary stage (for ages 14 to 18 or classes 9 to 12).

Figure 1: Revised school curriculum

Existing structure	Proposed structure
Not covered (ages 3-6)	Foundational stage - 3 years of pre-primary (ages 3-6) + 2 years of Class 1-2 (ages 6-8)
Class 1-10 (ages 6-16)	Preparatory stage - Class 3-5 (ages 8-11)
	Middle stage - Class 6-8 (ages 11-14)
Class 11-12 (ages 16-18)	Secondary stage - Class 9-12 (ages 14-18)

● **Early Childhood Care and Education (ECCE):**

ECCE consists of play-based and activity based learning comprising of alphabets, language, puzzles, painting, and music for children in early years of their life. The Committee observed that over 85% of a child's cumulative brain development occurs prior to the age of six. It recommends that ECCE for children in the age group of 3-6 should be incorporated in the school structure by following the 5+3+3+4 design of school curriculum.

ECCE will be delivered through:

(i) stand-alone aanganwadis,
(ii) aanganwadis located with primary schools,
(iii) pre-primary sections in existing primary schools, and
(iv) stand-alone pre-schools.

Further, a national curricular and pedagogical framework for ECCE will be developed by the National Council for Education Research and Training (NCERT). Aanganwadi workers with senior secondary qualifications and above, will be given a six-month certification programme in ECCE.

- **Achieving foundational literacy and numeracy:**

The Committee observed that a large proportion of the students currently enrolled in elementary school (over five crore) have not attained foundational literacy and numeracy (the ability to read and understand basic text, and carry out basic addition and subtraction). It recommends that every student should attain foundational literacy and numeracy by grade three. To achieve this goal, a National Mission on Foundational Literacy and Numeracy will be setup under the MHRD. All state governments must prepare implementation plans to achieve these goals by 2025. A national repository of high-quality resources on foundational literacy and numeracy will be made available on government's e-learning platform **(DIKSHA).**

- **Ensuring universal coverage and inclusivity:**

The Committee observed that while the Right to Education Act, 2009 has been successful in achieving near universal enrolment in elementary education, retaining children remains a challenge for the schooling system. It noted the declining gross enrolment ratio (GER) as students move to higher grades indicating large dropouts from the schooling system. GER denotes enrolment as a percent of the population of corresponding age group.

GER in school Education

Grade	Gross Enrolment Ratio
Grades 6-8	90.9%
Grades 9-10	79.3%
Grades 11-12	56.5%

Further, it noted that the decline in GER is higher for certain socio-economically disadvantaged groups, based on:

(i) gender identities (female, transgender persons),
(ii) socio-cultural identities (scheduled castes, scheduled tribes),
(iii) geographical identities (students from small villages and small towns),
(iv) socio-economic identities (migrant communities and low income households), and
(v) disabilities. It recommends that schemes/policies targeted for such groups should be strengthened.

Further, special education zones should be setup in areas with significant proportion of such disadvantaged groups. A gender inclusion fund should also be setup to assist female and transgender students in getting access to education.

• Reforms in curriculum content:

Curriculum load in each subject should be reduced to its essential core content to allow for critical thinking, discussion and analysis based learning. Students should be given more flexibility and choice in subjects of study, particularly in secondary school. A new and comprehensive national curricular framework for school education will be undertaken by NCERT in accordance with these principles. This framework can be revisited every five to ten years.

• Medium of instruction:

The medium of instruction should be in the local language/mother tongue of the child at least till grade five, and preferably till grade eight (in both public and private schools). The current three language formula will continue to be implemented. However, there should be more flexibility in the formula, and no language should be imposed on any state. The three-language formula states that state governments should adopt and implement study of:

(i) Hindi, English and a modern Indian language (preferably a southern language) in the Hindi-speaking states, and

(ii) Hindi, English and the regional language in the non-Hindi speaking states.

The NEP recommends that the three languages should be based on choice of states and students. However, at-least two of the three languages should be native to India. Further, Sanskrit should be offered as an option at all levels of education.

• Assessment of students:

The Committee observed that the current nature of secondary school exams and entrance exams have resulted in coaching culture, which is causing harm to student learning. It recommends that the existing system of such exams be reformed. Board examinations should test only core concepts, and cover a range of subjects. Students can choose their subjects, and will have the option to take the exams on up to two occasions during a given year. To track students' progress throughout their school experience, examinations will be conducted in grades three, five, and eight. The examination in grade three will test basic foundational literacy and numeracy, and its results will only be used for improvement of the school education system. Further, a National Assessment Centre will be setup under the MHRD as a standard setting body for student assessment and evaluation. Professional development training every year. A national curriculum framework for teacher education will be formulated by the National Council for Teacher Education, in consultation with NCERT. Teachers should not be engaged in non-teaching administrative activities and excessive teacher transfers should be stopped (unless in special circumstances as decided by state governments).

• Effective governance of schools:

The Committee observed that establishing primary schools in every habitation across the country has helped increase access to education. However, it has led to the

development of schools having low number of students (the average number of students per grade in elementary education was about 14 in 2016-17). The small size of schools makes it operationally and economically challenging to deploy teachers and critical physical resources (such as library books, sports equipment). The NEP recommends grouping schools together to form a school complex. The school complex will consist of one secondary school and other schools, aanganwadis in a 5-10 km radius.
This will ensure:

(i) adequate number of teachers for all subjects in a school complex,
(ii) adequate infrastructural resources, and
(iii) effective governance of schools.

● **School regulation:**

Currently, the Department of School Education is responsible for all functions of governance and regulation of school education. The Committee observed that this leads to a conflict of interest and centralisation of power. It recommends that the Department should only be involved in policy making and overall monitoring, but not in regulation of schools. An independent State School Standards Authority should be set up in each state. It will prescribe basic uniform standards for public and private schools. A self-regulation or accreditation system will be instituted for schools.

Higher Education.

● **Increasing GER:**

The NEP aims to increase the GER in higher education to 50% by 2035 (GER was 26.3% in 2018). Institutions will have the option to run open distance learning and online programmes to improve access to higher education, which will improve GER in the country.

● **Restructuring of institutions:**

All higher education institutions (HEIs) will be restructured into three categories:

(i) research universities focusing equally on research and teaching,
(ii) teaching universities focusing primarily on teaching, and
(iii) degree granting colleges primarily focused on undergraduate teaching.

All such institutions will gradually move towards full autonomy - academic, administrative, and financial. All HEIs should eventually be transformed into large multidisciplinary universities and colleges with 3,000 or more students. By 2030, there should be one multidisciplinary HEI in, or near every district.

● **Multidisciplinary education:**

The curricula of all HEIs should be made multidisciplinary to integrate humanities and arts with science, technology, engineering and mathematics. The undergraduate degree will be made more flexible with multiple exit options with appropriate certification. For example: students will receive a certificate after one year, diploma after two years, bachelor’s degree after three years, and bachelor’s with research degree

after four years. Further, an academic bank of credit will be established to digitally store academic credits earned from various HEIs for awarding degrees based on credits. HEIs will have the flexibility to offer different designs of masters' programmes. The M.Phil. programme will be discontinued.

●Regulatory structure:

The regulatory structure of higher education in India will be overhauled to ensure that the distinct functions of regulation, accreditation, funding and setting academic standards are performed by separate, independent bodies. This will minimise conflict of interest and eliminate concentration of power. To ensure this, the Higher Education Commission of India (HECI) will be setup with four independent verticals:

(i) the National Higher Education Regulatory Council as a single regulator (including teacher education, excluding legal and medical education),
(ii) the National Accreditation Council for accreditation of institutions,
(iii) the Higher Education Grants Council for financing of higher education institutions, and
(iv) General Education Council for specifying the curriculum framework and learning levels for higher education. Disputes between the four vertical will be resolved by a body of experts under the HECI.

● Improving research:

The Committee observed that investment on research and innovation in India is only 0.69% of GDP, compared to 2.8% in the USA, 4.2% in South Korea and 4.3% of GDP in Israel. The NEP recommends setting up an independent National Research Foundation for funding and facilitating quality research in India. Specialised institutions which currently fund research, such as the Department of Science and Technology, Indian Council of Medical Research will continue to fund independent projects. The Foundation will collaborate with such agencies to avoid duplication.

● Foreign universities:

High performing Indian universities will be encouraged to set up campuses in other countries. Similarly, selected top global universities will be permitted to operate in India. A legislative framework facilitating such entry will be put in place. Such universities will be given exemptions from regulatory and governance norms on par with autonomous institutions in the country.

● Vocational education:

The Committee observed that less than 5% of the workforce in the age-group of 19-24 received vocational education in India during 2012-2017. This is in contrast to 52% in the USA, 75% in Germany, and 96% in South Korea. The NEP recommends that vocational education should be integrated in all school and higher education institutions in a phased manner over the next 10 years. A national committee for integration of vocational education will be setup under the MHRD for this purpose. The national skills qualifications framework will be detailed further for each discipline vocation and profession. The NEP aims to ensure that at-least 50% of learners in school and higher education should be exposed to vocational education by 2025.

Other recommendations

● **Financing education:**

The NEP reaffirmed the commitment of spending 6% of GDP as public investment in education. Note that the first National Education Policy, 1968 had recommended public expenditure in education must be 6% of GDP, which was reiterated by the National Policy on Education, 1986. In 2017-18, public expenditure on education in India was 4.4% of GDP.

● **Adult education:**

A national curriculum framework for adult education will be developed to cover five broad areas:

(i) foundational literacy and numeracy,
(ii) critical life skills (such as financial and digital literacy, health care and family awareness),
(iii) vocational skills development, (iv) basic education (equivalent of middle and secondary education),
(iv) continuing education (through engaging courses in arts, technology, sports and culture).

● **Technology in education:**

The National Education Technology Forum (NETF) will be setup to facilitate decision making on the induction, deployment and use of technology. This Forum will provide evidence-based advice to central and stategovernments on technology-based interventions. ♣ Digital education: Alternative modes of quality education should be developed when in-person education is not possible, as observed during the recent pandemic. Several interventions must be taken to ensure inclusive digital education such as:

(i) developing two-way audio and video interfaces for holding online classes,
(ii) creating a digital repository of coursework, learning games and simulations through virtual reality,
(iii) use of other channels such as television, radio, mass media in multiple languages to ensure reach of digital content where digital infrastructure is lacking,
(iv) creating virtual labs on existing e-learning platforms to provide students with hands-on experiment-based learning, and
(v) training teachers on how to become high-quality online content creators.

Contributed by
Asst.Professor Keerti Yadav

"Curriculum"

NEP 2020 affirms that "The curriculum must include basic arts, crafts, humanities, games sports and fitness, language, literature, culture, and values, in addition to science and mathematics, to develop all aspects and capabilities of learner; and make education more well-rounded, useful and fulfilling to the learner."

~National Education Policy-2020

Beautiful Mind

The famous Idiom 'beauty is only skin deep' which means a person's physical appearance is less important than his character is enough to convey that beauty of mind is more important than beautiful complexion. Beautiful complexion may appeal to the senses but beauty of the mind appeals to the soul. It has been seen that fair complexioned women have always been synonymous with conflicts and war.

For example, Helen of Sparta for whom thousands of soldiers had to die in vain. even in the contemporary times we see so many controversies surrounding the so called fair complexioned women or men. Someone has very wisely said: Beauty isn't about having a pretty face it is about having a pretty mind, a pretty heart and most importantly a beautiful soul: Really beautiful people are those whose mind is beautiful and the people who think beautiful thoughts and do beautiful deeds. personage such as Jesus, Lincoln, Einstein, Halen keller, Mother Teresa, Mahatma Gandhi, Martin Luther king Jr., Vivekananda, Dr. Kalam etc.

If you want to look for something, look for a beautiful heart rather than a beautiful face. Because beautiful people are not necessarily good, good people are always attractive. "Beauty is not in the face; beauty is in a light in the heart," as the saying goes.

A beautiful mind is more important than beautiful/fair skin. Physical beauty fades away with time, but inner beauty always remains. There is a significant difference between looking beautiful and feeling. Physical beauty is fleeting, but a beautiful and pure mind and heart are eternal. Our social behavior, our acts of kindness, compassion and gracefulness, all reveal our inner beauty. Physical beauty fades over time, but inner beauty always remains constant. People will remember you not for your fair complexion, but for your lovely heart.

The complexion is a natural process. People spend a lot of money on fairness creams, face whitening products, and costly therapies. This way of thinking needs to. This way of thinking frequently undermines the confidence of people with dark complexions. They frequently face racial discrimination in a variety of settings. Even the most beautiful, fair and flawless person is viewed as ugly once his or her bitterness in nature is revealed. we must recognize that a person's complexion should not be used to judge them.

Beauty does not imply good looks. Rather than the color of one's skin, the social, economic, political and humanistic factors define a person. It is, ironically, in stark contrast to people in Western countries who are naturally very fair and intentionally sun themselves to get a tanned complexion. In the west country, there is a demand for dark appearance.

So, instead of focusing on a fair complexion, one should consider inner beauty, which provides us with perceptual experience, pleasure, and satisfaction, inspiring us to do good deeds and actions. A beautiful mind will always lead you in the right direction. A lovely soul and mind will help us in achieve long-term happiness and peace. True progress will be made when we abandon the notion that skin color determines beauty. Inner beauty, inner peace, and inner satisfaction should be prioritized.

Shreshthi singh
IV Semester

WHATEVER IT TAKES

I have an ambition to reach for the top
I've set my sights high to pursue it.
Until I achieve it my efforts won't stop.
Whatever it takes, I will do it.

There may come a time when my climb will slow.
I'll have to regroup and renew it.
I'll learn from mistakes and employ all I know.
Whatever it takes, I will do it.

There is no restriction on what I'll achieve
Glass cutting or not, I'll break through it.
For nothing can way me because I believe
Whatever it takes, I will do it.

There is one exception that I will not break.
I won't use receipt to get to it.
What good is success if our souls we forsake.
If that's what it takes, I won't do it.

In fact if you want, I can take you along
Our efforts wmbined plava in to it
For working together we'll be thrice as strong
We know what it takes we can do it.

Deepika joshi
IV Semester

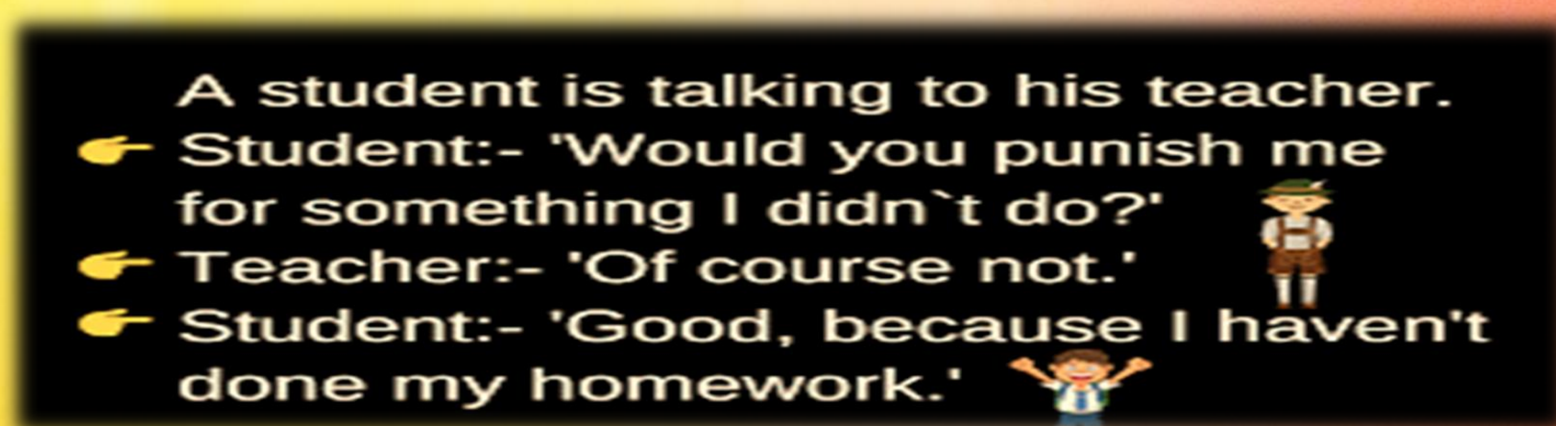

Facilities at college

Art and Craft Resource Room

Computerized library

Curriculum Lab

ICT Resource Centre

Psychology Lab

Guidance and Counselling Cell

Playground

Parking

Our Vision

To establish ourselves as a leading institution in Teacher Education for giving the society with efficient ICT friendly teachers, having global teaching competencies along with moral, cultural and aesthetic values.

Our Mission

- *To produce Quality teachers that contributes in the national development by producing leaders for the various fields.*
- *To impart quality education to the future teachers.*
- *To Prepare educational professionals recognozed for the quality and significance of their teaching, research, scholarship, service & leadership*
- *To impart knowledge and training in a manner that it can be applied in real life situations.*
- *To Promote sensitivity towards inclusive education using various instructional techniques.*
- *To create awareness in teacher trainees about the modern trends in education.*
- *To serve the minority section of the society.*

Batch 2019-20

Anil Chouhan	Anjali Cherian	Anjali Jadon	Anju Kumari	Anupama Mishra	Anushka Jaiswal	Arpit Kaneriya

Avantika Shivare	Ayushi Tiwari	Babita Kaithwas	Bharti Gupta	Bhawna Sen	Dev Singh Bhavel	Diksha Virhe

Dimple Hasija	Dinesh Tomar	Disha Pandey	Disha Patel	Divya Jain	Himani Kalyani	Himanshi Kumawat

Himanshu Malgujar	Huma Bahadur	Jaya Kushwah	Jaya Patidar	Jyoti Gopwani	Kamini Chouhan	Karishma Solanki

Kirti Ahirwar	Khushboo Lohana	Khushboo Savner	Kirti Saroj	Krishna Paliwal	Kuwar S .Thakur	Madhuri Rathore

Manisha Kanase	Malwika Sahu	Megha Gandhi	Misha Sachdev	Neelofer Bi	Neha Patidar	Neha Purohit

Nisha Mourya	Pallavi S.Rajput	Pinki Choudhari	Pooja Neve	Poonam Solanki	Prachi Bodkha	Pragati Verma

Batch 2019-20

Pratima Tiwari, Priti Lalwani, Prem Bagora, Priti Tiwari, Priyanka Barve, Priyanka Khode, Priyanka Yadav

Priyasi Jain, Rachana Dwivedi, Rakhi Kabra, Ravi K. Sharma, Reena Khouhan, Rekha Borasi, Rohini Malviya

Roza Rawat, Rupal Mantri, Saloni Ratnakar, Samar Khan, Sanjana Shukla, Sarita Gunaya, Shalini Lakhotiya

Sharmila Rathore, Sherin Kelwa, Sheetal Bhosle, Shiva Singh, Shivani Jain, Shivani Jariya, Shivani Shivhare

Shivani S.Chouhan, Shivendra Mishra, Shubhangi Shakya, Shweta Chopra, Smriti Mandloi, Sofiya Ansari, Soni Dwivedi

Soniya Asrani, Sunil Jamre, Swapnil Maheshwari, Swarnim Maheshvari, Swati Bhardwaj, Shweta Patidar, Tripti Verma

Upma Tripathi, Vaishali Mahajan, Varsha Khatarkar, Sonam Tripathi

Batch 2020-22

Aditi Rathore | Aditya Kumar | Akrati Sisodia | Anamika Sharma | Anju Kelwa | Aradhana Kumari | Asmita Dobariya

Ayushi Gupta | Babita Sharma | Bhavna Bairagi | Chanchal Mehar | Chetna Joshi | Deeksha Prajapat | Deepa Bora

Deepika Joshi | Deepti Kulwal | Devendra K. Verma | Diksha Verma | Dipika Yadav | Disha Shinde | Divya Joshi

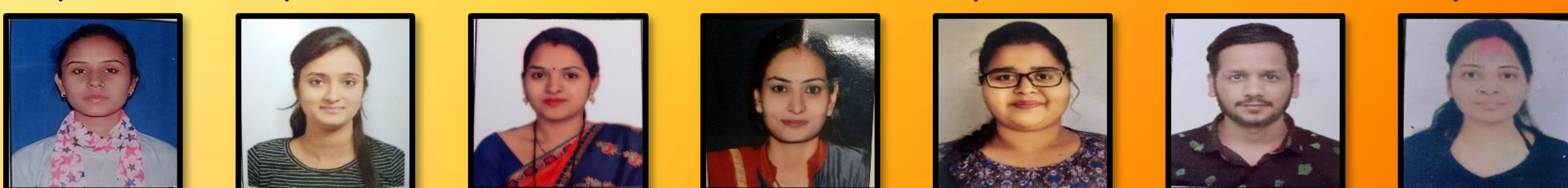

Divya Yadav | Garima Solanki | Harshali Nimbore | Harshita Bhanushali | Heer Pathak | Ishwar Pawecha | Jyotibala Alasiya

Kanika Khandelwal | Khushbu Masani | Khushboo Sen | Komal Bamniya | Lalita Malviy | Latesh Kumari | Mansi Chaturvedi

Meenkashi Ad | Mosam | Muskan Pilley | Naincy Gupta | Neha Joshi | Neha Prajapati | Nidhi Shah

Nidhi Yadav | Nikhat Shekh | Nikhilesh Kesdarkar | Palak Sharma | Pawan Solanki | Payal Gour | Pooja Bamniya

Batch 2020-22

Pooja Prajapati

Pooja Tomar

Pooja Vishwakarma

Prarthana Mehta

Priyanka Septa

Radhika Malak

Rahul Mandloi

Ravina Vaskel

Reena Gaikwad

Reena Trivedi

Rekha Yadav

Ritu Kelwa

Rukhsar Hashmi

Sandhay Tatwade

Sandhya Vyas

Sanjana Samant

Sapna Rawat

Shabana Shaikh

Shabda Sugandhi

Sharda Yadav

Sheetal Patidar

Shikha Kumawat

Shikha Shriwastav

Shivani Verma

Shradha Sharma

Shreshthi Singh

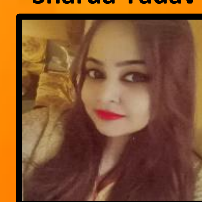
Shruti Chawla

Simran Verma

Smita Singh

Sudarshan Joshi

Surbhi Chouhan

Twishi Songara

Vaishali Khare

Vaishali Senani

Vandana Choubey

VeerSingh Yadav

Vishakha Yadav

Vivek Bihari

REPORT OF THE SPORTS COMMITTEE

Ms. Palak Berchha
Assistant Professor

Shri Gujarati Samaj B.Ed. College believes that sports is an integral part of education. Sports develop team spirit and mental and physical toughness among the teacher- trainees. The Annual Sports Meet of Shri Gujarati Samaj B.Ed. College was held from 11th to 12th December 2019. The Opening Ceremony was kicked-off by Jayendra Bhai Patel, Chairmen of S.G.S. B.Ed. College. Welcome speech was delivered by Dr. Kiran Dammani, Principal. The coordinator of the committee for the session 2019-2020 was Asst. Prof. Palak Berchha. The teachers and staff assisted in organizing the events.

Following games and sports were organized:

1. Lemon Race
2. Kho-Kho
3. Chair Race
4. Three leg Race
5. 100 Meter Running
7. Sitoliya
8. Cricket
9. Skipping Rope
1O. Carom
11. Chopper /Pachisi
12. One Minutes Game

- 22 participants took part in the Lemon Race Competition. There were a total of 5 rounds in which Nitin Barde (Sem II), Rishika Gupta (Sem II) secured first position and Rajesh Kumar, (Sem II), Anusha Jaiswal (Sem I) secured second position.
- 20 participants took part in Carom. In which Priyanka Yadav of B.Ed. first semester and Avantika Shivre got first position.
- 26 participants took part in the relay race. In which Satrupa Pandey (II sem), Pinki Chaudhary (I sem), Krishna Paliwal (I sem), Manisha Verma (II sem), secured first position.
- 19 participants took part in the 100 meter race, in which Satrupa Pandey of B.Ed. second sem, Nitin Barde took first place. And the second place was Neha Patidar (I sem), Sarvesh Sunhare ((II sem), remained.
- 24 participants participated in the chair race. In which Avantika Shivre (I sem) stood at first place, Seema Paliwal (II sem) in second place.
- 17 participants took part in the three leg race. In which Krishna Paliwal from first semester, Kirti Saroj got first position, Anjali Kaneria from second semester, Sheetal Barua got second position.
- 20 participants participated in the Sitoliya competition. In which team A was declared the winner. Team A included Anusha Jaiswal, Priyanka Yadav, Shivani Shivre, Krishna Paliwal, Jaya Patidar, Vaishali Mahajan, Samar Khan, Shivani Shivre, Bhavna Sen, Picky Chaudhary, stood first.
- 20 participants took part in one minute game under black and white card. In which Avantika Shivre (I sem) stood at first place, Vaishali Dhandi (II sem) in second place.
- In SKIPPING ROPE, Avantika Shivre (I sem), stood first and Preeti Lalwani (IIsem), stood second position.
- In Chopper, Himani Kalyani of first semester got first position, Shivani Shivre got second position.

The participating players were encouraged and cheered throughout the games. The atmosphere of the college was one of festivity and jubilance. The winners and runner's ups would be awarded at the prize distribution ceremony.

Report of Research Committee

Ms. Seema Pareek
Assistant Professor

With a goal of sharing our researches and views with all the scholrs and readers, and for continuous learning, the teachers are motivated to participate in different research related programmes like seminars, Conferences, and workshops. Their research papers and articles have been also published in UGC Approved and peer referred journals. The research related works during Janvary1,2020 to December 2022 were as follows-

A) PUBLICATIONS OF RESEARCH PAPERS IN THE JOURNAL

1) Dammani K.(December – (2021) “Attitude of Students towards the subject Mathematics”, Epitome of Education An Annual Blind Peer-Reviewed ReferredJournal, (ISSN: 2581-4680), Publisher : Shiv College of Education, Tigaon, Faridabad, Volume 05 Issue 1 : 76-83
2) Dammani, K., Soni D.,(2021) “समावेशी शिक्षा नीति के क्रियान्वयन में समस्याएं शिक्षा नीति 2020 के संदर्भ में”” Journal of Research Development, A Multidisciplinary International Level Referred and Peer reviewed Journal, (ISSN: 2230-9578), Impact Factor: 7.265 published by V.R. Bhole, Jalgaon , Maharashtra ,
3) Dammani K., & Sharma, J. (2021) “Development of Linear Programmed Learning Material for Teaching Accountancy” Psycho-Lingua, (A Half Yearly & Peer Reviewed journal of Cognitive Information and Communicative Process) (0377-3132), ,published by Psycho-Linguistics Association of India (PLAI) Agra 51 (1): 49-55
4) Dammani K. (2021**).** Reflection on a few Selected Parameters of National Educational Policy 2020, Indian Journal of Psychometry & Education(A Biannual Interdisciplinary Peer Reviewed Refereed Research journal) (ISSN 0378- 1003), published by Indian Psychometric and Educational Research Association, Patna 52 (1): 59-63’
5) Dammani K.(December - 2021) “Attitude of Students towards the subject Mathematics”, Epitome of Education An Annual Blind Peer-Reviewed ReferredJournal, (ISSN: 2581-4680), Publisher : Shiv College of Education, Tigaon, Faridabad, Volume 05 Issue 1 : 76-83
6) Dammani, K. , Indani M.,(2020) “ Effectiveness of Tailor made Website for Teaching and Learning English Grammar” Praachi Journal of Psyche-Cultural Dimensions (A Half Yearly Referred & Peer Reviewed journal) (ISSN: 0971-7064) Praachi Psycho-Cultural Research Association, Meerut, 32(2) :119-12

B) PUBLICATIONS OF BOOKS \ CHAPTER IN EDITED BOOK

1) Dammani K.(2021) Obstacles in Happiness and their Elucidations, Munich, GRIN Verlag, https://www.grin.com/document/983985
2) Dammani, K. (2021), Effectiveness of Concept Mapping in Terms of Understanding Concepts of English Grammar, Munich, GRIN Verlag, https://www.grin.com/document/983509
3) Dammani K,(2021), Effectiveness of a Tailor Made Website for Teaching and Learning English Grammar, Munich, GRIN Verlag, https://www.grin.com/document/1060829

4) Dammani K, (2021), Study of the Happiness of the Teachers of Indore City, India, Munich, GRIN Verlag, https://www.grin.com/document/1060833
5) Dammani K.(2021) Obstacles in Happiness and their Elucidations, Munich, GRIN Verlag, https://www.grin.com/document/983985

(C)PRESENTATION OF PAPER IN SEMINAR AND CONFERENCE

1) Dammani, K. December (2021) presented paper on "Learning by Doing through Programmed Learning " in the National level Interdiciplinery Seminar on Research Methodology organized by Department of Education, Kaviyatri Bahinabai Chaudhari , North Maharsahtra University, Jalgaon on 26 and 27 october2021.
2) Dammani, K. (December 2020) presented paper on "Exploring the Causes of Negative Attitude of the Students towards the Subject Mathamatics " in the 9th National Conference on "Mathematics Education" organized by National Council of Educational Research and Training, Regional college of Education, Bhopal (M.P.), December 20th-22nd, 2020
3) Dammani, K. (November 2020) presented paper on "Open Book Exam for Assessing Higher Order Thinking " in the National Seminar on Emerging Trends and Issues in Learners ' Assessment at School Level organized by Regional Institute of Education Shyamla Hills, Bhopal, 24-26 November 2020
4) Dammani, K. (2020) presented paper on "Programmed Learning an Innovative way to Teach accounting for class XI " in the **National Level Seminar** on **"Construction & Standardization of a Test for Research Study"** organized by Dhule Education Society's College of Education,Dhule,KBC North Maharashtra University**, Jalgaon (Maharashtra) on 22nd January 2020.**
5) Dammani, K. (2020) presented paper on **" Manki Krut Parishan Vartaman Samay Ki Upyogita"** in the **National Level Seminar** on **"Construction & Standardization of a Test for Research Study"** organized by Dhule Education Society's College of Education,Dhule,KBC North Maharashtra University**, Jalgaon (Maharashtra) on 22nd January**

(D) RESOURCE PERSON

1) Dammani, K. (October 2021), chaired one of the session in the National level Interdiciplinery Seminar on Research Methodology organized by Department of Education, Kaviyatri Bahinabai Chaudhari , North Maharsahtra University, Jalgaon on 26 and 27 october2021.
2) Dammani, K. (January 2020) , delievereed Key Note Speech in the **National Level Seminar** on the topic **"Construction & Standardization of a Test for Research Study"** organized by Dhule Education Society's College of Education,Dhule,KBC North Maharashtra Universit**y, Jalgaon (Maharashtra) on 2nd January 2020.**

(E) ANY OTHER workshop and webinar

1. Jadon, B. (27 to 29 Jan. 2021) Workshop on Constructing constructivist lesson plan from Hierank Business School Noida.

2. Jadon, B. (30 to 31 May 2020) Webinar on "Corona Sankraman Ke Sandarbh Me Bhartiya Pratyuntar" from Hindi Evam Bhasha Vibhag, Rani Durgawati Vishvavidyalaya.
3. Tomar, A. (7to 8 May 2022) Workshop on "Vyavsayik Pathyakram Me Shikshan, Aankalan, Evam Mulyankan Shashtra Me Gunwatta – Rashtriya Shiksha Niti 2020" from D.A.V.V. Indore
4. Tomar, A. (26 Feb.2022) Workshop on "Self Management" from Research Foundation of India
5. Tomar, A. (29 Feb.2020) Workshop on "Basics of Linguistics" from P M B Gujarati Science College, Indore
6. Tomar, A. (10June2021) Webinar on "Manas Se Mana" from Research Foundation of India
7. Tomar, A. (13 June 2020) Webinar on "Covid-19 Ke Dauran Samaj Par Suchana Prodyogiki Ka Prabhav" from Govt. Degree College, Bilaspur
8. Tomar, A. (10 June 2020) Webinar on "Aatmanirbhar Bharat Abhiyan and Indian Economy under Covid 19 " from S. G. Govt. Degree & PG College piler
9. Tomar, A. (1 to 6 June 2020) Webinar on "Knowledge Generation in Education during Covid 19- Pandemic-Qualitative Research" from Department of Education, University of Mumbai
10. Tomar, A. (5 June 2020) Webinar on "Impact of Online Teaching In Development of Pre. Service Teacher In Present Scenario" from Greater Noida College of Education
11. Shakya, A.(7to 8 May 2022) Workshop on "Vyvsayik Pathyakram Me Shikshan, Aankalan, evam Mulyankan Shashtra Me Gunwatta – Rashtriya Shiksha Niti 2020" from D.A.V.V. Indore
12. Shakya, A. (26 Aug. 2019 from) Workshop on "New Framework of NAAC Assessment & Accreditation for College" from D.A.V.V. Indore
13. Berchha, P. (7 to 11 July 2021) Webinar on "Research Methodology and Project Writing" from Rama Devi Women's University Odisha
14. Berchha, P. (4 June 2021) Webinar on "Nurturing Creativity in Classroom" from Sahodaya Group of CBSE Schools Bhopal
15. Berchha, P. (4 June 2020) Webinar on "Digital Technology for Transforming Teaching & Learning Experience: A 360 Approach" From Christian Eminent College, Indore
16. Raghuwanshi, A. (20 to 26 July 2020) Webinar on "E Learning and techno pedagogy" From Guru Teg Bahadur National College, Ludhiana
17. Raghuwanshi, A. (13 June 2020) Webinar on "Impact of Online Teaching In Development of Pre-Service" from College of Education Ghaziabad
18. Raghuwanshi, A. (5 June 2020) Webinar on "Teacher In Present Scenario" from Greater Noida College of Education
19. Pareek, S.(1 to 6 June2020) Webinar on " Knowledge Generation In Education During COVID-19 Pandemic ,Qualitative Research" from Department of Education, University of Mumbai
20. Pareek, S.(8 to 10 June 2020) Webinar on "New Trends for Effective Teaching Learning In Present Scenario" from Mahila Mahavidyalaya Hitkarini Prashikshan

Academic Performance

Ms. Seema Pareek
Assistant Professor

Excellence in academics is the hall mark of good institution and the results of ours in the university examination have made us proud. Our teachers are reflective and responsive to students needs and there is quality commitment from our college towards community the result declared in the Academic Batch 2018 2020,2019-21,2020-22 is presented in the bellow:

Batch	Sem	Date of result	Appeared	Pass	ATK T	Fail	%	Distinction
2018-20	I	21/10/19	93	71	19	04	76%	
	II	08/06/20	88	61	24	3	69%	
	III	23/10/20	86	86	-	-	100%	60
	IV	20/03/20	85	85	-	-	100%	78
2019-21	I	14/10/20	95	95	-	-	100%	87
	II	31/07/21	94	94	-	-	100%	89
	III	18/09/21	94	93	1	-	98 %	52
	IV	12/01/21	94+2(Ex.) Total stu.=96	94	1	1	97%	43

Report on Cultural Activities

Ms. Keerti Yadav
Assistant Professor

As a vibrant part of Shri Gujarati Samaj B.Ed. College, cultural committee conducted a plethora of cultural activities, to inculcate a sense of Indian culture, moral values, and unity. Cultural committee organized these activities throughout the year in the able guidance of principal and support of all staff members and student representatives. The time from March 2020 to January 2022 proved very difficult for the world. This was the time when the Corona pendemic had engulfed the world. During this time, it was not possible to organize cultural activities. The co-ordinator of committee for session 2019-23 was Asst. Prof. Keerti Yadav. The colorful bunch of these activities during 2019-2022 are presented at a glance-

- Plantation program was organized in the college on August 1, 2019, with the aim of creating awareness about environmental protection among the teacher-trainees. College Chairman Mr. Jayendrabhai Patel and Principal Dr. Kiran Dammani planted Neem, Ashoka, and other medicinal plants along with all the staff and teacher-trainees. Chairman Mr. Jayendrabhai Patel made everyone take a pledge to preserve the environment

and keep their home, village and city clean. On this occasion, Tulsi plant was presented as a gift to the chairman by the principal. The program was coordinated by Assistant Professor Aparna Raghuvanshi. On the occasion of Raksha Bandhan, Rakhi Making competition was organized by College on 6 August, 2019, to celebrate the essence of brother-sister bond. Eighteen teacher trainees enthusiastically participated in the competition and make beautiful, creative and different Rakhi's. Among the eighteen participants, Manisha Verma, Khushboo Chandore, Anjali Kaneria and Shilpa Bomarde of II Sem secured first, second, third and consolation prize respectively. The Progrrame was co-ordinated by Asst. Prof. Keerti Yadav

- In the festive season of Ganesh Chaturti an intensive workshop in sculpting eco-friendly Ganesha idols was organized for teacher trainees to equipping the future teachers with civic, environmental, social, cultural and health values. On 28 August 2019, teacher trainees made Ganesha idols from clay with devotion, Passion, and creativity, under the guidance of Assit. Prof. Keerti Yadav. They also get themselves apprised of the ill effects of Plaster of Paris on environment and took pledge not to use Plaster of Paris in future.
- Garba in Navaratri is the best socially connective activity to follow traditional customs with joy and discipline. So, to brought awareness about traditional customs and enjoyment, Shri Gujrati Samaj organized a Garba Utsav, on 6 Oct. 2019, for teaching, Non-teaching staff and student and Best Garba Competition for female students of all four colleges of Nasia Road campus. Among all the participants Sharmila Rathore (I Sem) got first prize on the other hand Saloni Ratnakar, Himani Kalyani, Neha Patidar, Anusha Jaiswal, Prachi Bodka and Jaya Patidar (Sem I) got consolation prizes. On this occasion our college also organize Best Dress Competition for teacher trainees, in which Sharmila Rathore (Sem I), Saloni Ratnakar (Sem I) and Himani Kalyani (Sem I) secured first, second and third position respectively.
- A Mehndi competition was held on 16th October, 2019, to celebrate Karwa Chouth as well as to test aesthetic sense and creativity of teacher trainees. This competition was well organized by librarian Ms. Archna Solanki and and judged by our college Principal Dr. Kiran Dammani. In this competition Neha Patidar (I Sem) got First Prize, Manisha Verma (III sem) got second prize, Keerti Saroj (I Sem) got third prize while Avantika Shivhare and Rishika Gupta both got consolation prizes for their beautiful Rangoli.
- Two days cultural activities were organized from 14 to 16 December 2019 under the 15th anniversary program of the college. The programwas presided over by the principal of the college, Dr. Kiran Dammani. Students actively participated in Antakshari, Rangoli, extemporaneous speech and essay competitions. The program was successfully conducted by the cultural program in-charge of the college, assistant professor Keerti Yadav.
- The annual festival was concluded on 6 January 2020 with the colorful cultural program "Rang-Tarang". Padmashree Mrs. Janak Palta McGilligan as chief guest and Dr. Anil Sharma as special guest were invited in the program. The program was presided over by Shri Kishore Bhai Doshi, President Shri Gujarati Samaj, Indore. Many eminent dignitaries of shri Gujarati Samaj, Indore were present at the annual function celebration. Various singing and dancing performance was staged by the students. The prime attraction of program was a dance-drama that was staged to present the tragedy of acid attack. The program was successfully conducted by the annual festival in-charge of the college, assistant professor Bharti Jadon.

Along with the aforesaid activities college also provide opportunities to inculcate moral values in teacher trainees. 'Bhartiya sanskriti Gyan Pariksha was conducted by 'Akhil Vishva Gayatri Pariwar' On 19th October, 2019, to infuse morality and develop cultural consciousness among students. It was co-ordinated at college by Asst. Prof.

Ms. Archana Singh Tomar & Asst. Prof. Ms. Aparna Raghuvanshi. Among 19 participants for this exam, Preeti Lalwani (Sem I), Vaishali Dhadi (Sem II), and Prem Bagora (Sem I) secured first, second and third position respectively.

A 'Gandhi Vichar Sanskar Pariksha' on 7th November, 2019 was conducted by Gandhi Research Foundation to inculcate foundational values of human heritage in teacher trainees with the help of moral stories and historic anecdotes from the life and work of Gandhiji. Total 11 teacher trainees of I, II, & III Semester participated in this exam. Among 11 participants for this exam, Pooja Neve (Sem I), Jagruti Soni (Sem II), and Prem Bagora (Sem I) secured first, second and third position respectively. This exam was co-ordinated by Asst. Prof. Dr. Arti Shakya & Asst. Prof. Ms. Keerti Yadav.

Report On Co-curricular and Annual Activities

Ms. Keerti Yadav
Assistant Professor

The New academic year 2019 started with lots of zeal and enthusiasm. Our college provided ample opportunities to actually complement the curricular activities and groom the student teachers in the "Art of living and working together". Student teachers were geared up and were looking forward for various co-curricular activities that educate, brighten and enlighten the young brilliant minds. The time from March March 2020 to January 2022 proved very difficult for the world. This was the time when the Corona pendemic had engulfed the world. During this time, it was not possible to organize co-curricular activities. The Highlights of co-curricular activities during 2019-2020 are as follows-

- Gurupurnima was celebrated in the college on 16th July 2019. The program was started by the teacher-trainees by giving flowers to the teachers. The chairman of the program, Principal Dr. Kiran Dammani, describing the glory of the Guru, congratulated all the teacher trainees on Gurupurnima. After that the teachers and teacher trainees shared the memorable moments spent with their Guru. The program was coordinated by Assistant Professor Archana Singh Tomar.
- On 31st July 2019, on the birth anniversary of Munshi Premchand, the emperor of prose, a summary reading competition of his stories was organized. A total of 15 teacher-trainees participated in the competition. College Principal Dr. Kiran Dammani and Assistant Professor Archana Singh Tomar were present as judges in the competition. Sharmila Rathore and Himani Kalyani of first semester secured first and second position respectively in the competition. The program was coordinated by Assistant Professor Bharti Jadon.
- On 15th August 2019, the country's 74th Independence Day was jointly celebrated by 5 colleges in Nasiya Road premises of Shree Gujarati Samaj, Indore with great enthusiasm and patriotism. After hoisting the flag by Shri Kishore Bhai Doshi, President Shri Gujarati Samaj, Indore as the chief

guest, the three units of NCC were inspected. After that the oath taking ceremony of NCC cadets took place.

- The Pateti is celebrated as New Year in Parsi community. This year it was celebrated on August17, 2019. On this occasion a small session was organized at our college in which information was provided about Pateti and its celebration by Asst. Prof. Siddhi Sood.
- Every year the birthday of Lokmata Devi Ahilya Bai Holkar is celebrated as Ahilyotsav in Indore. This year, on August 28, 2019, a video based on the life values of brave Marathi warrior queen was shown to the teacher trainees under Ahilyotsav in the college. The program was coordinated by Asst. Prof. Seema Pareek.
- Teacher's Day celebration conducted at our department by our students on 5th September, 2019. On this occasion, the teacher trainees expressed their views towards the teachers which were thoroughly enjoyed and appreciated. They showed their reverence for all the teachers beautifully by giving "Tulsi Plant." Teacher trainees planned and executed this programme.
- On 9th September 2019, Vishva Saksharta Diwas was celebrated by organizing a Quiz competition which was co-ordinated by Asst. Prof. Dr. Siddhi Sood. II semester team was the winner of the quiz whose participants were Seema Paliwal, Manisha Verma, Jaishree Mandloi, Satrupa Pandey, Jagruti Soni, Sheetal Barua, Sangeeta Chouhan, Amruta Sastiya, Hatri Bhanwar and Rahul Yadav.
- On 2nd Oct.2019, the whole college staff participated in the rally organization by the Gujarati Samaj, Indore, in the memory of Mahatma Gandhi.
- Every year Shri Gujarati Samaj celebrates the birth anniversary of Shri Sardar Vallabh Bhai Patel by organizing a rally on October 31st. like every year Shri Gujarati Samaj B.Ed. College also participated in the rally for garlanding on Shri Sardar Vallabh Bhai Patel's statue on 31st October, 2019.
- On the occasion of Gurunanak Dev Jayanti, important information was shared about the education, culture, and path & life shown by Gurunanak Devji among the teacher trainees on 11 November, 2019. This program was presided over by our principal Dr. Kiran Dammani. She wished the whole college staff and teacher trainees on this auspicious occasion. She also motivated the teacher trainees to get inspired from the pious life and preaching of Shri Gurunanak Devji. The information about the remarkable life of Nanak sahib was shared by Asst. Prof. Siddhi Sood.
- AIDS Awareness Day was celebrated in the college on 2nd December 2019. In which the assistant professor of the college, Palak Berchha, made the teacher trainees aware about the reasons for the spread of AIDS, remedy and methods of prevention.
- The date 12 January 2022 was celebrated as National Youth Day on the occasion of Swami Vivekananda Jayanti. On this occasion, an essay competition was organized in the college on the topic "Desh ki Ajadi ke Amrut Mahotsav mein Yuva Shakti ki Bhumika ". Ayushi Jaiswal and Love Kaushik got first and second place respectively among the participants of the competition. In this competition, Dr. Rekha Jain and Mrs. Mridula Pandey, Hindi teachers of RRMB Higher Secondary School were invited as judges. The Programme was co-ordinated by Asst. Prof. Keerti Yadav.
- The Republic Day of India, was celebrated on 26th January, 2022 with gaiety and Patriotic fervor at scheme no. 54 premises of Shri Gujarati Samaj, Indore. Shri Govindbhaiji Patel, Vice President of Shri Gujarati Samaj, Indore hoisted the flag as the chief guest. On this occasion, office bearers of Shree Gujarati Samaj, Indore, members of Board of Trustees and principals and staff of all educational institutions were present. In which everyone strictly followed the guidelines of Corona.

Apart from these activities college also encourage teacher trainees to compete with other colleges in variety of competitions organized by different colleges and universities. In this academic year teacher trainee Pooja Neve (I Sem) participated in essay competition organized by Government Holkar Science College, Indore on “Khadya Padarthon Me Milawat Samaj Evam Deshhit Me Nahi Hai”. Simultaneously, Prachi Bodkha (I sem) and Rakhi Kabra(I sem) participated in solo-song completion, Prachi Bodkha (I sem) and Himani Kalyani (I sem) participated in Slogan writing completion while Himani Kalyani (I Sem) participated in Dance(solo) completion organized by Shri Jain Diwakar College, Indore on 14 Sep. 2019While 09 students of Semester I and 04 students of semester II participated in “HEARTFULNESS ESSAY WRITING EVENT-2019” organized by Shri Ramchandra Mission, United Nations information Centre For India and Bhutan, and Heartfulness Education Trust,on 19 september, 2019.

Moreover, Himani Kalyani (I Sem) student participated in the Rangoli Competition organized by Shri Vaishnav College of Teachers Training on 26 September, 2019.

Report of Admission Committee

Ms. Seema Thakkar
Office Assistance

The admission procedure is a centralized online process conducted by the department of Higher Education M.P. Ms. Seema Thakkar took care of the admission committee processed and reports for session 2022-24. The online registration and verification process was started from May 30, 2022. The process of admission got completed through four counseling sessions (May 30, 2022 to August 31, 2022) and a total of 94 students were admitted. This year entrance exam was not conducted. Among the 94 students, 67 candidates were female and 27 were male. The category -wise admission report revealed that 32 candidates were from general category, 9 from SC, 23 from ST, 30 from OBC category.

Round	*Alloted Students*	*Reported Students*			*SC*			*ST*			**OBC**			**General**		
		M	*F*	*Total*	*M*	*F*	*Total*	*M*	*F*	*Total*	*M*	*F*	*Total*	*M*	*F*	*Total*
I Round	*68*	*7*	*20*	*27*	-	*2*	*2*	*1*	*4*	*5*	*2*	-	5	1	12	13
II Round	*73*	*3*	*11*	*14*	-	*1*	*1*	-	*1*	*1*	*1*	5	6	2	4	6
III Round	*100*	*4*	*14*	*18*	*1*	*1*	*2*	*2*	*5*	*7*	*1*	3	4	-	5	5
IV Round	*102*	*4*	*14*	*18*	-	*2*	*2*	*3*	*3*	*6*	-	5	5	1	4	5
V Round	*100*	*6*	*7*	*13*	*1*	-	*1*	*4*	-	*4*	-	5	5	1	2	3
VI Round	*100*	*4*	*5*	*9*	*1*	*1*	*2*	*1*	-	*1*	*1*	3	4	1	1	2
Total		*28*	*71*	*99*	*3*	*7*	*10*	*11*	*13*	*24*	*5*	26	31	6	28	34
Cancelled		*1*	*4*	*5*	-	*1*	*1*	-	*1*	*1*	*1*	-	1	-	2	2
Grand Total		*27*	*67*	*94*	*3*	*6*	*9*	*11*	*12*	*23*	*4*	26	30	6	26	32

इंसानियत ही सबसे बड़ा मजहब

मंदिर मस्जिद गिरजाघर ने,
बांट दिया इंसान को
धरती बांटी अम्बर बांटा
मत बांटो इंसान को।
क्योंकि–फूल रंग रंग के
चमन तो एक है,
मजहब जुदा सही
वतन तो एक हैं।
सूख न पाये आज तक
बंटवारे के घाव।
स्न 2022 का ये सफर
ज्यों मरुस्थल में नाव।

मेरा भारत एक ऐसा देश है, जहाँ हर व्यक्ति को अपने धर्म को मानने और उसे अभिव्यत करने कि पूर्ण स्वतंत्रता है, अनेकता में एकता यहीं है भारत की विशेषता। हमनें बचपन से यहीं बात पढ़ी और समझी है।

बचपन से पढ़ने विद्यालय जाते है, सभी विद्यार्थी अलग–2 घरों के होते है। उनके लिए धर्म कोई महत्व नहीं रखता सिर्फ भावना के रिश्ते से जुड़े होते है सभी। सभी साथ पढ़तें है, साथ में खेलते हैं। तब उनके मन में मजहब या जाति का द्वेष नहीं होता, उनकी विचारधारा में परिर्वतन बड़ो की सिखाई व देखी आदतों से होता हैं। मुस्लिम अपनें धर्म को लेकर तो सिक्ख अपने धर्म को लेकर और अन्य सभी अपने–2 धर्मों को लेकर सक्रिय होते है, किंतु क्या यह सही हैं? नहीं अपितु सभी को सर्वप्रथम अपने धर्म नहीं देश हित को सर्वोपरी रखना चाहिए।

आज हम आजाद भारत में रहतें हैं। किंतु क्या हम कभी यह सोचते है कि इस आजादी को हमनें कितनी कठिनाई से पाया हैं। इस आजादी के लिए हम सभी ने (हिंदू, मुस्लिम, सिक्ख और इसाई) सभी ने अपना योगदान दिया है। फिर सिर्फ कुछ असामाजिक अवाछंनीय तत्वों के भड़कानें पर हम लड़ने लगते हैं, में पूछती हूँ क्यों? क्या हमारी नीव इतनी कमजोर हैं कि कोई भी हमें लडवा सकता है? नही हम कमजोर नहीं हमें मजबूत बनना है। हमारी एकता का परिचय सम्पूर्ण विश्व को देना है।

जितने हिस्सों में जब चाहा, उसने हमको बाँटा हैं।
उसको है मालूम, हमारी सोचों में सन्नाटा हैं।
तुम उससे न जाने क्या उम्मीद लगाए बैठे हो।
जिस दिमाग में चौबीस घंटे सिर्फ लाभ या घाटा हैं।

मजहब नही सिखाता आपस में बैर रखना, मजहब या सम्प्रदाय का सम्बन्ध पूजा पद्धति एंव कर्म काण्डों से है, आत्मा की शुद्धि के लिए हर व्यकि एक रास्ता , या मार्ग चुनता हैं जिससे वह मोक्ष को प्राप्त कर सकें। या ईश्वर में लीन हो सकें। किंतु इस भावना को इतना प्रबल मानना और उसकी श्रेष्ठता को साबित करना कि मेरा धर्म श्रेष्ठ है कहाँ तक उचित हैं? नही यह बिल्कुल सहीं नहीं है। जब ईश्वर ने हमें बनानें में कोई फर्क नही किया, तो हम कौन होते है, फर्क करने वाले

हमारे देश में अन्य कई ऐसे मुददें है, जिन्हें सोचा जा सकता है और उन मुश्किलों का समाधान निकाला जा सकता हैं। जैसे–बेरोजगारी, भ्रष्टाचार और जनसंख्या। हम सभी को आगे आकर अपना कर्तव्य देश के लिये पूर्ण करना चाहिए। तभी सही मायने में हम कह सकेंगे–

सारे जहाँ से अच्छा, हिन्दुस्तां हमारा.....2
हम बुलबुले हैं इसकी ये गुलसिताँ हमारा....2
मजहब नहीं सिखाता आपस में बैर रखना हिन्दी हैं हम वतन है हिन्दोस्ताँ हमारा..2

आरती झाला
II सेमेस्टर

ग्लोबल वार्मिंग – दुनिया के लिए चेतावनी

आज के युग में मनुष्य दिनों–दिन कई प्रकार की नई–नई तकनीकें विकसित करता आ रहा है। विकास के लिए मनुष्य कई तरह से प्रकृति के साथ खिलवाड़ कर रहा है जिसकी वजह से प्रकृति के संतुलन को बनाए रखने में बहुत मुश्किल हो रही है। इन सब के कारण धरती को कई समस्याओं का सामना करना पड़ रहा है। जिनमें से ग्लोबल वार्मिंग एक बहुत ही भयंकर समस्या है। ग्लोबल वार्मिंग या वैश्विक तापमान बढ़ने का मतलब है कि पृथ्वी लगातार गर्म होती जा रही है। वैज्ञानिकों का कहना है कि आने वाले दिनों में सूखा, बाढ़ की घटनाएँ बढ़ेगीं और मौसम का मिजाज पूरी तरह बदला हुआ दिखेगा। वैश्विक तापमान यानी ग्लोबल वार्मिंग आज विश्व की सबसे बड़ी समस्या बन चुकी है, इससे न केवल मनुष्य बल्कि धरती पर रहने वाला प्रत्येक प्राणी त्रस्त है। ग्लोबल वार्मिंग से निपटने के लिए दुनियाभर में प्रयास किए जा रहे हैं, लेकिन समस्या कम होने के बजाय साल–दर–साल बढ़ती ही जा रही है। अगर हम नहीं सँभले तो भविष्य और भी भयावह हो सकता है।

क्या है ग्लोबल वार्मिग?

आसान शब्दों में यदि समझे तो ग्लोबल वार्मिंग का अर्थ है, 'पृथ्वी के तापमान में वृद्धि और इसके कारण और इसके कारण मौसम में होने वाले परिवर्तन'। हमारी धरती प्राकृतिक तौर पर सूर्य की किरणों से ऊष्मा प्राप्त करती है। ये किरणें वायुमंडल से गुजरती हुई धरती की सतह से टकराती है, और फिर वहीं से परावर्तित होकर पुनः लौट जाती हैं। धरती का वायुमंडल कई गैसों से मिलकर बना है, जिनमें कुछ ग्रीनहाउस गैसें भी शामिल हैं। इनमें से अधिकांश धरती के ऊपर एक प्रकार से एक प्राकृतिक आवरण बना लेती है। यह आवरण लौटती किरणों के एक हिस्से को रोक लेता है और इस प्रकार धरती के वातावरण को गर्म बनाए रखता है। यह ध्यान देने योग्य बात है कि मनुष्यों, प्राणियों और पौधों को जीवित रहने के लिए कम से कम 16 डिग्री सेल्शियस तापमान आवश्यक होता है। वैज्ञानिकों का मानना है कि ग्रीन हाउस गैसों में बढोतरी होने पर यह आवरण और भी घना या मोटा हो जाता है। ऐसे में यह आवरण सूर्य की अधिक किरणों को रोकने लगता है और यहीं से शुरू हो जाते हैं ग्लोबल वार्मिंग के दुष्प्रभाव। पृथ्वी के तापमान में हो रही इस वृद्धि के परिणामस्वरूप बारिश के तरीकों में बदलाव, हिमखंडों और ग्लेशियरों के पिघलने, समुद्र के जलस्तर में वृद्धि, जंगलों की आग और जन्तु जगत पर प्रभावों के रूप में सामने आ रहे हैं। इसी वर्ष 2022 में हमने विभिन्न समाचार चैनलों के माध्यम से सुना कि पूरा यूरोप गर्मी के कारण त्राहिमाम कर रहा है। यूरोप के कई देशों के जंगलों में आग लगी हुई है जिसके परिणामस्वरूप गर्मी का प्रकोप यूरोपीय देशों में बढ़ा है।

ग्लोबल वार्मिग दुनिया के समक्ष कितनी बड़ी समस्या है, यह अभी कोई नहीं समझ पा रहा है। आम आदमी को यह शब्द टेक्निकल लगता है। अधिकांश जनता को इससे कोई सरोकार नहीं है इसलिए वह पर्यावरण सुरक्षा की ओर ध्यान नहीं देते।

भारत में भी ग्लोबल वार्मिग एक प्रचलित शब्द नहीं है और जीवन की आपा–धापी में लगे रहने वाले भारतीयों के लिए भी यह समस्या कोई मायने नहीं रखती है, लेकिन वैज्ञानिकों की दृष्टि से अगर देखें तो 21वीं शताब्दी के लिए बड़ा खतरा बताया जा रहा है। यह खतरा तृतीय विश्वयुद्ध या किसी क्षुद्रग्रह के पृथ्वी से टकराने से भी बड़ा माना जा रहा है।

ग्लोबल वार्मिग के कारण

ग्लोबल वार्मिंग के लिए सबसे ज्यादा जिम्मेदार तो मनुष्य और उसकी गतिविधियॉ ही हैं। स्वयं को धरती का सबसे बुद्धिमान प्राणी समझने वाला मनुष्य अनजाने में या जानबूझकर अपने ही रहवास को खत्म करने पर तुला हुआ है।

मनुष्यजनित इन गतिविधियों से कार्बन डायआक्साइड, मिथेन, नाइट्रोजन आक्साइड इत्यादि ग्रीनहाउस गैसों की मात्रा में निरंतर वृद्धि हो रही है, जिससे इन गैसों का आवरण सघन होता जा रहा है। यही आवरण सूर्य की परावर्तित किरणों को रोक रहा है जिससे धरती के तापमान में वृद्धि हो रही है। वाहनों, हवाई जहाजों, बिजली बनाने वाले संयंत्रों, उद्योगों इत्यादि से अंधाधुंध होने वाले गैसीय उत्सर्जन की वजह से वातावरण में कार्बन डाइऑक्साइड में बढ़ोतरी हो रही है। जंगलों का बड़ी संख्या में हो रहा विनाश इसकी दूसरी बड़ी वजह है। जंगल कार्बन डाइऑक्साइड की मात्रा को प्राकृतिक रूप से नियंत्रित करते हैं लेकिन इनकी बेतहाशा कटाई से यह प्राकृतिक नियंत्रक भी हमारे हाथ से छूटता जा रहा है।
रेफ्रीजरेटर्स, अग्निशामक यंत्रों इत्यादि में इस्तेमाल होने वाली गैस सीएफसी है। यह धरती के ऊपर बने एक प्राकृतिक आवरण ओजोन परत को नष्ट करने का काम करती है। ओजोन परत सूर्य से निकलने वाली घातक पराबैंगनी किरणों को धरती पर आने से रोकती है। वैज्ञानिकों का कहना है कि इस ओजोन परत में एक बड़ा छिद्र हो चुका है जिससे पराबैंगनी किरणें सीधे धरती पर पहुंच रही हैं और उसे लगातार गर्म बना रही हैं। निरंतर बढ़ते तापमान के फलस्वरूप दोनों ध्रुवों पर सदियों से जमीं बर्फ भी पिघलने लगी है।

ग्लोबल वार्मिंग के प्रभाव

तापमान में निरंतर वृद्धिः पिछले दस सालों में धरती के औसत तापमान में 0.3 से 0.6 डिग्री सेल्शियस की बढ़ोतरी हुई है। आशंका यही जताई जा रही है कि आने वाले समय में ग्लोबल वार्मिंग में और बढ़ोतरी होगी।

समुद्र सतह में बढ़ोतरी : ग्लोबल वार्मिंग से धरती का तापमान बढ़ेगा जिससे ग्लेशियरों पर जमा बर्फ पिघलने लगेगी। कई स्थानों पर तो यह प्रक्रिया शुरू भी हो चुकी है। ग्लेशियरों की बर्फ पिघलने से समुद्रों में जल का स्तर बढ़ेगा जिससे साल–दर–साल उनकी सतह में भी वृद्धि होती जाएगी। समुद्रों की सतह बढ़ने से प्राकृतिक तटों का कटाव शुरू हो जाएगा, जिससे एक बड़ा हिस्सा डूब जाएगा। इस प्रकार तटीय इलाकों में रहने वाले अधिकांश लोग बेघर हो जाऐंगे।

मानव पर प्रभावः जलवायु परिवर्तन का सबसे ज्यादा प्रभाव मनुष्य पर ही पड़ेगा और कई लोगों को अपनी जान से हाथ धोना पड़ेगा। गर्मी बढ़ने से मलेरिया, डेंगू और यलो फीवर जैसे संक्रामक रोग बढ़ेंगे। वह समय भी जल्दी ही आ सकता है जब हममें से अधिकांश को पीने के लिए स्वच्छ जल, खाने के लिए ताजा भोजन और श्वास लेने के लिए शुद्ध हवा भी नसीब नहीं हो पाएगी।

ग्लोबल वार्मिंग रोकने के उपाय

वैज्ञानिकों और पर्यावरणविदों का कहना है कि ग्लोबल वार्मिंग में कमी के लिए मुख्य रूप से सी.एफ.सी. गैसों का उत्सर्जन रोकना होगा और इसके लिए फ्रिज़, एयर कंडीशनर और दूसरे कूलिंग मशीनों का इस्तेमाल कम करना होगा या ऐसी मशीनों का इस्तेमाल कम करना होगा या ऐसी मशीनों का उपयोग करना होगा जिससे सी.एफ.सी. गैसें कम निकलती हों।

औद्योगिक इकाइयों की चिमनियों से निकलने वाला धुऑं हानिकारक है और इनसे निकलने वाला कार्बन डाइऑक्साइड गर्मी बढ़ाता है। इन इकाइयों में प्रदूषण रोकने के उपाय करने होंगे । वाहनों में से निकलने वाले धुएँ का प्रभाव कम करने के लिए पर्यावरण मानकों का सख्ती से पालन करना होगा। उद्योगों और खासकर रासायनिक इकाइयों से निकलने वाले कचरे को फिर से उपयोग में लाने लायक बनाने की कोशिश करनी होगी और प्राथमिकता के आधार पर पेड़ों की कटाई रोकनी होगी और जंगलों के संरक्षण पर बल देना होगा।
अक्षय ऊर्जा के उपायों पर ध्यान देना होगा यानि अगर कोयले से बनने वाली बिजली के बदले पवन ऊर्जा, सौर ऊर्जा और पनबिजली पर ध्यान दिया जाए तो वातावरण को गर्म करने वाली गैसों पर नियंत्रण पाया जा सकता है तथा साथ ही जंगलों में आग लगने पर रोक लगानी होगी।

भारती जादौन
सहा. प्राध्यापक

प्रकृति

प्रकृति एक प्राकृतिक पर्यावरण है जो हमारे आसपास है हमारा ध्यान देती है और हर–पल हमारा पालन पोषण करती है। ये हमारे चारों तरफ एक सुरक्षात्मक कवच प्रदान करती है। जो हमें नुकसान से बचाती है। हवा–पानी, जमीन, आग, आकाश आदि जैसी प्रकृति के बिना हम लोग इस काबिल नहीं है कि धरती पर रह सके। प्रकृति हमारे आसपास कई रुपों में है जैसे–पेड़, जंगल, जमीन, हवा, नदी, बारिश, तालाब, मौसम, वातावरण,पहाड़, पठार, रेगिस्तान आदि कुदरत का हर–स्वरुप बहुत शक्तिशाली है। जो हमारा पालन पोषण करने के साथ ही नाश करने की क्षमता भी रखता है। आज के दिनों मे सभी के पास प्रकृति का आनन्द उठाने का कम समय है। बढ़ती भीड़ में हम प्रकृति का सुख लेना और अपने को स्वस्थ रखना भूल ही गये है हम शरीर को फिट रखनें के लिए तकनीकी का प्रयोग करने लगे है। जबकि ये बिल्कुल सत्य है कि प्रकृति हमारा ध्यान रख सकती है। बहुत सारे लेखक अपने लेख में प्रकृति के फायदे और उसकी सुंदरता का गुण–गान कर चुके हैं। प्रकृति के पास ये क्षमता है कि वो हमारे दिमाग को चिंता मुक्त रखे और बीमारियों से बचाये।

मानव जाति के जीवन में तकनीकी उन्नति के कारण हमारी प्रकति का लगातार ह्रास हो रहा है। जिसे संतुलित और प्रकृतिक सम्पति को संरक्षित रखने के लिए उच्च स्तर कि जागरुकता की जरुरत है।

ईश्वर ने सब कुछ सुन्दरता से देखने के लिए बनाया है। जिससे हमारी आँखे कभी नहीं थक सकती है। लेकिन हम भूल जाते है, कि मानव जाति और प्रकृति के बीच के रिश्ते को लेकर हमारी भी कुछ जिम्मेदारी है। जब चिड़ियों के गाने, नदी, तालाब की आवाज, हवा और एक लम्बे दिन के दबाव के बाद बगीचे मे शाम के समय दोस्तों के साथ खुशनुमा पल बिताते है। लेकिन हम अपने पारिवारिक जिम्मेदारियों के चलते प्रकृति की खूबसूरती का आंनद लेना भूल चुके हैं।

मानव जाति के जीवन में तकनीकी उन्नति के कारण हमारी प्रकृति का लगातार ह्रास हो रहा है। जिसे संतुलित और प्राकृतिक सम्पत्ति को संरक्षित रखने के लिए उच्च स्तर की जागरुकता की जरुरत है।

कई बार छुट्टियों में हम अपना सारा दिन *T.V*, न्यूज पेपर, कम्प्यूटर और खेलों में खराब कर देते है,लेकिन हम भूल जाते है, कि दरवाजे के बाहर प्रकृति की गोद में भी बहुत कुछ रोचक है। हम बिना जरुरत के भी घर की सभी लाईटों को जलाकर रखते है। हम बेमतलब बिजली को जलाकर रखते है, जो ग्लोबल वार्मिग को बढ़ावा देता है। हमारी दूसरी गतिविधि जैसेः–पेड़ और जंगलो की कटाई से CO_2 गैस की मात्रा में वृद्धि होती है और ग्लोबल वार्मिगं का कारण बनती है। अगर हमें हमेशा खुश और स्वस्थ रहना है तो हमे स्वार्थी और गलत कार्यो को रोकने के साथ–साथ हमारे गृह को बचाना होगा और इस सुन्दर प्रकृति को अपने लिए बेहतर करना होगा । पारिस्थितिकीय तंत्र को संतुलित करने के लिए हमें पेड़ो और

जंगलो की कटाई रोकनी होगी, ऊर्जा और जल का संरक्षण करना होगा आदि। अंत में **प्रकृति** के असली उपभोक्ता हम हैं, तो हमें ही इसका ध्यान रखना चाहिए।

पर्यावरण को स्वच्छ बनाएं
पेड़ न काटे न कटवांए।
सफाई हम सब करें हमेशा
जोड़कर एक–एक पैसा
सुन्दर–सुन्दर गमले उगाए।
कूड़ा–कचरा नहीं करें हम
मिटा गंदगी फिर लें दम
स्वच्छ भारत की योजना बनाएं
स्वच्छता का त्यौहार मनाए।

हर्षाली निम्भोरे
IV सेमेस्टर

जीवन एक संघर्ष

जीवन में खुशियाँ कम एवं परेशानियाँ अधिक होती है जो लोग ऐसा सोचते है, वो अपनी जिंदगी को एक सजा एक बददुआ मानने लगते हैं। ऐसी बातें केवल इन लोगों पर लागू होती हैं, जो डरपोक होते है। और जो यह जानते हुए की कठिनाइयाँ हमारे जीवन का एक हिस्सा है, अपनी आँखे इस सच्चाई की तरफ से मूंद लेते है, ऐसे लोगों को आप कभी प्रार्थना करते हुए सुनिये तो वे ईश्वर से यही प्रार्थना करते मिलेंगे की प्रभु हम पर कभी कोई मुश्किल ना आए। सामने कभी कोई चुनौती ना खड़ी हो, हमें हर समस्या से छुटकारा मिले इत्यादि पर यह सोच एकदम गलत है। सच्चाई इसके एकदम विपरीत है। जीवन एक संघर्ष है व कठिनाइयाँ इसका जरुरी अंग। हम जब भी प्रार्थना करें, इबादत करें या ईश्वर से कोई वरदान माँगे तो यही माँगे , मुसीबत चाहे कैसे भी आए समस्या चाहे कितनी ही बड़ी क्यों न हो, हे भगवान! हममें शक्ति हो इसका सामना करने की, काबिलियत हो उससे निपटने की, हममें हौसला हो, इस मुसीबत को हराकर कामयाब होने का संघर्ष में ही जीवन का सत्य छिपा है। कहा गया हैः–

राजकण को बिना चूमे, कंचन है मिला किसको
कांटे में बिना घूमें, मघुबन है मिला किसको।
तू देखकर कुछ मुश्किल, क्यों हार गया हिम्मत।
देहरी को बिना लाँघे, आँगन है मिला किसको।।

देवांशु सिंह
II सेमेस्टर

"नारी के पास जो शक्ति है, उसकी ना कोई अभिव्यक्ति है"

वे हर रंग में ढ़लती है, साथ में सबके चलती है।
नारी के पास जो शक्ति है, उसकी ना कोई अभिव्यक्ति है।।
वो सूरज से तेज रखती है, और चन्द्रमा की शीतलता रखती है।
नारी के पास जो शक्ति है, उसकी ना कोई अभिव्यक्ति है।।
वो माँ की ममता रखती है, और देवी सी चमकती रहती है।
नारी के पास जो शक्ति है, उसकी ना कोई अभिव्यक्ति है।।
वो तितली सी बागों में घूमती है, और बाज सी बादलो पे उड़ती है।
नारी के पास जो शक्ति है, उसकी ना कोई अभिव्यक्ति है।।
वो फूल सी कोमलता रखती है, और काँटो की चुभन रखती है।
नारी के पास जो शक्ति है, उसकी ना कोई अभिव्यक्ति है।।
उसकी छवि निराली है, जैसे जिसने ढ़ाली है।
नारी के पास जो शक्ति है, उसकी ना कोई अभिव्यक्ति है,
उसकी ना कोई अभिव्यक्ति है।।

दीप्ति कूलवाल
IV सेमेस्टर

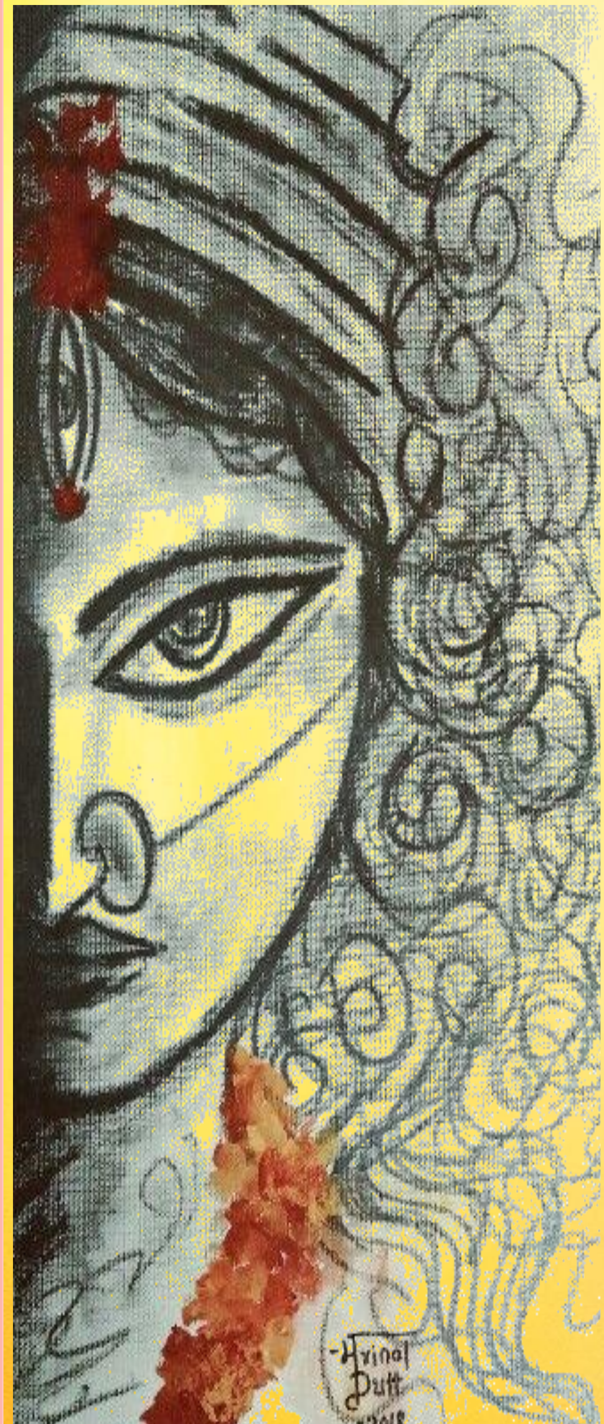

विश्वास ही जीत

हम जितनी मेहनत करते हैं, उसका प्रतिफल हमें किसी न किसी रूप में अवश्य मिलता हैं कुछ व्यक्ति इस बात पर विश्वास करते हैं कि मेहनत कभी बेकार नहीं जाती और अपने लक्ष्य की प्राप्ति के लिए तब तक प्रयास करते रहते हैं, जब तक की लक्ष्य को प्राप्त नहीं कर लेते हैं | सारा खेल विश्वास का ही है| विश्वास पत्थर को भगवान बना सकता हैं और अविश्वास भगवान के बनाये हुए इन्सान को पत्थर दिल बना सकता है |

"जिन्हें हम शिक्षक कहते हं"

एक इंसान ही हैं वो भी
जिन्हें हम शिक्षक कहते हैं।
शिक्षा का दीप जलाने वाला,
ज्ञान का प्रकाश फैलाने वाला,
जीवन में राह दिखाने वाला,
हमें सच्चा इंसान बनाने वाला ,
एक इंसान ही है वो भी
जिन्हें हम शिक्षक कहते है।
राष्ट्र को ज्ञान सिखाने वाला
राष्ट्र का भविष्य बनाने वाला।
राष्ट्र भक्ति सीखने वाला ,
राष्ट्र मजबूत बनाने वाला
एक इंसान ही है वो भी
जिन्हें हम शिक्षक कहते हैं।
संघर्ष जीवन भर करने वाला,
सदा दीपक सा जलने वाला,
हम शत् बार प्रणाम उन्हें करते हैं।
एक इंसान ही है वो भी
जिन्हें हम शिक्षक कहते हैं।

श्वेता पाण्डे
II सेमेस्टर

सोलह संस्कार

सोलह संस्कार यह प्राचीन भारतीय पारिवारिक जीवन का एक महत्व पूर्ण अंग था। स्मृतियों में संस्कारों की कुछ सोलह बतायी गई है। इनमें से अनेकों का पालन आज भी किया जाता है। अंग्रेजी में संस्कार के लिए *ceremony rite* तथा *saerament* शब्दों का प्रयोग किया जाता है। "संस्कार" धार्मिक विधि–विधान अथवा वह कृत्य जो आंतरिक तथा अध्यात्मिक सौन्दर्य का बाह्य तथा दृश्य प्रतीक माना जाता है।

हिन्दू संस्कार ग्रंथ में अनेक प्रांरभिक विचार धार्मिक विधि विधान उनके सहवर्ती नियम तथा अनुष्ठान भी सम्मिलित है, जिनका उद्वेश्य केवल औपचारिक, दैहिक संस्कार ही न होकर व्यक्ति के सम्पूर्ण व्यक्तित्व का परिष्कार–शुद्धि एवं पूर्णता भी है। हिन्दू समाज में यह विश्वास किया जाता रहा है कि संस्कारों को सम्पन्न किये बिना व्यक्ति अपने जीवन में पूर्णता प्राप्त नहीं कर सकता। ये संस्कार व्यक्ति के सामाजिक सांस्कृतिक विकास की प्रक्रिया से जुड़े होने के कारण हिन्दू समाज में विशेष महत्वपूर्ण माने जाते हैं।

हिन्दू जीवन से सम्बद्ध मुख्य सोलह संस्कार इस प्रकार है→

1. **गर्भाधान→** जिस कर्म द्वारा गर्भ का आधान अर्थात् स्थापन किया जाता है वही गर्भाधान संस्कार है। यह संस्कार परिवार की निरंतरता को बनाये रखने के लिए आवश्यक है, ताकि वह पितृ–ऋण से मुक्त हो सके। प्राचीन काल में साधारणः प्रत्येक कार्य को धार्मिक कृत्य समझा जाता था और इसी कारण गर्भा–धान की दृष्टि से किये जाने वाले सहवास के समय भी वैदिक मंत्रों का उच्चारण किया जाता था। पुत्री की अपेक्षा पुत्र का विशेष महत्व होने के कारण गर्भाधान संस्कार के समय में इस पर विशेष जोर दिया गया है।
2. **पुंसवन→** इस संस्कार का गर्भाधान से घनिष्ठ संबंध रहा है। इस का उद्वेश्य पुत्र संतान की प्राप्ति रहा है। युद्ध एंव धार्मिक कार्यो के सम्पादन के लिए पुरुषों का महत्व होने के कारण ही पुत्रों के जन्म की विशेष कामना की जाती थी। आश्वालयन गृहय सूत्र में बताया गया है, कि इस संस्कार को गर्भाधान के तीसरे माह में करना चाहिए जबकि उसका कोई निश्चित रुप हो जाता है। इसमें इसकी तीन विधियाँ भी बताई गई है→(1) मंत्रोच्चारण,(2) औषधि प्रयोग और(3) धार्मिक प्रयास। इन विधियों में होम (हवन) दधिप्राशन(दही पीना) नस्तविधि (नाक के द्वारा औषधि प्रयोग,स्पर्शण(पेट छूना) अग्नि प्रदक्षिरणा (आग के चारों और घूमना) माला धारण और कर्मपीठ आते है।
3. **सीमान्तोन्नयन→** सीमान्त(मांग) का उन्नयन (ऊपर उठाया जाना) ही सीमान्तोन्नयन है। इस संस्कार में गर्भिणी स्त्री के केशों को ऊपर उठाया जाता था। ऐसा माना जाता था कि गर्भिणी पर अनिष्ठकारी या दुष्ट शक्तियों का कुप्रभाव पड़ सकता है।ऐसे किसी अमराल की संभावना को टालने के लिए यह संस्कार किया जाता रहा है। इस संस्कार का एक प्रयोजन माता के ऐश्वर्य एंव अनुत्पन्न शिशु के लिए दीर्घायुष्य की कामना करना भी था।

4. **जातकर्म→** यह संस्कार बालक के जन्म लेने के ठीक पश्चात् किया जाता है। इस संस्कार का उद्देश्य बालक के दीर्घायु की कामना करना और उसे अनिष्ट कारिणी शक्तियों से बचाना है। इसका एक उद्देश्य स्वच्छता एवं पवित्रता बनाये रखना भी है । बालक के जन्म के तुरंत बाद पिता अपनी तर्जनी(चौथी अंगुली) एंव सोने की शलाका से शिशु को शहद और घी अथवा केवल घी चटाता है। इस कर्म को मेघाजनन भी कहा जाता है।
5. **नामकरण→** जन्म के दसवें या बारहवें दिन बच्चे का नाम रखा जाता है। इस संस्कार के समय माता बालक को शुद्ध वस्त्र से ढककर एवं उसके सिर को जल से गीला कर पिता की गोद में देती है। इसके पश्चात् प्रजापति, तिथि नक्षत्र एवं उनके देवताओं, अग्नि तथा सोम की आहुतियाँ दी जाती है। तत्पश्चात् पिता शिशु के दाहिने कान की ओर झुकता हुआ उसके नाम का उच्चारण करता है।
6. **निष्कृमण→** निष्कृमण का शाब्दिक अर्थ है, बाहर जाना। इस संस्कार के अंतर्गत जन्म के तीसरे या चौथे महिने बालक को सूर्य और चन्द्र की रोशनी दिखाई जाती है और वह घर के बाहर लाया जाता है। इस संस्कार के सम्पादन के समय के संबंध में मनुस्मृति में बताया गया है कि यह समय जन्म के पश्चात् बारहवें दिन से चतुर्थ मास तक भिन्न–भिन्न था।
7. **अन्नप्राशन→** पाँचवें या छटे महीने में जब बालक के प्रायः दाँत निकल आते है तब उसे उबला हुआ अन्न खिलाया जाता है। इसमें वह दही मधु,घी, चावल, आदि खिला सकते हैं। इस संस्कार के पूर्व शिशु अपने भोजन के लिए माता के दूध या गाय के दूध पर निर्भर रहता था। जब उसकी पाचन शक्ति बढ़ जाती है और उसके शरीर के विकास के लिए पौष्टिक तत्वों की आवश्यकता पड़ती है, तब बालक को प्रथम बार अन्न दिया जाता है।
8. **चूड़ाकर्म→** इसमें पहली बार बालक के सिर के बाल उतारे जाते हैं। यह कार्य जन्म से एक वर्ष या तीन वर्ष बाद या परिवार की परम्परा के आधार पर और बाद में हो सकता है। चरक का विचार है कि केश श्मश्रु एंव नखों के काटने एवं प्रसाधन से पौष्टिकता बल आयुष्य, शुचिता और सौन्दर्य की प्राप्ति होती है। इस संस्कार के पीछे स्वास्थय एवं सौन्दर्य की भावना ही प्रमुख थी। पहले यह घर पर होता था, किंतु बाद में देवालयों में होने लगा।
9. **कर्णवेध (कान छेदना)→** आरम्भ में अलंकरण के लिए कर्णवेध का प्रयोग होता था, किंतु बाद में इसे धार्मिक रुप दिया गया। सुश्रुत की मान्यता है कि रोग आदि से रक्षा एंव भूषण या अलंकरण के लिए बालकों के कानों का छेदन करना चाहिए। पहले के समय में कर्णवेध के लिए प्रायः सुनार को आमंत्रित किया जाता था। इसके लिए सोने, चाँदी और लोहे की सुई का व्यवहार होता था।
10. **विद्यारम्भ→**यह एक शैक्षिक संस्कार है, जिसका उल्लेख अक्षरा, अक्षर लेखन आदि नामों से भी हुआ है। जब बालक का मस्तिष्क शिक्षा ग्रहण करने योग्य हो जाता है, तब शिक्षा का आरम्भ विद्यारम्भ संस्कार के साथ किया जाता था तथा उसे अक्षर सिखाए जाते थे। इस संस्कार का प्रारम्भ करीब

सातवीं शताब्दी में हुआ। इसे बालक की आयु के पाँचवे वर्ष में किया जाता था। आजकल तीन वर्ष की आयु में ही अक्षरारम्भ कर देते है, जो कि मनोवैज्ञानिक दृष्टि से उचित नहीं कहा जा सकता है।

11.उपनयन→ इसका शाब्दिक अर्थ है पास (उप), ले जाना (नयन)। अथर्व वेद में उपनयन शब्द का प्रयोग ब्रह्मचारी को वेद विधा में दीक्षित करने से है। अतः इसे दीक्षा–संस्कार भी कहा जाता है। कैशोर्य के पर्दापण के अवसर पर उपनयन संस्कार का आयोजन किया जाता था। संस्कृतिक दृष्टि से इसका बड़ा महत्व था। गुरु के यहाँ अनुशासित जीवन बिताकर वह साहित्य और संस्कृति के विषय में जानकारी प्राप्त करता था। हिन्दुओं में ही नहीं अपितु अन्य जातियों तथा धर्मो में भी कुछ इसी प्रकार का विधान था।

मनुस्मृति के अनुसार विभिन्न वर्णो के उपनयन की विभिन्न आयु होती है। उपनयन के पश्चात् ही बच्चे का दूसरा जन्म होता था। और वह द्विज कहलाता था। बिना उपनयन के व्यक्ति शुद्ध नहीं होता था। इस संस्कार में तीन बातें प्रमुख हैं– विद्यार्थी व्रत का पालन, सावित्री मंत्र को याद करना और समिधा को मंत्रोच्चारण के साथ अग्नि में छोड़ना। कालान्तर में शिक्षा के अर्थ में इसका अर्थ लुप्त हो गया। उपनयन को जनेऊ (*thread ceremony*) भी कहा जाने लगा, जिसमें बालक को यज्ञोपवीत(जनेऊ) पहनाया जाता है।

12.समावर्तन→विद्याध्ययन के बाद जब ब्रह्मचारी घर लौटता है, उस समय यह संस्कार किया जाता था। यह गुरु के आश्रम (गुरुकुल) में ही सम्पन्न होता था। इस संस्कार का एक महत्वपूर्ण अंश स्नान होता था। स्नान विद्यार्थी के द्वारा विद्यारुपी सागर को पार करने का प्रतीक था। इस स्नान के पश्चात् ही वह स्नातक कहलाता था। आज के उपाधिकारी व्यक्ति के लिए प्रयुक्त स्नातक शब्द का सांस्कृतिक संदर्भ यही है। विदाई के समय इन्हें मार्मिक उपदेश दिये जाते थे। यह एक प्रकार का दीक्षान्त समारोह होता था। गुरु से विदा लेते समय उसे अपने सामर्थ्य के अनुसार गुरु दक्षिणा देनी पड़ती थी।

13.विवाह→हिन्दू संस्कारों में विवाह का अत्यंत महत्वपूर्ण स्थान है। विवाह के माध्यम से व्यक्ति गृहस्थाश्रम में प्रवेश करता है। विवाह करके वंश परम्परा को बनाये रखने के लिए शपथ लेता है और उसके लिए प्रयासशील होता है। हिन्दू विवाह को एक धार्मिक संस्कार माना गया है, न कि मात्र सामाजिक समझौता। विवाह के प्रमुख अनुष्ठानों में वाग्दान, वरवरण, कन्या दान, विवाह होम, हृदय स्पर्श, सप्तपदी आदि माने गये है।

14.वानप्रस्थ→ लगभग 50 वर्ष की आयु में गृहस्थी के कर्तव्यों को समाप्त करने के पश्चात् मनुष्य वन की ओर प्रस्थान करता था। प्रस्थान करते समय यह संस्कार किया जाता था।

15. सन्यास→ लगभग 75 वर्ष की आयु में प्रवेश करने पर यह संस्कार किया जाता था।

16.अंत्येष्टि→हिन्दू के जीवन का अंतिम संस्कार अंत्येष्टि है, जिसे देहावसना के पश्चात् शव को जलाकर किया जाता था। शव–व्यवस्था के लिए दाह–क्रिया अधिक प्रचलित थी, किंतु जल निखात(पानी में बहा देना) भूमिखात(जमीन में गाड़ना) की भी जानकारी पुराने ग्रंथों में मिलती है।

अर्चना सिंह तोमर
सहा. प्राध्यापक

जरा सोच समझकर

लोग एक दूसरे से कहते हैं, जरा सोच समझकर काम करना। यह एक मुहावरा हो गया हैं । इसे बार–बार सुनने पर ऐसा लगता हैं, कि सोचना और समझना एक ही मानसिक क्रिया के दो पहलू हैं। हम सोचने की क्रिया के साथ समझने को भी लपेट लेते हैं। लेकिन सयानों से पूछें, तो वे कहते हैं, ये दो बिल्कुल अलग बातें हैं। इन दोनों में इतना ही फर्क हैं, जितना कि देखना और अंधेरे में टटोलने में होता हैं। ओशो ने इन दोनों में बड़ा फर्क बताया है। वह कहते हैं कि सोचना, समझ का अभाव है। हम सोचते ही इसलिए हैं, क्योंकि हम समझते नहीं। जब समझ आती है, तो सोचना विदा हो जाता है। सोचने में विचार अंदर ही अंदर घूमते रहते हैं। सोचने में अनुमान होता है, तर्क होता है, फिर भी सही- गलत का पता नहीं चलता।

सोचने में प्रश्न पैदा होते हैं, पर उत्तर नहीं मिलते। समझ के साथ कोई प्रश्न नहीं, बल्कि उत्तर है। क्योंकि समझ ह्रदय में पैदा होती है, जैसे अंधेरे में एक दिया जल गया, अचानक रोशनी हो गई और चीजें साफ हो गई। समझ ध्यान से पैदा होती है। ध्यान की ऊर्जा आपको अपने भीतर गहरे ले जाती है और आप उस जगह पहुँचते हैं, जहाँ समझ का सरोवर होता है, एक शीतल स्त्रोत। वहाँ से जो बुलबुला उठता है, वह है समझ ।

समझ को जगाने के लिए रोज कुछ समय अपने साथ शांत होकर बैठना होगा। अकेले में चुपचाप, बिना किसी तनाव के, फिर आंखे बंद करके अपने भीतर डुबकी लगाने की कोशिश करें। जैसे- जैसे मौन घना होगा, आप पाएंगे कि कोई रोशनी सी उठ रही हैं। यह जो मौन केंद्र हैं, यही हैं समझ का स्थान।

पलक बेरछा
सहा. प्राध्यापक

टीचर गोलू से- पांच में से पांच घटाने पर कितने बचेंगे ?

गोलू – पता नहीं मैडम.

टीचर- अगर तेरे पास 5 भटुरे है, और में 5 भटुरे तुमसे मै ले लूँ तो तुम्हारे पास क्या बचेगा ??

गोलू- .....छोले।

"जिंदगी गुलामी में नहीं "

सफर में धूप तो बहुत होगी तप सको तो चलो
भीड़ तो बहुत होगी नई राह बना सको तो चलो।
माना की मंजिल दूर है, एक कदम बढ़ा सको तो चलो,
मुश्किल होगा सफर भरोसा है, खुद पर तो चलो।
हर पल हर दिन रंग बदल रही जिंदगी
तुम अपना कोई नया रंग बन सकों तो चलो।
राह मे साथ नही मिलेगा अकेले चल सकों तो चलो,
जिंदगी के कुछ मीठे लम्हें बुन सको तो चलो।
महफूज रास्तों की तलाश छोड़ दो धूप में तप सको तो चलो,
छोटी–छोटी खुशियों में जिंदगी ढूंढ सको तो चलो ।
यही है जिन्दगी कुछ ख्वाब चन्द उम्मीदों ,
इन्ही खिलौनों से तुम भी बहल सको तो चलो।
तुम ढूँढ रहे हो अंधेरों मे रोशनी , खुद रोशन कर सको तो चलो,
कहाँ रोक पायेगा रास्ता कोई जूनुन बचा है तो चलो।
जलाकर खुद को रोशनी फैला सको तो चलो,
गम सहकर खुशियाँ बांट सको तो चलो।
खुद पर हँसकर, दूसरों को हँसा सको तो चलो,
दूसरों को बदलने की चाह छोड़कर, खुद बदल सको तो चलो।

दिव्या यादव
II सेमेस्टर

सांस्कृतिक एवं वार्षिक गतिविधियाँ

मेंहंदी प्रतियोगिता के प्रतिभागी

सामूहिक नृत्य का अभ्यास

देवी अहिल्योत्सव पर आयोजित कार्यक्रम में विद्यार्थी एवं शिक्षकगण

आर्ट एवं क्राफ्ट कार्यशाला का प्रशिक्षण देते हुए श्रीमति प्रेमलता शर्मा

राखी मेकिंग कार्यशाला में प्राचार्य एवं निर्णायक गण

इको फ्रेडंली गणेश प्रतिमा मे ं ट्रेनिंग देते हुए सहा. प्राध्यापक कीतिं यादव

रांगोली प्रतियोगिता के दौरान रांगोली बनाते हुए प्रतिभागी

सांस्कृतिक एवं वार्षिक गतिविधियाँ

मुंशी प्रेमचंद जयंती पर आयोजित कार्यक्रम

श्री गुरूनानक देवजी की जयंती पर पंजाबी धर्म की सांस्कृतिक जानकारी देते हुए स.प्रा. डॉ. सिध्दि सूद

प.जवाहरलाल नेहरू की जयंती पर आयोजित कार्यक्रम में उपस्थित अतिथिगण

दीपावली पर लक्ष्मीपूजन करते हुए चेअरमेन श्री निलेश भाई पटेल, प्राचार्य डॉ. किरण दम्मानी

वृक्षारोपण कार्यक्रम

वृक्षारोपण करते हुए श्री जयेन्द्रभाई पटेल, डॉ, किरण दम्मानी एवं शिक्षकगण

वृक्षारोपण करने की शपथ लेते हुए श्री जयेन्द्रभाई पटेल, डॉ, किरण दम्मानी, शिक्षकगण एवं विद्यार्थी

सांस्कृतिक एवं वार्षिक गतिविधियाँ

वार्षिकोत्सव में पधारे गणमान्य अतिथिगण

वार्षिकोत्सव में डॉ. अनिल शर्मा, रजिस्ट्रार को बेज लगाते हुए सहा. प्रा. अर्पणा रघुवंशी

वार्षिकोत्सव में श्री नवनीतभाई एफ. पटेल को बेज लगाते हुए सहा. प्रा. पलक बेरछा

समूह नृत्य की प्रस्तुति देते हुए महाविद्यालय की छात्राएं

एकल नृत्य की प्रस्तुति देते हुए छात्रा हिमानी कल्याणी

एकल नृत्य की प्रस्तुति देते हुए छात्रा जागृति सोनी

वार्षिकोत्सव ' रंगतरंग ' का आनंद लेते हुए छात्राएं

लज़ीज़ व्यंजनों का लुफ्त लेते हुए शैक्षणिक व अशैक्षणिक स्टॉफ

खेलकूद गतिविधियाँ

खेलकूद प्रतियोगिता का शुभारंभ करते हुए प्राचार्य डॉ. किरण दम्मानी एवं शिक्षक गण

विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए सहा. प्राध्यापक पलक बेरछा

विभिन्न खेलों में भाग लेते हुए शिक्षक प्रशिक्षणार्थी

चेअरमेन श्री जयेन्द्रभाई पटेल, प्राचार्य, शिक्षकगण तथा विद्यार्थी

चेअरमेन श्री जयेन्द्रभाई पटेल सितौलिया खेलते हुए

क्रिकेट टीम के कप्तान हाथ मिलाते हुए

छात्राएं सितौलिया खेलते हुए

खेलकूद गतिविधियाँ

खेल में खुशी प्रदर्शित करते हुए छात्राएँ

चेअर रेस खेलते हुए छात्राएँ

कैरम खेलते हुए विद्यार्थी

रस्सी कूद प्रतियोगिता के प्रतिभागी

अंताक्षरी प्रतियोगिता का आनंद लेते हुए प्रतिभागी

वार्षिक पत्रिका विमोचन

वार्षिक पत्रिका यूफोरिया 2018–19 का विमाचेन करते हुए श्री पंकज संधवी, श्री किशोरभाई जे. दोशी, श्री प्रदीपभाई शाह, श्री दीपकभाई मोदी एवं समस्त व्यवस्थापक समिति के सदस्य

पुरस्कार वितरण समारोह

दीप प्रज्जवलित करते हुए श्री दीपक भाई जेठवा, श्री जयेन्द्र भाई पटेल, डॉ. किरण दम्मानी, प्राचार्य एवं अतिथि

अतिथियों से पुरस्कार प्राप्त करते हुए विद्यार्थी

भारतीय संस्कृति ज्ञान परीक्षा के प्रतिभागी एवं अतिथिगण

श्री दीपक भाई जेठवा से ट्रॉफी एवं प्रमाण पत्र प्राप्त करते हुए विद्यार्थी मनीषा वर्मा

श्री दीपक भाई जेठवा एवं श्री जयेन्द्र भाई पटेल से ट्रॉफी प्राप्त करते हुए विद्यार्थी सीमा पालीवाल

भारतीय संस्कृति ज्ञान परीक्षा के प्रमाण पत्र प्राप्त करते हुए सहा. प्राध्यापक अर्चना तोमर एवं सहा. प्राध्यापक पलक बेरछा

अतिथियों, प्राचार्य एवं शिक्षकों के साथ विद्यार्थियों का सामूहिक फोटो

पूर्व चेयरमेन सर का विदाई समारोह व नए चेयरमेन सर का स्वागत समारोह

श्री मुकेश भाई पटेल, व्यवस्थापक समिति के सदस्य गण एवं प्राचार्य द्वारा दीप प्रज्वलन

मंच पर विराजमान श्री मुकेश भाई पटेल एवं व्यवस्थापक समिति के सदस्य एवं प्राचार्य

पुष्पगुच्छ द्वारा श्री मुकेश भाई पटेल का स्वागत करते हुए डॉ. किरण दम्मानी, प्राचार्य

पुष्पगुच्छ द्वारा श्री मुकेश भाई पटेल का स्वागत करते हुए डॉ. किरण दम्मानी, प्राचार्य

श्री मुकेश भाई पटेल के साथ पूर्व चेअरमेन श्री जयेन्द्र भाई पटेल एवं वर्तमान चेअरमेन श्री निलेश भाई पटेल

श्री जयेन्द्र भाई पटेल, पूर्व चेअरमेन को पौधा देते हुए प्राचार्य डॉ. किरण दम्मानी

बी.एड. भवन में पूजा कार्यक्रम

बी. एड. भवन में पूजा करते हुए श्री किशोरभाई जे. दोशी एवं श्री प्रदीपभाई शाह, श्री दीपकभाई मोदी एवं अन्य अतिथिगण

स्कूल इर्न्टनशीप प्रतिवेदन

डॉ. आरती शाक्य
सहायक प्राध्यापक

बी.एड दो वर्षीय पाठ्यक्रम के तृतीय सेमेस्टर में स्कूल इर्न्टनशीप का एक पेपर है। जिसमें पाठ्यक्रम के अनुसार 16 सप्ताह की प्रेक्टिस टीचिंग और स्कूल इर्न्टनशीप है। जिसमें विद्यार्थियों को स्कूल महाविद्यालय द्वारा नांमाकित किए जाते है। विद्यार्थी स्कूल में ही रहकर स्कूल से संबंधित समस्त कार्य सीखता है तथा साथ में प्रत्येक विद्यार्थी अपनी मेथड से संबंधित 20–20 पाठ्योजना का प्रस्तुीकरण करता है। यह इर्न्टनशीप से विद्यार्थी स्कूल से संबंधित समस्त कार्य व अध्यापन कार्य में पारंगत हो जाता है। जिससे भविष्य में विद्यार्थी को स्कूल में नौकरी करने में कोई समस्या नहीं आती है। परंतु मार्च 2020 में जब कोरोना बीमारी के कारण पूरे भारत में सम्पूर्ण लॉकडाउन की घोषणा हुई, तब हमारे सामने विद्यार्थियों को स्कूल इर्न्टनशीप कराने की बड़ी चुनौती थी। फिर हमारे महाविद्यालय की प्राचार्य, डॉ. किरन दम्मानी के परामर्श अनुसार Google Meet App पर विद्यार्थियों के Method से संबंधित Online पाठ्योजना का प्रस्तुतीकरण लिया गया। जिसमें महाविद्यालय के समस्त शिक्षकों के विषयवार समूह का निर्माण कर प्रेक्टिस टींचिग का कार्य पूर्ण किया गया। परंतु Online कक्षाओं में कुछ विद्याथियों को Internet की समस्या होने के कारण वह विद्यार्थी कक्षा में प्रस्तुतीकरण नहीं कर पा रहा था। इस समस्या के निराकरण के लिए महाविद्यालय का You Tube Channel बनाया गया, जिसका नाम Gujarati B.Ed. College Indore रखा गया। जिसमें वह विद्यार्थी जो ऑनलाइन कक्षा का लाभ नहीं ले पा रहे थे या जिनको INTERNET की समस्या थी, वह विद्यार्थी भी You tube channel में महाविद्यालय द्वारा Upload की गई पाठ्योजना को अपने समयाअनुसार कभी भी देख सकता था। इस प्रकार विद्यार्थियों को कोरोना काल में भी प्रेक्टिस टींचिग करवाई गई तथा स्कूल इंटर्नशीप के अंतर्गत यह बताया गया कि कौन–कौन से रजिस्टर, प्रपत्र स्कूल में बनाए जाते है तथा स्कूल में शिक्षक को पढ़ाने के साथ–साथ और अन्य कौन–कौन से कार्य करने पड़ते है।

इसके पश्चात् 2021 में इर्न्टनशीप श्री गुजराती समाज, इंदौर के विद्यालयों तथा अन्य विद्यालयों में विद्यार्थियों द्वारा की गई।

स्थापन प्रकोष्ठ प्रतिवेदन

भारती जादौन
सहायक प्राध्यापक

महाविद्यालय में स्थापन प्रकोष्ठ (Placement Cell) का गठन किया है, जिसमें निम्न सदस्य मनोनीत किए गए–

स.प्रा. भारती जादौन	– समन्वयक
स.प्रा. डॉ. आरती शाक्य	– सदस्य
कु. प्रेरणा अजमेरा	– छात्र प्रतिनिधि
श्रीमती भावना होलकर	– छात्र प्रतिनिधि

स्थापन प्रकोष्ठ द्वारा प्रथम सेमस्टर में ही विद्यार्थियों को Whats app पर एक समूह में जोड़ लिया जाता है। इन विद्यार्थियों के चतुर्थ सेमेस्टर में आने पर विभिन्न विद्यालयों में शिक्षकों की भर्ती से संबंधित विज्ञापन Whats app group में प्रेषित किए जाते हैं ताकि विद्यार्थी उन विद्यालियों में अपना बायोडाटा डाल सके।

सत्र 2018–20 एवं 2019–21 के लगभग 50 प्रतिशत विद्यार्थियों की जॉब तीरथबाई कलाचंद हा.से.विद्यालय, श्री देवी अहिल्या शिशु विहार उ.मा. विद्यालय, सेंट नारबर्ट स्कूल, के.बी. पटेल गुजराती कन्या विद्यालय, देहली पब्लिक स्कूल, श्री वैष्णव एकेडमी , सेंट मेरी कान्वेंट स्कूल , क्वींस कॉलेज , पिंक फ्लावर हा.से. विद्यालय, सेंट उमर हा.से. स्कूल, चोइथराम हा.से. स्कूल, ए.एम.एन इंग्लिश मीडियम स्कूल जैसे विद्यालयों में नियुक्त हुए है और अपनी सेवाएँ दे रहे हैं।

ग्रंथालय रिपोर्ट

श्रीमती अर्चना सोलंकी
ग्रंथपाल

"ग्रंथालय संसार एक पुस्तक हैं,लेकिन जो इसे नही पढ़ सकता उसके लिए व्यर्थ है।" ग्रंथालय को और अधिक समृद्ध बनाने के उद्देश्य से विभिन्न क्षेत्रों जैसे धार्मिक, अनुसंधान, नैतिक शिक्षा व अध्यापक शिक्षा से संबंधित पुस्तकें क्रय की गई।

पुस्तकें –सत्र **2020-2021** में नवीन पुस्तकें क्रय करने से पुस्तकों की संख्या 7053 से बढ़कर 7698 हो गई है।

जर्नल्स – ग्रंथालय में कुल 23 जर्नल्स आते हैं जिनका विवरण निम्न है –

- **शैक्षणिक जर्नल्स** – 16 (जिसमें 06 एन.सी.आर.टी. से प्रकाशित)
- **अन्य संकाय जर्नल्स** – 07
- **पत्रिकाएँ** – विद्यार्थियों को प्रतियोगी परीक्षा की तैयारी करने एवं उनके ज्ञान में वृद्धि करने के उद्देश्य से ग्रंथालय में निम्न पत्रिकाएँ मंगाई जाती हैं – अहा जिंदगी, सी.एस.आर, कम्प्यूटर संचार सूचना, पर्यावरण विकास, विज्ञान प्रगति, सेहत एवं सूरत ।

सुविधाएँ –

- विद्यार्थियों की आवश्यकता को ध्यान में रखते हुए जो पुस्तकें ग्रंथालय में नहीं थी या जिनकी प्रतियाँ कम हैं उनको मंगवाने हेतु विद्यार्थियों से मांगपत्र भरवाया जाता है। उसे ग्रंथालय समिति की बैठक में विचार हेतु प्रस्तुत किया जाता है, तत्पश्चात् समिति द्वारा अनुशंसित पुस्तकों को क्रय किया जाता है। नवीन पुस्तकों की सूचना विद्यार्थियों को सार्वजनिक रूप से दी जाती है।
- विद्यार्थी ई–सोर्स का अधिकतम उपयोग कर सकें, इस हेतु ग्रंथालय में चार कम्प्यूटर पर इंटरनेट सुविधा उपलब्ध कराई गई ।

तकनीकी सुविधाएँ –

- कैटेलागिंग – ए.ए.सी.आर.टू
- वर्गीकरण पद्धति – डी.डी.सी. 21वाँ एडिशन
- एक्सेस सिस्टम – ओपन एक्सेस सिस्टम
- इंटरनेट सुविधा
- फोटोकॉपी सुविधा
- लायब्रेरी सॉफ्टवेयर – SQL Orecal
- कोविड-19 (कोरोना वायरस) के कारण सरकार ने महाविद्यालयों में विद्यार्थियों के प्रवेश पर प्रतिबंध लगा रखा था। उस परिस्थिति में अति उपयोगी विषयवार पुस्तकों को स्केन कर उसकी पीडीफ बनाकर कर विद्यार्थियों को मेल की गई थी।

ग्रंथालय समिति –

- श्रीमती अर्चना सोलंकी – संयोजक
- सहा.प्रा. विनीता रायकवार – सदस्य
- सहा.प्रा. मीनू पाराशर – सदस्य
- मंजुला भोंसले – छात्र प्रतिनिधि

छात्रवृत्ति कमेटी का वार्षिक प्रतिवेदन

डॉ. आरती शाक्य
सहायक प्राध्यापक

भारत देश अत्यधिक संभावनाओं वाला देश है। भारत को युवाओं का देश कहा जाता है क्योंकि इसकी कुल आबादी का एक बड़ा भाग युवा आबादी है। ये युवा विद्यार्थी अपनी योग्यता एवं मेहनत से स्वयं का निर्माण कर सके इस हेतु सरकार एवं समाज द्वारा कई प्रकार की छात्रवृत्तियाँ, अनुदान, फ्री-शीप, प्रोत्साहन राशि प्रदान की जाती है, जो कि निम्न आर्थिक वर्ग के विद्यार्थियों को शैक्षिणिक विकास में सहायता प्रदान करती है। छात्रवृत्ति से विद्यार्थियों को निम्न लाभ प्राप्त होते है जैसे महाविद्यालयीन शिक्षा सुलभ एवं वहनीय हो जाती है, प्रतिभा को आकर्षित तथा बनाए रखना, जरूरतमंद विद्यार्थियों को सहायता प्रदान करना, विविधता को प्रोत्साहित करना। हमारे महाविद्यालय में संचालित छात्रवृत्ति विभाग से समय-समय पर विभिन्न योजनाओं एवं सुविधाओं हेतु आवेदन किया जाता है । सत्र 2019-20 , 2020-21 , 2021-22 के लिए सरकार एवं समाज की विभिन्न छात्रवृत्तियों एवं सुविधाओं का परिचय निम्न प्रकार है -

1. **पोस्ट मेट्रिक छात्रवृत्ति :** यह छात्रवृत्ति अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति एवं पिछड़ा वर्ग के विद्यार्थियों को शासन के नियमानुसार प्रदान की जाती है।

   अ. अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति : विद्यार्थियो ं के माता अथवा पिता / पालक की वार्षिक आय 3 लाख से अधिक न हो।

   ब. पिछड़ा वर्ग : विद्यार्थियों के माता/पिता/ पालक की वार्शिक आय 75 हजार से अधिक न हो।

   स. अल्पसंख्यक छात्रवृत्ति : शासन द्वारा अल्पसंख्यक समुदाय के विद्यार्थियों (मुस्लिम, जैन, पारसी, बौद्ध आदि) को यह छात्रवृत्ति प्रदान की जाती है। जिनके माता / पिता/ अभिभावक की वार्षिक आय 2 लाख से अधिक न हो।

   द. आवास भत्ता : अनुसूचित जाति/ अनुसूचित जनजाति की विद्यार्थियों को, जो किराए के मकान में अथवा छात्रावास में रहते है, उन्हें शासन द्वारा नियमानुसार आवास भत्ता स्वीकार किया जाता है।

2. **विकलांग छात्रवृत्ति :** शारीरिक रूप से अपंग विद्यार्थियों को शासन द्वारा नियमानुसार छात्रवृत्ति प्रदान की जाती है।
   आवश्यक जानकारी -

   - ➢ विद्यार्थियों की महाविद्यालय में 75 प्रतिशत उपस्थिति अनिवार्य है। तभी उन्हें स्वीकृत छात्रवृत्ति का भुगतान किया जावेगा।
   - ➢ छात्रवृत्ति हेतु विद्यार्थियों का स्वयं का बैंक खाता आधार से लिंक होना अनिवार्य है।
   - ➢ एक बार छात्रवृत्ति स्वीकृत होने पर अगले वर्ष छात्रवृत्ति नवीनीकरण हेतु आवेदन करना अनिवार्य है।
   - ➢ समस्त छात्रवृत्तियों के आवेदन पत्र " ऑनलाईन " भरकर फॉर्म की प्रति वांछित प्रमाण-पत्रों सहित छात्रवृत्ति विभाग में जमा किए जाते है।
   - ➢ छात्रवृत्ति स्वीकृत होने पर शासन द्वारा सीधे विद्यार्थियों के खाते में राशि जमा की जाती है।

शासन द्वारा प्रदान की गई छात्रवृत्ति का विवरण निम्नलिखित है : -

✓ **सत्र 2019-20 में शासन द्वारा प्रदत्त छात्रवृत्ति**

क्रं.	छात्रवृत्ति का प्रकार	लाभान्वित विद्यार्थियों की संख्या	राशि (रूपये में)
1.	अनुसूचित जाति	22	9,19,800/-
2.	अनुसूचित जनजाति	20	4,91,000/-
3.	पिछड़ा वर्ग	20	2,37,150/-

✓ **सत्र 2020-21 में शासन द्वारा प्रदत्त छात्रवृत्ति**

क्रं.	छात्रवृत्ति का प्रकार	लाभान्वित विद्यार्थियों की संख्या	राशि (रूपये में)
1.	अनुसूचित जाति	30	11,52,825/-
2.	अनुसूचित जनजाति	23	7,09,200/-
3.	पिछड़ा वर्ग	28	2,37,520/-

✓ सत्र 2021-22 में शासन द्वारा प्रदत्त छात्रवृत्ति

क्रं.	छात्रवृत्ति का प्रकार	लाभान्वित विद्यार्थियों की संख्या	राशि (रूपये में)
1.	अनुसूचित जाति	19	8,64,500/-
2.	अनुसूचित जनजाति	34	9,58,953/-
3.	पिछड़ा वर्ग	41	3,99,260/-

श्री गुजराती समाज द्वारा प्रदान की गई छात्रवृत्ति का विवरण निम्नलिखित है : -

✓ **सत्र 2019-20, 2020-21 तथा 2021-22 में श्री गुजराती समाज द्वारा प्रदत्त सुविधा**

सत्र्	छात्रवृत्ति का प्रकार	लाभान्वित विद्यार्थियों की संख्या	राशि (रूपये में)
2019-20	श्री गुजराती समाज, इंदौर द्वारा गुजराती विद्यार्थियों को अनुदान	06	95,000/-
2020-21		02	30,000/-
2021-22		16	2,40,000/-

"शिक्षा का उद्देश्य तथ्यों को सीखना नहीं होता है बल्कि शिक्षा का उद्देश्य दिमाग को प्रशिक्षित करना होता है।"

-अल्बर्ट आइन्स्टीन

|| श्रद्धांजलि ||

- दिनांक 24.03.2020 श्री सुरेशभाई पुरूषोत्तमभाई पटेल, पूर्व अध्यक्ष, श्री दिनेशभाई पटेल, दादुभाई पटेल, छोटे भाई पटेल
- दिनांक 17.05.2020 श्रीमती प्रमिलाबेन पति श्री कंचनलाल शाह, पूर्व अध्यक्ष श्री कंचनलाल शाह की पत्नी एवं श्री अल्केशभाई शाह, ट्रस्टी की माताजी
- 30.05.2020 श्री प्रकाशभाई शाह, व्यवस्थापक समिति सदस्य एवं श्रीमती स्मिताबेन प्रकाशभाई शाह की पत्नी (दोनों)
- 16.08.2020 श्रीमती विजयाबेन कामानी पति श्री सुमनभाई कामानी, ट्रस्ट बोर्ड ऑफ ट्रस्टी की माताजी श्री दिनेशभाई एवं दीपेशभाई कामानी की माताश्री
- 14.09.2020 श्री सुमनभाई कामानी, ट्रस्ट बोर्ड के सदस्य एवं श्री दिनेशभाई, दीपेशभाई कामानी के पिताश्री
- 12.10.2020 श्रीमती मनोरमाबेन सोनी, पूर्व अध्यक्ष एवं बोर्ड ऑफ ट्रस्टी श्री रमणीकलाल सोनी की पत्नी एवं व्यवस्थापक समिति के सदस्य श्री दीपकभाई सोनी की माताजी।
- 03.12.2020 श्रीमती चंदनबेन पटेल पति श्री महेन्द्रभाई पटेल, व्यवस्थापक समिति के सदस्य, श्री भावनेशभाई पटेल की माताजी।
- 08.12.2020 श्री किरणभाई शाह एवं महेन्द्रिकाबेन शाह, पूर्व व्यवस्थापक समिति के सदस्य एवं उनकी माताजी
- 23.12.2020 श्री विरल गोसलिया, व्यवस्थापक समिति के सदस्य श्री दिनेशभाईजी गोसलिया के भतीजे
- 02.01.2021 श्री हीरालालजी मेहता, ट्रस्ट बोर्ड के ट्रस्टी, श्री मनीषभाई मेहता के पिताश्री
- 21.01.2021 श्रीमती सुनन्दाबेन जैन, बोर्ड ऑफ ट्रस्टी श्री योगेशभाई जैन के काकाजी।
- 21.01.2021 श्रीमती शर्मिष्ठाबेन पंडया पति श्री विनोदाभाई पंडया, पूर्व अध्यक्ष श्री विनोदभाई पंडया की पत्नी श्री गुजराती समाज, इंदौर
- 09.03.2021 श्री सुभाषभाई पटेल पिता श्री ईश्वरभाई पटेल, पूर्व व्यवस्थापक समिति के सदस्य एवं ट्रस्ट बोर्ड ऑफ ट्रस्टी।
- 28.03.2021 श्री हसमुखभाई शाह, पूर्व व्यवस्थापक समिति सदस्य के बड़े भाई डॉ. श्री योगेशभाई शाह
- 06.04.2021 श्री मनोजभाई गणात्रा, श्री गुजराती समाज, इंदौर के बोर्ड ऑफ ट्रस्टी
- 10.04.2021 स्व. सरिताबेन मारू एवं श्री सुरेशभाई मारू, बोर्ड ऑफ ट्रस्टी श्री रमेशभाई की माताजी एवं छोटे भाई।
- 23.04.2021 श्री आशीषभाई पटेल पिता श्री जितेन्द्रभाई पटेल, बोर्ड ऑफ ट्रस्टी श्री गुजराती समाज, इंदौर
- 04.05.2021 श्री सूर्यकांतभाई चतुरभाई पटेल, पूर्व व्यवस्थापक समिति के सदस्य
- 09.05.2021 श्री अमृतलालजी ठक्कर, श्री व्यवस्थापक समिति के सदस्य श्री पंकजभाई ठक्कर के पिताजी
- 12.05.2021 श्री जिग्नेशभाई पटेल पिता श्री जगदीशभाई पटेल, पूर्व सदस्य बोर्ड ऑफ ट्रस्टीज श्री गुजराती समाज, इंदौर
- 05.06.2021 श्री मुकेशभाई कांतिभाई पटेल, उपाध्यक्ष श्री गुजराती समाज एवं बोर्ड ऑफ ट्रस्टीज के सदस्य श्री सुदीपभाई पटेल, बोर्ड ऑफ ट्रस्टी के पिताश्री
- 12.06.2021 श्री अतुलभाई पटेल पिता श्री अरविन्दभाई पटेल, ट्रस्ट बोर्ड ऑफ ट्रस्टी, श्री गुजराती समाज, इंदौर
- 01.08.2021 श्री हेमन्त भगवानदास टोपीवाला, ट्रस्ट बोर्ड ऑफ ट्रस्टी।
- 15.09.2021 श्री रमेशभाई पटेल, ट्रस्ट बोर्ड ऑफ ट्रस्टी श्री रूपेशभाई पटेल के पिताश्री
- 12.12.2021 श्री जयदेवभाई त्रिवेदी, पूर्व अध्यक्ष, श्री गुजराती समाज, इंदौर
- 13.12.2021 श्रीमती पुष्पाबेन शाह, व्यवस्थापक समिति के सदस्य, श्री जयंतिभाई शाह की माताजी
- 14.12.2021 श्रीमती मृदुलाबेन जवेरी, मानद् महामंत्री श्री पकंजभाई संघवी की बड़ी बहन
- 08.02.2022 श्री प्रभुदासभाई सोनी, पूर्व अध्यक्ष श्री रमणिकभाई सोनी के भाई एवं व्यवस्थापक समिति के सदस्य दीपकभाई सोनी के काकाश्री

आभार

किसी भी कार्य को अपने चरम उद्देश्य तक पहुंचाने के लिए अनेक सार्थक प्रयासों की आवश्यकता होती हैं | जिसके माध्यम से ही वह कार्य बेहतर तरीके से पूर्ण हो पाता हैं | वर्ष 2021-22 की वार्षिक पत्रिका **'यूफोरिया'** के प्रकाशन में गुजराती समाज के माननीय सदस्यों ओर विभिन्न संस्थाओं के शैक्षणिक एवं अशैक्षणिक सदस्यों द्वारा प्रत्यक्ष तथा अप्रत्यक्ष सहयोग प्राप्त हुआ | उनके प्रति हम ह्रदय से आभारी हैं –

- श्री गुजराती समाज, इंदौर के अध्यक्ष श्री नरेन्द्रभाई जी.पटेल एवं मानद महामंत्री व गुजराती समाज ट्रस्ट बोर्ड के अध्यक्ष श्री पंकजभाई संघवीजी के, जिन्होंने पत्रिका के संपादन मे हमारा मार्ग प्रशस्त किया तथा शुभकामना संदेश भी प्रेषित किया |
- श्री गुजराती समाज के समस्त पदाधिकारियों के, जिनका समय – समय पर महाविद्यालय को मार्गदर्शन प्राप्त हुआ |
- संस्था के चेयरमेन श्री दीपकभाई आर सोनी , प्राचार्या डॉ. किरण दम्मानी, समस्त प्राध्यापको व अशैक्षणिक स्टाफ के विशेष सहयोग एवं मार्गदर्शन के बिना पत्रिका का प्रकाशन संभव नहीं था |
- संस्था मे अध्ययनरत समस्त बी.एड़. शिक्षक – प्रशिक्षणार्थियों के जिन्होने पत्रिका हेतु स्वरचित एवं संकलित लेख प्रेषित किए |
- श्री गुजराती समाज कार्यालय मे कार्यरत समस्त स्टाफ के जिन्होने समय – समय पर समाज से संबन्धित जानकारी प्रदान कर सहयोग प्रदान किया |
- अंत मे उन सभी की आभारी हूँ जिन्होने पत्रिका के संपादन एवं प्रकाशन मे प्रत्यक्ष अथवा परोक्ष रूप से अपना सहयोग प्रदान कर मुझे अनुग्रहित किया |

सहा. प्रा. पलक बेरछा

सदस्य , पत्रिका समिति

News Corner

इंदौर सिटी

गुजराती समाज की छह संस्थाओं का एक दिवसीय गरबा महोत्सव

डोडिया...हींच से सनेड़ों ने जमाया रंग

इन्दौर। पंखिडा...रे... पंखिडा, मां काली रे...कल्याणी आदि पारम्परिक गरबों के साथ छात्राओं ने दो ताली, तीन ताली डोडिया हींच सनेडो डांडिया से माताजी की आराधना कर पूरे माहौल को भक्ति मय बनाया।

श्री गुजराती समाज के नसिया रोड प्रांगण में चार महाविद्यालय एवं दो विद्यालयों को सम्मिलित कर एक दिवसीय गरबा महोत्सव कल आयोजित किया गया। जिसमें छात्राओं ने ट्रेडिशनल गुजराती गरबों ने रंग जमाया। इसके साथ ही ओपन गरबा भी खेला गया जिसमें विद्यार्थी और स्टाफ काफी देर तक गरबों के रंग में रंगे रहे। डॉ. कमलेश भंडारी ने बताया कि बेहतर प्रदर्शन करने वाली छात्राओं को पुरस्कृत भी किया गया। इस अवसर पर किशोरभाई डोसी, नरेन्द्र पटेल, नीलेश पटेल आदि उपस्थित थे।

इन्दौर समाचार

इन्दौर, शुक्रवार 2 अगस्त 2019

श्री गुजराती समाज में पौधारोपण

इंदौर। श्री गुजराती समाज बी.एड. कॉलेज में हरियाली उत्सव के अंतरर्गत पौधारोपण का कार्यक्रम का आयोजन किया गया उसमें सर्वप्रथम महाविद्यालय के चेयरमेन जयेंद्रभाई पटेल का स्वागत प्राचार्या डॉ. किरण दम्माणी ने तुलसी का पौधा देकर किया तथा महाविद्यालय की वरिष्ठ सहायक प्राध्यापिका भारती जादौन ने प्रचार्या का स्वागत तुलसी का पौधा देकर किया।

महाविद्यालय के चेयरमेन सर ने शिक्षक-प्रशिक्षणार्थियों को पर्यावरण जागरुकता के संबंध में जानकारी दी तथा सभी शिक्षक तथा सभी शिक्षक तथा शिक्षक-प्रशिक्षणार्थियों के दो-दो पौधे लगाने तथा पने देश समज शहर, गांव को स्वच्छ रखने हेतु पर्यावरण से संबंधित शपथ भी दिलाई। शिक्षक प्रशिक्षणार्थियों ने विभिन्न प्रकार के पौधे लगाए। अर्पणा रघुवंशी ने किया तथा आभार सहायक प्राध्यापिका अर्चना सिंह तोमर ने माना।

2:11 PM 4G 64

श्री गुजराती समाज बी. एड. महाविद्यालय में

निबंध, रांगोली, तात्कालिक भाषण प्रतियोगिता का आयोजन

इन्दौर। श्री गुजराती समाज बी. एड. महाविद्यालय के पद्रहें वार्षिकोत्सव कार्यक्रम के अंतर्गत 14 से 16 दिसम्बर तक दो दिवसीय सांस्कृतिक गतिविधियों का आयोजन किया गया7 कार्यक्रम की अध्यक्षता महाविद्यालय की प्राचार्य डॉ. किरण दम्मानी द्वारा की गयी।

उन्होंने सांस्कृतिक गतिविधियों का महत्व बताते हुए प्रतिभागियों के लिए शिक्षक- प्रशिक्षणार्थियों को शुभकामनाएं दी7 गतिविधियों के अंतर्गत अन्ताक्षरी, रांगोली, तात्कालिक भाषण व निबंध प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया7 इन प्रतियोगिताओं में शिक्षक प्रशिक्षणार्थियों ने उत्साह से भाग लिया7 कार्यक्रम का सफलतापूर्वक संचालन महाविद्यालय की सांस्कृतिक गतिविधि प्रभारी सहा. प्रा. कीर्ति यादव ने किया7 तात्कालिक भाषण प्रतियोगिता में, बी. एड प्रथम सेमेस्टर की छात्रा कु. सर्मीला राठौर ने प्रथम स्थान व द्वितीय सेमेस्टर के छात्र राकेश कुमार ने द्वितीय स्थान प्राप्त किया7 रांगोली प्रतियोगिता में द्वितीय सेमेस्टर की छात्रा मनीषा वर्मा व अंजली कनेरिया ने क्रमशः प्रथम व द्वितीय स्थान प्राप्त किया7 निबंध प्रतियोगिता में प्रथम स्थान सेकंड सेमेस्टर की छात्रा सीमा पालीवाल ने तथा द्वितीय स्थान प्रथम सेमेस्टर की छात्रा कृष्णा पालीवाल ने प्राप्त किया7 अन्ताक्षरी प्रतियोगिता के अंतर्गत प्रतिभागी सर्मीला राठौर, हिमानी कलवाणी, शिवानी शिवहरे, खुशबू पंवार, जाग्रति सोनी, मनीषा रघुवंशी व नितिन बरडे की टीम विजेता रही7 महाविद्यालय के चेयरमेन श्री जयेन्द्र भाई पटेल ने सभी विजेताओं को बधाइयाँ प्रेषित की 7 अंत में आभार प्रदर्शन महाविद्यालय की सहा. प्रा. अर्पना सिंह द्वारा किया गया।

इन्दौर महानगर

इन्दौर समाचार

इन्दौर, रविवार, 15 दिसंबर 2019

श्री गुजराती समाज बी.एड. महा के वार्षिकोत्सव में

परम्परागत खेल प्रतियोगिताओं का आयोजन

इन्दौर। श्री गुजराती बी.एड. महाविद्यालय में १५ वे वार्षिकोत्सव कार्यक्रम के अंतर्गत विभिन्न परम्परागत खेल प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया।

कार्यक्रम का उद्घाटन मुख्य अतिथि श्री जयेन्द्रभाई पटेल (चेयरमेन, श्री गुजराती समाज बी.एड कॉलेज) ने सितोलिया से आरंभ किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ माँ सरस्वती के दीप प्रज्जवलन से किया गया। महाविद्यालय की प्राचार्या डॉ. किरण दम्मानी ने स्वागत भाषण में कहा कि खेल जीवन का एक अभिन्न अंग है। खेल के माध्यम से ही मनुष्य के व्यक्तिव का विकास होता है। इस वर्ष विभिन्न पांरम्परिक खेलों का आयोजन किया गया जिसमें निबू रेस, थ्री लेग रेस, चौपड़, केरम, सितोलिया, क्रिकेट, दौड़ (100 मी.)चेयर रेस, रिले रेस, रस्सी कूद, 1 मीनिट खेल आयोजित किये गये। जिसमें बी.एड. के सभी शिक्षक प्रशिक्षणार्थीयों ने सक्रिय प्रतिभागिता दर्शायी।

कार्यक्रम का सफलतापूर्वक संचालन खेल समिति प्रभारी सहायक प्राध्यापक पलक बेरछा ने किया। निबू रेस में बी.एड. द्वितीय सेमेस्टर की रिषिका गुप्ता, नीतिन बरडे ने प्रथम स्थान प्राप्त किया। अवंतिका शिवरे, राजेश कुमार शर्मा ने द्वितीय स्थान ग्रहण किया। केरम में प्रथम सेमेस्टर से प्रियंका यादव प्रथम एवं अवंतिका शिवरे द्वितीय स्थान पर रही। रिले रेस में सतरूपा पाण्डे, पिंकी चौधरी, कृष्णा पालीवाल, मनीषा वर्मा विजेता रही। क्रिकेट के पाँच विकेट के मैच मे नीतिन बरडे व राजेश कुमार शर्मा की टीम में से नीतिन बरडे की टीम ने 65 रन बनाकर जीत हासील की। इसमें बी.एड. प्रथम सेमेस्टर की नेहा पाटीदार मेन ऑफ द मैच रही। 100 मी. दौड मे सतरूपा पाण्डे, नीतिन बरडे प्रथम स्थान, नेहा पाटीदार, सर्वेश सुनहरे द्वितीय स्थान पर रहे। चेयर रेस में अवंतिका शिवरे प्रथम स्थान, सीमा पालीवाल द्वितीय स्थान पर रही। थ्रीलेग प्रतियोगिता में बी.एड. प्रथम सेमेस्टर की कृष्णा पालीवाल, कीर्ति सरोज ने प्रथम स्थान प्राप्त किया। अंजली कनेरिया, शीतल बरूआ द्वितीय स्थान पर रही। सितोलिया में अनुषा जायसवाल प्रथम स्थान पर रही हैं। अंत में आभार प्रदर्शन सहायक प्राध्यापक अपर्णा रघुवंशी ने किया।

वार्षिकोत्सव के अंतर्गत नृत्य एवं गायन का आयोजन

इन्दौर। श्री गुजराती समाज बी.एड. महाविद्यालय एवं प.म.ब. गुजराती विज्ञान महाविद्यालय के वार्षिकोत्सव "रंग - तरंग" २०२० कार्यक्रम की शुरूआत हर्षोल्लास के साथ हुई। कार्यक्रम के उद्घाटन समारोह मे मुख्य अतिथि पद्मश्री श्रीमती जनक पल्टा मॅकगिलीगन, विशेष अतिथि श्री अनिल शर्माजी (कुलसचिव दे.अ.वि.वि.,इन्दौर), कार्यक्रम की अध्यक्षता श्री किशोर भाई दोशी, के द्वारा की गई कार्यक्रम मे महाविद्यालय के विद्यार्थियो द्वारा रंगारग प्रस्तुतियॉ दी गई।

कार्यक्रम का शुभारंभ गणेश वन्दना के साथ किया गया अतिथियों का स्वागत संस्था के चेअरमेन जयेन्द्र भाई पटेल एवं प्राचार्य डॉ. श्रीमती किरण दम्मानी ने किया। श्रीमती जनक पल्टा ने अपने स्वागत उद्बोधन मे कहा कि सतत विकास से ही देश का विकास सम्भव है। कार्यक्रम के इसी कडी में बी.एड. महाविद्यालय की प्राचार्या श्रीमती डॉ. किरण दम्मानी ने विद्यार्थियो को महाविद्यालय के सम्बन्ध में जानकारी दी।

श्री गुजराती समाज बी.एड. कॉलेज के विद्यार्थियों ने राजस्थानी नृत्य "टूटे बाजू बन्द री लूम" पर नृत्य प्रस्तुत किया एवं फ्यूजन "नैनों वाले ने छेड़ा मन का प्याला" समस्त विद्यार्थी झूम उठे। इस अवसर पर श्री गुजराती समाज के समस्त पदाधिकारी उपस्थित थे।

डोडिया और गाड़ी से सनेड़ो तक पारंपरिक गरबों की धूम

श्री गुजराती समाज की 6 संस्थाओं का गरबा महोत्सव

इंदौर। श्री गुजराती समाज के नसिया रोड़ प्रांगण स्थित चार महाविद्यालय एवं दो विद्यालयों का विशेष नवरात्रि गरबा महोत्सव शनिवार को आयोजित किया गया। इस महोत्सव में नसिया रोड़ प्रांगण स्थित पीएमबी गुजराती वाणिज्य, पीएमबी गुजराती विज्ञान, गुजराती कला एवं विधि, गुजराती समाज बीएड महाविद्यालय, आरआरएमबी गुजराती उ.मा. विद्यालय एवं श्रीमति च.म.प. गुजराती प्राथमिक एवं माध्यमिक विद्यालय के स्टॉफ एवं विद्यार्थियों ने भाग लिया।

गरबा महोत्सव के संयोजक पीएमबी गुजराती वाणिज्य महाविद्यालय शासी निकाय के चेयरमेन नरेंद्रभाई वी. पटेल ने बताया कि सुबह 9 बजे माताजी के चित्र पर पूजा व माल्यार्पण के बाद आरंभ हुए इस महोत्सव में गुजरात से आए ट्रेडिशनल गरबा आर्केस्ट्रा में पँखिड़ा रे पँखिड़ा... तारा बिना श्याम ने, मां काली रे कल्याणी,,, आदि गरबों ने रंग जमा दिया। इसके बाद महाविद्यालय व विद्यालय की छात्राओं ने दो ताली, तीन ताली, हींच, सनेडो, डाँडिया व ओपन गरबा से माताजी की आराधना की। गरबा महोत्सव में बेहतर प्रदर्शन करने वाली विभिन्न संस्थाओं की छात्राओं को प्रथम, द्वितीय, तृतीय पुरस्कार के साथ ही अन्य 14 अलग-अलग सांत्वना पुरस्कार दिए गए। इनका चयन गुजराती समाज के सदस्यों की टीम ने किया।

इस अवसर पर श्री गुजराती समाज के अध्यक्ष किशोरभाई दोशी, उपाध्यक्ष मुकेशभाई पटेल, विभिन्न महाविद्यालयों व विद्यालयों के शासी निकाय अध्यक्ष समेत महाविद्यालय के प्राचार्यगण उपस्थित थे। इसके अतिरिक्त श्री गुजराती समाज के सदस्यगण एवं उनके परिजनों ने भी गरबा व डाँडिया कर माहौल बनाया।

श्री गुजराती समाज बी.एड. महाविद्यालय में पुरस्कार वितरण समारोह का आयोजन

इन्दौर। श्री गुजराती समाज बी.एड. महाविद्यालय में पुरस्कार वितरण समारोह का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में दीपकभाई जेठवा (सदस्य, व्यवस्थापक समिति) रमेशभाई मारू (सदस्य, बोर्ड ऑफ ट्रस्टीज) श्री जयेन्द्र भाई पटेल (चेयरमेन, श्री गुजराती समाज बी.एड महाविद्यालय), उपस्थित रहे। कार्यक्रम में प्राचार्य डॉ. किरण दम्मानी ने कहा कि केवल प्रतियोगिता में विजेता होना ही सब कुछ नहीं होता, बल्कि हम प्रतियोगिता में सक्रिय रूप से अपनी प्रतिभागिता प्रदर्शित करें, यह भी महत्वपूर्ण है। चेयरमेन श्री जयेन्द्र भाई पटेल, प्राचार्य डॉ. किरण दम्मानी ने शिक्षक-प्रशिक्षणार्थियों को कार्यक्रम की सफलता के लिए बधाईयाँ प्रेषित की। इस वर्ष महाविद्यालय की सांस्कृतिक गतिविधियों के अंतर्गत मुंशी प्रेमचंद जयंती, रंगोली प्रतियोगिता, मटकी फोड़ प्रतियोगिता, विश्व एड्स दिवस, विश्व साक्षरता दिवस, अंताक्षरी प्रतियोगिताएँ, राखी मेकिंग प्रतियोगिताएँ आयोजित की गई। सांस्कृतिक गतिविधियों का सफलतापूर्वक संचालन समिति प्रभारी सहायक प्राध्यापक कीर्ति यादव, सहायक प्राध्यापक अर्चना सिंह तोमर द्वारा किया गया। खेल गतिविधियों के अंतर्गत चेयर रेस, थ्री लेग रेस,100 मी. रेस, क्रिकेट, सितोलिया, चोपर, रस्सी कूद, प्रतियोगिताएँ आयोजित की गई। इस वर्ष समिति की प्रभारी सहायक प्राध्यापक पलक बेरठा, सहायक प्राध्यापक अपर्णा सुवंशी रही। सत्र 2017-19 की महाविद्यालयीन प्रावीण्य सूची में कृतिका मिश्रा (80:) प्रथम स्थान, किरण पोरवाल (79:) द्वितीय स्थान, सीमा साहबादे (78.05:) तृतीय स्थान पर रही। बी.एड. प्रथम वर्ष की नेहा पाटीदार को क्रिकेट में मेन ऑफ द मेच के लिए पुरस्कृत किया गया। विभिन्न सांस्कृतिक एवं खेल गतिविधियों के लिए भी विद्यार्थियों को पुरस्कृत किया गया। कार्यक्रम का सफलता पूर्वक संचालन सहायक प्राध्यापक पलक बेरठा ने किया। अंत में आभार प्रदर्शन डॉ. आरती राघव सहायक प्राध्यापक) ने किया।

वार्षिकोत्सव के तहत महाविद्यालय में निबंध, रंगोली का आयोजन

श्री गुजराती समाज बी. एड. महाविद्यालय में हुए कार्यक्रम

इंदौर। श्री गुजराती समाज बी. एड. महाविद्यालय के पद्रहें वार्षिकोत्सव कार्यक्रम के अंतर्गत 14 से 16 दिसम्बर 2019 तक दो दिवसीय सांस्कृतिक गतिविधियों का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता महाविद्यालय की प्राचार्य डॉ. किरण दम्मानी द्वारा की गयी उन्होंने सांस्कृतिक गतिविधियों का महत्व बताते हुए प्रतियोगिताओं के लिए शिक्षक- प्रशिक्षणार्थियों को शुभकामनाएँ दी गतिविधियों के अंतर्गत अन्ताक्षरी, रांगोली, तात्कालिक भाषण व निर्बंध प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। इन प्रतियोगिताओं में शिक्षक प्रशिक्षणार्थियों ने उत्साह से भाग लिया। कार्यक्रम का सफलतापूर्वक सञ्चालन महाविद्यालय की सांस्कृतिक गतिविधि प्रभारी सहा. प्रा. कीर्ति यादव ने किया।

तात्कालिक भाषण प्रतियोगिता में, बी. एड. प्रथम सेमेस्टर की छात्रा कु. शर्मीला राठौर ने प्रथम स्थान व द्वितीय सेमेस्टर के छात्र राकेश कुमार ने द्वितीय स्थान प्राप्त किया। रांगोली प्रतियोगिता में द्वितीय सेमेस्टर की छात्रा मनीषा वर्मा व अंजली कनेरिया ने क्रमशः प्रथम व द्वितीय स्थान प्राप्त किया। निर्बंध प्रतियोगिता में प्रथम स्थान सेकंड सेमेस्टर की छात्रा सीमा पालीवाल ने तथा द्वितीय स्थान प्रथम सेमेस्टर की छात्रा कृष्णा पालीवाल ने प्राप्त किया।अन्ताक्षरी प्रतियोगिता के अंतर्गत प्रतिभागी शर्मीला राठौर, हिमानी कल्याणी, शिवानी शिवहरे, खुशबू चंदौरे, जाग्रति सोनी, मनीषा रघुवंशी व नितिन बरेड़े की टीम विजेता रही। महाविद्यालय के चेयरमेन श्री जयेन्द्र भाई पटेल ने सभी विजेताओं को बधाइयाँ प्रेषित की। अंत में आभार प्रदर्शन महाविधालय की सहा. प्रा. अर्चना सिंह द्वारा किया गया।

नाटिका में सूरत की जगह सीरत की सुंदरता कायम रखने का दिया संदेश

वार्षिकोत्सव 'रंग-तरंग 2020 में' ने दी विद्यार्थियों ने दी सांस्कृतिक प्रस्तुतियां

पत्रिका PLUS रिपोर्टर

इंदौर. एसिड अटैक सर्वाइवर का दर्द जब मंच पर झलका तो दर्शक दीर्घा में बैठे कई लोगों की आंखों भर आई। सोमवार को पीएमबी गुजराती साइंस कॉलेज एवं श्री गुजराती समाज बीएड महाविद्यालय का वार्षिकोत्सव रंग-तरंग-2020 में नृत्य नाटिका के जरिए एसिड अटैक की त्रासदी झेलने वाली युवतियों की वेदना दिखाई। नृत्य नाटिका की शुरुआत एक लड़के द्वारा युवती के चेहरे पर एसिड फेंकने से होती है। इसमें समाज का एसिड अटैक सर्ववाइवर के प्रति नजरिया भी दिखाया गया। नृत्य नाटिका में छिल गए नैना, अभी मुझमें कहीं बाकी थोड़ी सी है जिंदगी, मर्दानी जैसे गीतों के साथ प्रस्तुत किया गया। नृत्य नाटिका के जरिए संदेश दिया गया कि सूरत बिगाड़ने से मन का हौसला कम नहीं होता और सूरत से ज्यादा सीरत की खूबसूरती का कायम रहना महत्वपूर्ण है।

कार्यक्रम में झांसी की रानी लक्ष्मीबाई की शौर्यगाथा को भी नृत्य नाटिका के जरिए पेश किया गया। इसके अलावा ब्लाइंड फोल्ड डांस एवं लोकनृत्य गोंधल, गरबा, घूमर आदि प्रस्तुत किए गए। इसके अलावा लता मंगेशकर को समर्पित एक मेडले प्रस्तुत किए गए। कार्यक्रम में स्वच्छता के संदेश के साथ गीत गाड़ी वाला आया घर से कचरा निकाल पर प्रस्तुति दी गई।

सांस्कृतिक अधिकारी ऋषिना नातू ने बताया, कार्यक्रम में लगभग 150 विद्यार्थियों ने हिस्सा लिया। पर्यावरण थीम पर बैकड्रॉप डिजाइन प्रोफेसर डॉ. रश्मि शर्मा ने किया। मुख्य अतिथि पद्मश्री जनक पलटा मगिलिगन, विशेष अतिथि डीएवीवी के कुलसचिव अनिल शर्मा थे। कार्यक्रम की अध्यक्षता गुजराती समाज के अध्यक्ष किशोर दोशी ने की। अतिथियों का स्वागत प्रशासनिक अधिकारी रश्मि संघवी ने किया। कार्यक्रम का संचालन दिनेश जाजू ने किया।

चाइल्ड एब्यूज पर किया जागरूक

इंदौर. वान्या डांस प्लेनेट के बच्चों ने टीआइ नेक्स्ट मॉल में चाइल्ड एब्यूज पर लोगों को जागरूक किया। बच्चों ने पोस्टर, पेंटिंग्स से सोशल मैसेज दिए और कहा, पैरेंट्स को शुरुआत से ही बच्चों को जरूरी जानकारियां देना चाहिए। कई बार गलत लोग बच्चों का फायदा उठा लेते हैं, क्योंकि उन्हें चाइल्ड एब्यूज से जुड़ी बेसिक जानकारी नहीं होती।

BUSINESS NEWS...

अप्पू घर में प्रतिदिन मनाएं नए साल का जश्न

जयपर के 'स्वराग-एन इंडो-वेस्टर्न फ्यजन बैंड' ने दी परफॉर्मेंस

8 टीम बनाई, महीने भर करेंगे प्रैक्टिस

गणतंत्र दिवस समारोह

ध्वजारोहण करते श्री गुजराती समाज के पदाधिकारीगण

तिरंगा फ़हराते अध्यक्ष श्री नरेन्द्रभाई पटेल

एनसीसी कैडेट का बैज लगाते पदाधिकारी

समारोह में उपस्थित स्टॉफ़

श्री पंकजभाई संघवी का संबोधन

उपलब्धि पर एनसीसी कैडेट का हुआ सम्मान

एनसीसी अधिकारी और पदाधिकारीगण

सम्मान का गौरवशाली क्षण

परेड की सलामी लेते अध्यक्ष श्री नरेन्द्रभाई जी. पटेल

गरबा महोत्सव

शिविर में गुजराती समाज के पदाधिकारीगण एवं गरबा की विजेता टीम

आकर्षक गरबा ने मोहा सबका मन

विजेताओं को किया पुरस्कृत

कोरोना सहायता

कोरोना से लड़ाई के लिए श्री गुजराती समाज ने रेड क्रास सोसाइटी को 5 लाख रु. का चेक प्रदान किया पदाधिकारियो ने यह चेक कलेक्टर को सौंपा